खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 20 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-19

मन की बात की 118वीं कड़ी में

मोदी ने किया राष्ट्र निर्माण के लिए सर्वहित के भाव से जुटने का आह्वान

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान निर्माता के सपनों के अनुरूप भारत के निर्माण का आह्वान करते हुए कहा है कि इसके लिए सर्वहित, संस्कृति संरक्षण और समानता के मूल्यों को लेकर आगे बढ़ना होगा।

श्री मोदी ने रविवार को आकाशवाणी पर अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 118वीं कड़ी में राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार का गणतंत्र दिवस बहुत विशेष है। ये भारतीय गणतंत्र की 75वीं वर्षगाँठ है। उन्होंने कहा, मैं संविधान सभा के उन सभी महान व्यक्तित्वों को नमन करता हूँ, जिन्होंने हमें हमारा पवित्र संविधान दिया।

उन्होंने कहा कि संविधान सभा के दौरान अनेक विषयों पर लंबी-लंबी चर्चाएं हुईं। ये चर्चाएं, संविधान सभा के सदस्यों के विचार, उनकी वाणी बहुत बड़ी धरोहर है।

श्री मोदी ने अपने संबोधन में संविधान सभा के सदस्य डॉक्टर बी आर अंबेडकर, डॉ राजेंद्र प्रसाद और डॉ श्यामाचरण मुखर्जी के भाषणों का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने एकमत और सर्वहित पर जोर दिया और डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अहिंसा और शांति जैसे मूल्यों के संस्कृति संरक्षण को महत्वपूर्ण बताया।

प्रधानमंत्री ने डॉक्टर श्यामा चरण मुखर्जी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अवसरों की समानता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि देशवासियों को संविधान निर्माताओं के इन विचारों से प्रेरणा लेकर ऐसे भारत के निर्माण के लिए काम करना है जिस पर हमारे संविधान निर्माताओं को भी गर्व हो।

श्री मोदी ने कहा, आज 2025 की पहली मन की बात हो रही है। हर बार मन की बात महीने के आखिरी रविवार को होती है लेकिन इस बार हम एक सप्ताह पहले चौथे रविवार की बजाय तीसरे रविवार को ही मिल रहे हैं। क्योंकि अगले सप्ताह रविवार के दिन ही गणतंत्र दिवस है। मैं सभी देशवासियो को गणतंत्र दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं देता हूँ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस है। ये दिन इसलिए अहम है क्योंकि इस दिन भारतीय निर्वाचन आयोग की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा, मैं चुनाव आयोग का भी धन्यवाद दूंगा जिसने समय-समय पर हमारी मतदान प्रक्रिया को आधुनिक बनाया है, मजबूत किया है। आयोग ने जन-शक्ति को और शक्ति देने के लिए तकनीक की शक्ति का उपयोग किया। मैं चुनाव आयोग को निष्पक्ष चुनाव के उनके समर्पण के लिए बधाई देता हूँ।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से ज्यादा-से-ज्यादा संख्या में अपने मत के अधिकार का उपयोग करने का आह्वान करते हुए कहा कि फिर लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बने और इसे मजबूत करें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि नगालैंड जैसे राज्य में पिछले साल स्टार्टअप के पंजीयन में 200 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है और छोटे शहरों में स्टार्टअप में से आधे से ज्यादा का नेतृत्व बेटियां कर रही हैं।

श्री मोदी कहा कि कुछ दिन पहले ही स्टार्टअप इंडिया के नौ साल पूरे हुए हैं। जितने स्टार्टअप नौ साल में बने हैं उनमें से आधे से ज्यादा टियर 2 और टियर 3 शहरों से हैं। ▶10पर

एनडीआरएफ ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारत की वैश्विक पहचान बनाई : शाह

सिर्फ छह माह में... आंध्र प्रदेश में अमित शाह ने किया बड़ा दावा

अमरावती (आंध्र प्रदेश), 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल ने बहुत कम समय में न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता बनायी है तथा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारत को वैश्विक पहचान दी है।

श्री शाह ने रविवार को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में बल के 20वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के दक्षिणी परिसर, बल की 10वीं वाहिनी तथा क्षेत्रीय कार्रवाई केन्द्र के सुपौल परिसर सहित लगभग 220 करोड़ रूपए लागत की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। गृह मंत्री ने राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में नई इंटीग्रेटेड शूटिंग रेंज का शिलान्यास और तिरूपति में राज्य सरकार की क्षेत्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भवन का भी उद्घाटन किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आंध्र प्रदेश के लिए केवल छह महीनों में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हुडको और विश्व बैंक के माध्यम से अमरावती के विकास के लिए 27,000 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय यह बल सबसे पहले आगे आकर काम करता है । उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर तीन गुना अधिक गति से आंध्र प्रदेश का विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने पिछले छह माह में तीन लाख करोड़ से अधिक का निवेश और मदद आंध्र प्रदेश के लिए भेजे हैं। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने विशाखापत्तनम के स्टील प्लांट के लिए 11 हज़ार करोड़ रूपए की मदद को स्वीकृति दी है। इस निर्णय से आंध्र प्रदेश के गौरव माने जाने वाले विशाखापत्तनम स्टील प्लांट का लंबे समय तक चलना सुनिश्चित हो गया है। गृह मंत्री ने कहा कि अमरावती राजधानी की कल्पना मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने की थी और प्रधानमंत्री ने इसका भूमिपूजन किया था, लेकिन पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान इस पूरे प्रोजेक्ट को एक प्रकार से दरकिनार कर दिया गया था। श्री शाह ने ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के तहत महत्वपूर्ण गतिविधियों को आगे बढ़ाने का काम हुआ है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत, पुलिस स्टेशन, एनसीसी और स्काउट्स के कैडेट्स से लेकर सरकार तक हर जगह कोऑर्डिनेशन से काम होता है, तभी बाधारहित आपदा प्रबंधन ज़मीन पर उतरता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में दृष्टिकोण, तरीका और उद्देश्य में क्रांतिकारी परिवर्तन करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पहले राहत-केन्द्रित दृष्टिकोण होता था, अब बचाव-केन्द्रित आपदा प्रबंधन को लेकर यह 360 डिग्री बदलाव 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद आया है। उन्होंने कहा कि आपदा के दौरान ज़ीरो कैजुअल्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने में बल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और संस्थान तीनों ने बहुत सामंजस्य से काम किया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बल ने एक संस्था के तौर पर बहुत कम समय में न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा, आपदा के दौरान जब बल के जवान आते हैं, ▶10पर

महाकुंभ मेला : शास्त्री ब्रिज के नीचे पंडालों में लगी आग, कोई हताहत नहीं

सीएम योगी ने मौके का लिया जायजा

प्रयागराज, 19 जनवरी (एजेंसियां)।
प्रयागराज में महाकुंभ मेला क्षेत्र में शास्त्री ब्रिज के नीचे पंडालों में भीषण आग लग गई थी। यह आग मेले क्षेत्र के सेक्टर 19 में सिलेंडर फटने से लग गई थी। जिसमें 18 टेंट आग में जल गए। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 15-16 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। आग की घटना के बाद अस्पताल में तैयारी की गई है। गनीमत है कि अभी तक किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटनास्थल का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र का मुआयना करके अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सीएम योगी से बात की है और घटना को लेकर जानकारी ली।

महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर-19 में पांटून पुल 12 स्थित अखिल भारतीय धर्म संघ श्रीकरपात्री धाम वाराणसी के शिविर में आग लगी थी। इसके बाद अन्य शिविर भी आग की चपेट में आ गए, और उनमें रखे एलपीजी सिलेंडर भी धमाके के साथ फटने लगे थे। रुक-रुककर सिलेंडर फट रहे थे। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इस हादसे में 19 में सिलेंडर फटे। इसके बाद एहतियातन केंद्रीय अस्पताल महाकुंभ में 10 चिकित्सकों को इमरजेंसी में बुलाया गया। एसआरएन अस्पताल को भी अलर्ट मोड पर किया गया है। मुख्यमंत्री योगी ने आग लगने की घटना का संज्ञान लिया है। ▶10पर

भारत-बांग्लादेश के किसानों के बीच हिंसक झड़प

बीएसएफ और बीजीबी ने संभाला मोर्चा बॉर्डर पर अतिरिक्त जवान तैनात

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)।
भारत और बांग्लादेश के किसान शनिवार को मालदा के सुखदेवपुर में सीमा पर भिड़ गए। जिसको लेकर भारतीय किसानों ने दावा किया कि बांग्लादेशी किसान उनकी खड़ी फसलों को चुरा रहे हैं और बांग्लादेशियों का कहना है कि भारतीयों ने सीमा पार कर उनके आम के पेड़ काट लिए हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना सुबह करीब 11.45 बजे शुरू हुई जब भारतीय किसानों ने कहा कि उन्होंने बांग्लादेशी किसानों को सुखदेवपुर में बीएसएफ की 119 सीमा चौकी के पास भारतीय क्षेत्र से कथित रूप से फसल काटते देखा। बीएसएफ सूत्रों ने कहा कि कहासुनी जल्द ही हिंसक टकराव में बदल गई। दोनों तरफ के किसान एक-दूसरे पथराव करने लगे।

जानकारी मिलने के बाद बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के जवान मौके पर पहुंचे। भीड़ को तितर-बितर करने के बाद फिर से व्यवस्था को पहले की तरह बहाल किया गया। हालांकि, बांग्लादेशी नागरिकों को कथित तौर पर दोपहर तक अंतर्राष्ट्रीय सीमा के 50 से 75 मीटर के दायरे में देखा गया।

एक भारतीय किसान ने कहा कि हम अपने खेतों में काम कर रहे थे, तभी हमने उन्हें अपनी फसलें चुराते देखा। जब उनसे पूछा गया, तो वे हिंसा पर उतर आए।

हालांकि, बांग्लादेशी किसानों ने दावा किया कि शनिवार की घटना तब शुरू हुई, जब वे जीरो लाइन के पास बांग्लादेशी क्षेत्र में गेहूं की कटाई करने गए थे। उन्होंने कहा कि जब वे काम कर रहे थे, तो भारतीय किसान सीमा पार कर बांग्लादेशी क्षेत्र में घुस आए और कई आम के पेड़ काट दिए। बंगाली दैनिक प्रथम अलो के अनुसार, इस घटना में तीन बांग्लादेशी नागरिक घायल हो गए। जिस क्षेत्र में झड़प हुई, वह एक परिक्षेत्र है, जिससे उचित बाड़ लगाना मुश्किल है। ▶10पर

2047 तक भारत को विकसित देश बनाएंगे : राजनाथ सिंह

जौनपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन चुका है। शहर से गांव तक सबसे ज्यादा 5 जी यूजर्स है। हम 2047 तक भारत को विकसित देश बनाएंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ से रविवार को उत्तरप्रदेश में जौनपुर जिले के निजामुद्दीनपुर गांव में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जगत नारायण दुबे के आवास पर आयोजित मांगलिक समारोह में भाग लेने के पश्चात पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भारत कुछ बोलता है, तो सारी दुनिया कान खोल कर सुनती है कि भारत बोल क्या रहा है। विज्ञानी सेना से जुड़े उपकरण भारत की धरती पर बना रहे हैं और दूसरे देशों को भी एक्सपोर्ट कर रहे हैं। देश में 1.30 लाख स्टार्टअप काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के युवाओं को भारत का इतिहास पढ़ना चाहिए, हमारे इतिहास में हर क्षेत्र में भारत की उपलब्धि व्याप्त है।

श्री सिंह ने पत्रकारों के सवालों का जबाब देते हुए कहा कि गुलाम जम्मू कश्मीर भारत का मुकुट मणि है और इसके बिना जम्मू कश्मीर अधूरा है, पाकिस्तान के लिए यह एक विदेशी क्षेत्र से अधिक कुछ नहीं है वह इसका इस्तेमाल आतंक को शह देने व भारत विरोधी दुष्प्रचार के लिए कर रहा है। रक्षा मंत्री ने गुलाम जम्मू कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग करार दिया और साथ ही पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि गुलाम जम्मू कश्मीर में आतंकी ट्रेनिंग कैम्प व लॉन्चिंग पैड खत्म कर दे नहीं तो उचित जवाब दिया जाएगा। रक्षा मंत्री ने इस वाक्य से पाकिस्तान को आतंकी शिविरों पर सर्जिकल स्ट्राइक व बालाकोट स्ट्राइक की याद भी दिला दी। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 14^0

राहुल गांधी के इंडियन स्टेट से लड़ाई वाले विवादित बयान पर गुवाहाटी में मामला दर्ज

गुवाहाटी, 19 जनवरी (एजेंसियां)।

राहुल गांधी की हालिया टिप्पणी ने उनके लिए नई मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। राहुल ने 15 जनवरी को दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के नए मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान एक बयान दिया था, जिसमें उन्होंने भारतीय चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए थे और दावा किया था कि उनकी लड़ाई सिर्फ भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से नहीं, बल्कि इंडियन स्टेट से भी है। उनके इस बयान को लेकर अब गुवाहाटी में एक एफआईआर दर्ज की गई है। गुवाहाटी के पान बाजार पुलिस स्टेशन में राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 152 और 197(1)डी के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इस पर पुलिस ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के शब्द भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले हैं, और उनके बयान से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। ▶10पर

कौन होगा भाजपा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष?

शुरू हो गए हैं संगठन स्तर के चुनाव

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)।
देश की सियासत में इस समय सबसे ज्यादा चर्चा दिल्ली के विधानसभा चुनाव की है, जिसमें मुख्य मुकाबला आम आदमी पार्टी, बीजेपी और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है। वहीं एक बड़ा मुद्दा यह भी है कि दिल्ली का परिणाम जो भी हो लेकिन उसके बाद बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा, जिसको लेकर सत्ताधारी पार्टी में मंथन जारी है।दरअसल मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान दिल्ली चुनाव के बाद ही करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पार्टी के अध्यक्ष का चुनाव 10 फरवरी के बीच होने की संभावना है। बीजेपी दिल्ली विधानसभा चुनाव जेपी नड्डा की अध्यक्षता में ही लड़ रही है।

अध्यक्ष के तौर पर जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2024 में खत्म हो गया था, लेकिन लोकसभा चुनाव के चलते उनका कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाया गया था। जानकारी के मुताबिक बीजेपी में संगठन के स्तर पर चुनावी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राष्ट्रीय परिषद और राज्य परिषद के सदस्यों का चुनाव हो रहा है।राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले राज्यों की इकाईयों में से कम से कम 50 प्रतिशत को अपना संगठन स्तर का चुनाव पूरा करना होगा। ▶10पर

सूचना

शुभ-लाभ हिंदी दैनिक द्वारा प्रकाशित नव-वर्ष का कैलेंडर लेना न भूलें। **शुभ-लाभ** अखबार के साथ ही **आज, सोमवार, दि. 20 जनवरी** 2025 को नव वर्ष कैलेंडर भी संलग्न होगा। इसे निःशुल्क प्राप्त करें।
प्रबंधक, शुभ लाभ

खैबर पख्तूनख्वा के कुरम जिले में सांप्रदायिक हिंसा, मृतकों की संख्या बढ़कर हुई आठ

दमिश्क, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

कुर्रम जिले की राजधानी पाराचिनार जा रहे सहायता काफिले पर हुए घातक हमले में लापता ड्राइवरों के चार और शव शनिवार को बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत का कुर्रम जिला सांप्रदायिक हिंसा के बाद महीनों से देश के बाकी हिस्सों से कटा हुआ है। अब तक 150 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

इलाके में खाद्य आपूर्ति और दवाओं की कमी के कारण दर्जनों महिलाओं और बच्चों की मौत होने की वजह से हताहतों की संख्या में बढ़ोतरी हुई। हाल ही में विरोधी ग्रुप्स के बीच एक 14 सूत्री शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे तबाह क्षेत्र में शांति की उम्मीद जगी थी।

हालांकि, राहत सहायता ले जा रहे काफिले पर गुरुवार को बड़ा हमला हुआ। कुर्रम के अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) ने कहा, हमला कम से कम पांच घंटे तक चला। पांच ड्राइवर लापता हो गए, जिनमें से चार के शव बरामद कर लिए गए। अब तक कुल मृतकों की संख्या आठ है, इनमें चार ड्राइवर और दो सुरक्षाकर्मी शामिल हैं।

दूसरी ओर, पुलिस सूत्रों का कहना है कि अब तक कम से कम 10 लोग मारे गए हैं, जिनमें दो सुरक्षाकर्मी, चार ड्राइवर और चार नागरिक शामिल हैं। उनका कहना है कि छह ड्राइवर अब भी लापता हैं। हमलावरों ने उन्हें रॉकेट और ऑटोमैटिक हथियारों का इस्तेमाल करके अगवा कर लिया था। सुरक्षा बलों ने बताया कि जवाबी फायरिंग में छह हमलावर भी मारे गए। बतादें कि 35 वाहनों का यह काफिला, पाराचिनार में पहुंचाई जाने वाली सहायता सामग्री का दूसरा जत्था था। इसमें दवाइयां, सब्जियां, फल और अन्य खाद्य सामग्री शामिल थी। इसे पुलिस और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) सहित सुरक्षा बलों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा रही थी।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने कोर्ट के समक्ष दी रिहाई की दलील

सियोल। दक्षिण कोरिया में पिछले महीने मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा कर कानूनी एवं राजनीतिक संकट में फंसे राष्ट्रपति यून सुक येओल ने शनिवार को सियोल न्यायाधीश के समक्ष अपनी रिहाई के लिए दलील दी। ऐसा इसलिए क्योंकि अदालत ने समीक्षा की कि क्या उनकी औपचारिक गिरफ्तारी के लिए कानून प्रवर्तन अनुरोध को मंजूरी दी जानी चाहिए। यून के वकीलों ने कहा कि लगभग पांच घंटे की बंद कमरे में सुनवाई के दौरान उन्होंने न्यायाधीश से लगभग 40 मिनट तक बात की। उनकी कानूनी टीम और भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसियों ने इस बारे में विरोधी तर्क प्रस्तुत किए कि क्या उन्हें हिरासत में रखा जाना चाहिए। वकीलों ने उनकी विशिष्ट टिप्पणियां साझा नहीं कीं। इससे पहले, उच्च-रैंकिंग अधिकारियों के लिए गठित देश के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) ने सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय से येओल के खिलाफ औपचारिक गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति यून, जो बुधवार को अपने आवास पर बड़े पैमाने पर कानून प्रवर्तन अभियान में पकड़े जाने के बाद से हिरासत में हैं, 03 दिसंबर को मार्शल लॉ की घोषणा से जुड़े संभावित विद्रोह के आरोपों का सामना कर रहे हैं। उनके इस कदम ने 1980 के दशक में देश में लोकतंत्रीकरण के बाद दक्षिण कोरिया में सबसे गंभीर राजनीतिक संकट पैदा कर दिया है।

राष्ट्रपति की शपथ लेते ही ट्रंप 100 से ज्यादा फाइलों पर करेंगे हस्ताक्षर

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप सोमवार यानी 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। इससे पहले ही उनकी टीम ने कामों की लंबी सूची बना ली है। सत्ता संभालने के तुरंत बाद ट्रंप कम से कम 100 फाइलों पर साइन करेंगे जिससे अमेरिका ही नहीं दुनिया में बवाल मच सकता है। शपथ ग्रहण के बाद वह व्हाइट हाउस में प्रवेश करेंगे। उनके ओवल ऑफिस डेस्क पर 100 से अधिक कार्यकारी आदेश उनका इंतजार कर रहे होंगे, जिन्हें उनकी टीम ने उनके दूसरे कार्यकाल की शुरुआत बिना किसी समय की बर्बादी से बचने के लिए तैयार किया है। ट्रंप संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। ये कार्यकारी आदेश मुख्य रूप से उनके चुनावी वादों को पूरा करने के उद्देश्य से हैं। एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि वह पहले दिन रिकॉर्ड संख्या में कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या ये कार्यकारी आदेश 100 से ज्यादा होंगे तो ट्रंप ने कहा कि हां इतना हो सकते हैं। कार्यकारी आदेश राष्ट्रपति द्वारा एक तरफा जारी किया गया आदेश होता है, जिसमें कानून की ताकत होती है। ट्रंप ने कहा कि हमारे पास रिकॉर्ड-सेटिंग संख्या में दस्तावेज हैं, जिन पर मैं शपथ ग्रहण भाषण के तुरंत बाद हस्ताक्षर करूंगा।

भारत से टक्कर लेने के चक्कर में पाकिस्तान की माली हालत हुई खराब

इस्लामाबाद। कंगाल पाकिस्तान भारत का मुकाबला करने के लिए अपनी नौसेना का विस्तार करने में जुटा है। देश में मौजूदा आर्थिक संकट के बावजूद नेवी को आधुनिक बनाने की इस्लामाबाद की महत्वाकांक्षा देश की माली हालत पर भारी पड़ रही है। एक ओर मजबूत भारतीय नौसेना ने लगातार क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री रक्षा को प्राथमिकता देने के साथ ही मानवीय सहायता और आपदा राहत मिशनों से लेकर समुद्री डकैती विरोधी अभियानों के द्वारा एक शुद्ध सुरक्षा देने वाले बल के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को मजबूत किया है। इसके उलट पाकिस्तान नौसेना का आधुनिकीकरण कार्यक्रम सैन्यीकरण को प्राथमिकता देता है। पाकिस्तान 50 जहाजों वाली नौसेना बनाने का लक्ष्य रखा है, इसमें हंगोर श्रेणी की पनडुब्बियां और जिन्ना श्रेणी के युद्धक जहाज शामिल हैं। नेवी को बढ़ाने के लिए पाकिस्तान के पास पैसा नहीं है और वह चीन के सहारे पर चल रहा है, जो उसका कर्ज संकट बढ़ा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान की नेवी के विस्तार में चीन की दिलचस्पी इसी ग्वादर पोर्ट के रणनीतिक महत्व को लेकर है। यह पोर्ट बीजिंग को अरब सागर तक सीधी पहुंच देता है। पाकिस्तान के लिए यह प्रोजेक्ट दोधारी तलवार बना है।

इजराइल-हमास संघर्ष विराम, 15 महीने से चल रहा सैन्य संघर्ष 6 सप्ताह के लिए थमा

तेल अवीव, 19 जनवरी (एजेंसियां)।

इजराइल मंत्रिमंडल के गाजा संघर्ष विराम समझौते को मंजूरी देने के बाद छह हफ्ते तक चलने वाला संघर्ष विराम रविवार से लागू हो गया। इजराइल की कैबिनेट ने शनिवार को हमास के साथ संघर्ष विराम समझौते को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस ने बयान जारी इसकी पुष्टि की। समझौते के तहत हमास पहले चरण में 33 बंधकों को रिहा करेगा और इजराइल 700 फलस्तीनी कैदियों को मुक्त करेगा।

दी टाइम्स ऑफ इजराइल ने हमास समर्थक मीडिया के दावों का हवाला देते हुए बताया है कि रविवार सुबह संघर्ष विराम समझौते के तहत इजराइल की सेना गाजा के दक्षिणी शहर रफाह के अलग-अलग इलाकों से हटना शुरू कर दिया है। हालांकि इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं है।

जरूरत पड़ने पर युद्ध जारी रखने का अधिकार: नेतन्याहू - खास बात यह है कि युद्ध विराम समझौते के तहत पहले चरण के बंदियों की अदला-बदली के लिए हमास ने उन बंदियों के नामों की सूची इजराइल को भेजी है जिन्हें रिहा किया जाना है। इसे लेकर इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि, अगर नाम जारी नहीं किए गए तो सीजफायर पर आगे नहीं बढ़ पाएंगे। शनिवार को देश को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल समझौते के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी हमास पर है। उन्होंने कहा कि इजराइल, हमास के साथ संघर्ष विराम को अस्थायी मान रहा है और यदि जरूरत पड़ी, तो युद्ध जारी रखने का उसे अधिकार है। इसके लिए उसे डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन हासिल है।

तीन चरणों में पूरा होगा संघर्ष विराम समझौते के तहत 19 जनवरी से 01 मार्च तक संघर्ष विराम रहेगा। संघर्ष विराम तीन चरणों में पूरा होगा। पहले चरण में हमास इजराइल के 33 बंधकों को रिहा करेगा। जिसके बाद इजराइली सेना गाजा की सीमा से 700 मीटर पीछे लौटेगी। इजराइल में न्याय मंत्रालय ने 95 फिलिस्तीनी कैदियों की लिस्ट जारी की है, जिन्हें पहले फेज में रिहा किया जाएगा। इनमें 69 महिलाएं, 16 पुरुष और 10 नाबालिग शामिल हैं। इजराइल 700 से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा, जिनके नामों की लिस्ट जारी की गई है। इसमें कई लोग हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं, जिनमें हमास के आतंकी हैं।

इजराइल पर आतंकी हमले के बाद शुरू हुआ सैन्य संघर्ष - उल्लेखनीय है कि 7 अक्टूबर 2023 को हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर 1200 लोगों को मार डाला था और 251 को बंधक बना लिया था। इसके कुछ घंटे बाद इजराइली सेना ने गाजा पर हमला बोल दिया था। इजराइल के सैन्य अभियान में अबतक 46 हजार लोगों की जान जा चुकी है।

ट्रम्प ने किया था चुनावी वादा - अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस संघर्ष को रोकने का चुनावी वादा किया था। 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने से पहले इजराइल-हमास संघर्ष विराम समझौता लागू होने से 15 माह से चला आ रहा सैन्य टकराव रुक गया है। कई शीर्ष नेताओं को इजराइल ने बनाया निशाना इस सैन्य संघर्ष के दौरान इजराइल ने हमास और हिज्बुल्लाह के कई शीर्ष नेताओं को मार गिराया। जिसमें 01 अगस्त 2024 को हमास चीफ मोहम्मद देइफ, 28 सितंबर 2024 को बेरुत में हिज्बुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह, 16 अक्टूबर 2024 को राफाह में हमास नेता याह्या सिनवार शामिल है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका ने यूरोप में तैनात किया बी61-12 परमाणु बम

मास्को, 19 जनवरी (एजेंसियां)।

नाटो सेना की बढ़ी ताकत, पायलट इसे कई मील की दूरी टारगेट पर मार सकता है

रूस-यूक्रेन युद्ध से नाटो के देश दहशत में हैं। रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नाटो के कई देशों को धमकी दी है जिनकी सीमा रूस से लगती है। नाटो देशों पर मंडराते खतरे के बीच अमेरिका ने अपने सबसे खतरनाक परमाणु बम बी61-12 को यूरोप में तैनात कर दिया है। इस बम को फाइटर जेट की मदद से दुश्मन के ठिकाने पर गिराया जा सकता है।

रूस ने भी हाल ही में इस परमाणु बम को अपग्रेड किया है। अमेरिका ने इस तैनाती की पुष्टि भी कर दी है। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका के इस कदम के पीछे चीन भी बड़ी वजह है जो बहुत ही तेजी से परमाणु बम बना रहा है। चीन का इरादा एक हजार परमाणु बम बनाने का है। यही नहीं अमेरिका अपने घरेलू यूरेनियम संवर्द्धन प्रोग्राम को फिर से शुरू कर रहा है ताकि अपनी रक्षा क्षमता को मजबूत कर सके। अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई थी कि यूरोप में मौजूद नाटो के ठिकानों को अपग्रेड किए गए बी61-12 परमाणु बम दिए गए हैं या नहीं। अमेरिका ने कुछ समय पहले परमाणु बमों को अपग्रेड करने के लिए अपने सबसे व्यापक आधुनिकीकरण प्रोग्राम को शुरू किया था। बी61-12 परमाणु बम 12 फुट के होते हैं। इसमें 50 किलो टन का वारहेड होता है इसमें 50 हजार टन टीएनटी के बराबर तबाही मचाने की क्षमता होती है। इसे बहुत ही सटीक परमाणु हमला करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस परमाणु बम को पायलट कई मील की दूरी से ही अपने लक्ष्य पर गिर सकते हैं। बी83 परमाणु बम के मुकाबले इसकी क्षमता 1200 किलोटन ही है।

अमेरिका के परमाणु बमों को संभालने वाली एजेंसी एनएनएसए के प्रशासक ने अपने बयान में कहा कि नाटो बहुत मजबूत है। नया बी61-12 ग्रेवेटी बम को अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर दिया गया है। हमने नाटो की परमाणु क्षमता को बढ़ा दिया है। इससे पहले रूस ने अमेरिका को इन परमाणु बमों को तैनात करने को लेकर चेतावनी दी थी। अमेरिका के पास इस समय 200 टैक्टिकल न्यूक्लियर बम हैं जिसमें से आधे उसके सहयोगी देशों के यहां तैनात हैं। इसमें बेल्जियम, इटली, जर्मनी, नीदरलैंड और तुर्की शामिल है। वहीं रूस के पास ऐसे 2000 टैक्टिकल न्यूक्लियर बम हैं। चीन भी अब बहुत तेजी से परमाणु बम बनाकर इन देशों से टक्कर लेने की कोशिश में लगा है।

शांति बहाली के लिए भेजा गया अधिकारी

हेती के पोर्ट अयू प्रिंस एयरपोर्ट पर उतरा केन्याई पुलिस अधिकारियों का एक दस्ता। ये अधिकारी शांति बहाली के लिए यहां भेजे गये हैं।

इजराइली वायु सेना ने यमन से प्रक्षेपित एक बैलिस्टिक मिसाइल को रोका

येरूशलम, 19 जनवरी (एजेंसियां)।

इजराइल के वायु रक्षा बलों ने शनिवार को यमन की ओर लॉन्च की गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को रोका है। मिसाइल को ब्लास्ट करने के कारण गिरे उसके टुकड़ों को लेकर मध्य इजराइल और येरूशलम में सायरन भी बजा। यह जानकारी इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने शनिवार शाम को दी।

रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने कहा है कि उन्हें यमन से लॉन्च की गई इंटरसेप्टेड मिसाइल के मलबे और छर्रे की रिपोर्ट मिली है, जो येरूशलम में गिरी है।

पुलिस के अनुसार, कुछ टुकड़े मोशाव बार जियोरा के पास एक खुले क्षेत्र में गिरे, जबकि अन्य टुकड़े मेवो बीटर के बगल में एक गैस स्टेशन के पास गिरे। साथ ही मिसाइल का एक बड़ा हिस्सा बीटर लिलिट के पास एक खेत में गिरा। पुलिस ने लोगों से टुकड़ों को न छूने को कहा है। पुलिस फिलहाल मलबे की जांच कर रही है।

इस बीच, आईडीएफ ने घोषणा की है कि वह हमास के साथ युद्धविराम और बंधक समझौते की तैयारी कर रहा है, जिसे सरकार ने रातोंरात मंजूरी दे दी है। यह प्रक्रिया रविवार को शुरू होने वाली है। इजराइली सेना ने कहा है कि हमास की कैद से रिहा होने के बाद बंधकों को प्राप्त करने की तैयारी की जा रही है।

दो प्रमुख सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रही मिशेल..., ओबामा से तलाक की अफवाहें उड़ी

वाशिंगटन, 19 जनवरी (एजेंसियां)।

क्या बराक और मिशेल ओबामा तलाक लेने जा रहे हैं दरअसल पिछले कुछ दिनों से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी के बीच संभावित अलगाव की अफवाहें सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बनी हैं। इन अटकलों के बीच, ओबामा के एक पोस्ट और उस पर मिशेल की प्रतिक्रिया लोगों का ध्यान खींच रही है।

ओबामा ने अपनी पत्नी के जन्मदिन के मौके पर यह पोस्ट लिखी है। उन्होंने कहा, मेरे जिंदगी के प्यार मिशेल ओबामा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आप हर जगह को गर्मजोशी, ज्ञान, हास्य और शालीनता से भर देती हैं। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे आपके साथ जीवन के रोमांच को अनुभव करने का मौका मिला। आपसे प्यार करता हूं!

ओबामा की पोस्ट मिशेल ने लिखा, लव यू हनी। 17 जनवरी, 1964 को जन्मी मिशेल ओबामा ने अपना 61वां जन्मदिन मनाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक ओबामा दंपत्ति की तलाक की खबरों को बल तब मिला जब सोमवार (20 जनवरी) को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में मिशेल के न आने की खबरें सामने आईं।

बयान में यह स्पष्टीकरण नहीं दिया गया कि वे शपथ ग्रहण समारोह में क्यों शामिल नहीं होंगी, जिसमें परंपरागत रूप से पूर्व राष्ट्रपति और उनके जीवनसाथी शामिल होते हैं। हाल के हफ्तों में यह दूसरा हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम है जिसमें मिशेल ओबामा ने शामिल होने से मना किया है। पिछले हफ्ते, मिशेल अपने पति बराक के साथ पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुई थीं। मिशेल ओबामा की दो प्रमुख सार्वजनिक कार्यक्रमों से अनुपस्थिति ने सोशल मीडिया पर तलाक की अफवाहों को हवा दे दी है।

दांतों के लिए सबसे बड़ा विलेन है रेड वाइन

लंदन। कई लोग सोचते हैं कि तंबाकू, गुटखा, चाय या कॉफी जैसे पदार्थ दांतों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं, लेकिन हाल ही में एक डॉक्टर के प्रयोग ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया। दांतों के विशेषज्ञ डॉ. मिलीज मेडिसन ने एक प्रयोग के जरिए यह साबित किया कि दांतों के लिए सबसे बड़ा विलेन रेड वाइन है। उन्होंने लैब में जीवित रखे गए दांतों पर रेड वाइन, चाय, कॉफी और सॉफ्ट ड्रिंक का प्रभाव जांचा। 10 घंटे के इस प्रयोग के नतीजे हैरान करने वाले थे। उन्होंने पाया कि रेड वाइन दांतों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाती है। यह न केवल दांतों को पर्पल रंग में बदल देती है, बल्कि उनकी संरचना को भी बर्बाद कर देती है। डॉ. मेडिसन ने बताया कि रेड वाइन दांतों के इनामेल और जड़ों पर गहरा असर डालती है। सॉफ्ट ड्रिंक इस सूची में दूसरे स्थान पर है। इसका एसिडिक नेचर दांतों को डार्क करने के साथ-साथ उनकी संरचना को भी कमजोर कर देता है। इसके बाद चाय और कॉफी का नंबर आता है। हालांकि, चाय कॉफी की तुलना में दांतों पर हल्का प्रभाव छोड़ती है, लेकिन यह भी इनामेल को दागदार बना देती है। प्रयोग के दौरान यह भी पाया गया कि कॉफी से दांतों की जड़ें गहरे भूरे रंग की हो गईं, जबकि चाय का असर अपेक्षाकृत कम था। डॉ. मेडिसन ने अपने इस प्रयोग को सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसके बाद इसे लेकर लोग हैरान रह गए।

राष्ट्र प्रथम
बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे
Best Wishes
BS
Basai Steels And Power (P) Ltd.
MANUFACTURERS OF
BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm
SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS
A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com
Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

इन तीनों हसीनाओं का एक समय बॉलीवुड पर चलता था राज

यश चोपड़ा के साथ फोटो में दिख रही तीनों खूबसूरत हसीनाएं एक समय में फैंस के दिलों की धड़कन रह चुकी हैं। इन तीनों का बॉलीवुड पर राज चलता था और इन्होंने एक से बढ़कर यादगार फिल्में दी हैं। फोटो में सबसे पहले दिख रही हसीना मुमताज हैं। मुमताज ने उस दौर में कई बड़े स्टार्स के साथ जोड़ी बनाई थी। दूसरे नंबर पर इस फोटो में शर्मिला टैगोर हैं। वहीं तीसरे नंबर पर दिख रही खूबसूरत एक्ट्रेस राखी हैं।

बता दें कि इन तीनों ने कई हिट फिल्में दी हैं। मुमताज़ को 1971 में खिलौना के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार मिल चुका है। उन्होंने सहायक रोल से शुरुआत किया, लेकिन जल्द ही वह लीड रोल में नजर आने लगीं। 60- 70 के दशक में बेहतरीन एक्ट्रेस होने के साथ ही उन्हें डांसर के तौर पर भी जाना जाता था। मुमताज़ का जन्म अब्दुल सलीम अस्करी (मेवे के विक्रेता) और शदी हबीब आगा के यहां हुआ था जो ईरान से थे। उनके जन्म के ठीक एक साल बाद उनका तलाक हो गया। उन्होंने बतौर बाल कलाकार कई फिल्मों में काम किया। मुमताज ने 1974 में बिजनेसमैन मयूर माधवानी से शादी की। उनकी दो बेटियां हैं, जिनमें से एक नताशा ने 2006 में एक्टर फिरोज खान के बेटे फरदीन खान से शादी की।

शर्मिला टैगोर का जन्म हैदराबाद, आंध्र प्रदेश, भारत में एक हिंदू बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिताजी ऋळींळपवीरपरींह टैगोर एल्गिन मिल्स के ब्रिटिश इंडिया कंपनी के मालिक के महाप्रबंधक थे। कई हिट फिल्में देने के बाद शर्मिला ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नवाब पटौदी से शादी कर ली। शादी के बाद शर्मिला टैगोर ने अपना नाम आयशा सुलतान रख लिया। राजेश खन्ना के साथ उन्होंने कई फिल्मों में दी। खास तौर पर उन्हें अमर प्रेम, दाग, अराधना जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। उनके बेटे सैफ अली खान, बहू करीना कपूर और पोती सारा अली खान टॉप स्टार हैं। वहीं बेटा सोहा भी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

राखी चार दशकों फिल्मों में नजर आईं। उन्हें तीन फिल्मफेयर पुरस्कार और एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिल चुका है। राखी को 16 बार (सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए 8 बार और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के लिए 8 बार) नामांकित किया गया।राखी का जन्म भारत की आजादी की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद 15 अगस्त 1947 को पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के राणाघाट में एक बंगाली परिवार में हुआ था। राखी ने लोकप्रिय फ़िल्म निर्देशक, कवि एवं गीतकार गुलज़ार से शादी की। उनका एक बेटी मेघना हैं, जो फिल्म मेकर हैं।

नाना पाटेकर ने सरहद पर की थी देश की रक्षा लड़ी कारगिल की लड़ाई

वापसी के बाद दी कई हिट फिल्में

भारतीय सेना जान पर खेल कर देश को दुश्मनों से सुरक्षित रखती है। पिछले कुछ दशकों में भारत ने कई युद्ध देखे हैं और उनमें से कारगिल युद्ध सबसे महत्वपूर्ण है। कारगिल युद्ध को लेकर बॉलीवुड में कई फिल्में बन चुकी हैं। हालांकि बॉलीवुड और सेना के बीच एक ऐसा व्यक्ति भी है, जिसने न केवल रक्षा मंत्री को सेना में शामिल होने की अनुमति देने के लिए राजी किया, बल्कि मोर्चे पर भी काम किया। यह व्यक्ति कोई साधारण व्यक्ति नहीं था, बल्कि वह तीन बार राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता रह चुका है।

हम बात कर रहे हैं नाना पाटेकर की। नाना पाटेकर एक ऐसे एक्टर हैं, जो कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना में शामिल हुए। वह हाल ही में कौन बनेगा करोड़पति 16 में दिखाई दिए, जहां उन्होंने युद्ध के दौरान देश की सेवा करने की अपनी प्रेरक कहानी साझा की।1990 के दशक की शुरुआत में नाना ने अपनी फिल्म प्रहार के लिए काम करते हुए तीन साल तक सेना की मराठा लाइट इन्फैंट्री के साथ प्रशिक्षण लिया। जब कारगिल युद्ध छिड़ा तो उन्होंने डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क किया और अग्रिम मोर्चे पर सैनिकों के साथ शामिल होने की इच्छा व्यक्त की। हालांकि, उनके अनुरोध को शुरू में अस्वीकार कर दिया गया था, क्योंकि इस तरह की स्वीकृति के लिए रक्षा मंत्री की सहमति की आवश्यकता थी।

केबीसी हॉट सीट पर नाना ने शेयर किया, मैं हमारे रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीस जी को जानता था, इसलिए मैंने उन्हें फोन किया। उन्होंने आगे विस्तार से बताया, यहां तक कि उन्होंने भी कहा कि यह असंभव है। मैंने उनसे कहा कि हालांकि कमीशन के लिए छह महीने का प्रशिक्षण होता है, लेकिन मैंने तीन साल तक प्रशिक्षण लिया है। वह आश्चर्यचकित हुए और मुझसे इसके बारे में पूछा। मराठा लाइट इन्फैंट्री के साथ मेरे अनुभव के बारे में जानने के बाद, उन्होंने पूछा, 'तुम कब जाना चाहते हो?'

अगस्त 1999 में, नाना ने नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम मोर्चे पर एक पखवाड़े से ज़्यादा समय बिताया। वहां उन्होंने सैनिकों की सहायता की और कई दिनों तक बेस पर अस्पताल में काम किया। नाना ने खुलासा किया कि वहां उन्होंने 20 किलोग्राम वजन कम किया। उन्होंने कहा, जब मैं श्रीनगर पहुंचा तो मेरा वजन 76 किलोग्राम था। जब मैं वापस आया, तब तक मेरा वजन 56 किलोग्राम हो गया था। नाना पाटेकर ने कारगिल में सेवा करने के बाद अपना फ़िल्मी करियर फिर से शुरू किया। हाल ही में वह अनिल शर्मा की वनवास में दिखाई दिए, जो दिसंबर 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

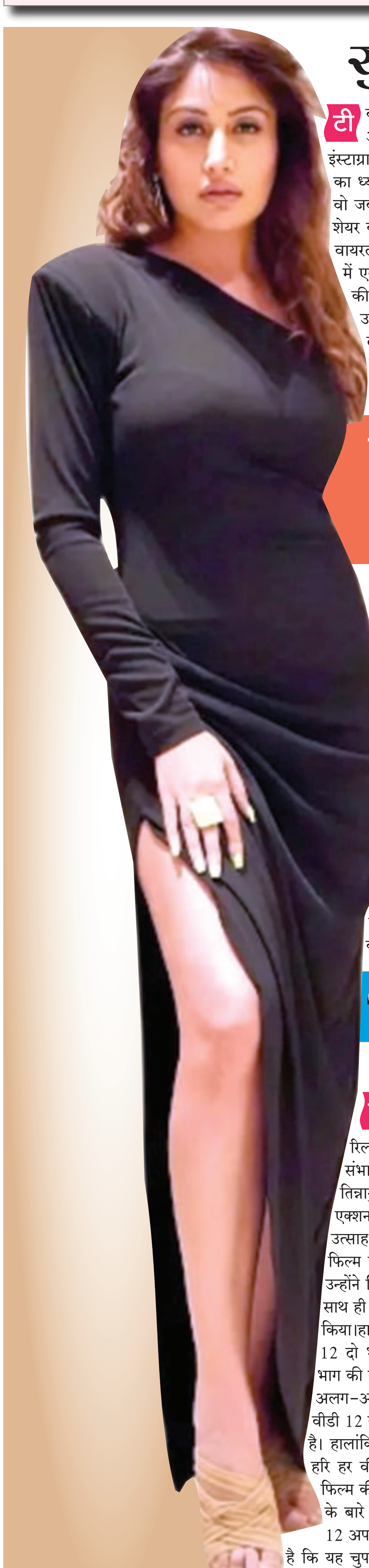

सुरभि चंदना ने शेयर किया हॉट लुक

टीवी एक्ट्रेस सुरभि चंदना हमेशा अपनी लेटेस्ट फोटोशूट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें साझा की हैं। फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर लोगों की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही हैं। एक्ट्रेस सुरभि चंदना टीवी की फेमस एक्ट्रेस हैं। वो जितनी ही कमाल की अभिनेत्री हैं, उतना ही कूल उनका ड्रेसिंग सेंस भी है। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते तेजी से छा जाता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने ब्लैक कलर की वन शोल्डर ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने अपने आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए खुले बाल, कानों में इयररिंग्स पहनकर अपने इस लुक को शानदार तरीके से निखारा है।

सुरभि चंदना कैमरे के सामने एक बढ़कर एक पोज देती हुई सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा रही हैं। वहीं, यूजर्स भी उनके इस लुक को देखकर कॉमेंट करते हुए नजर आ रहे हैं।एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो ब्यूटिफुल। दूसरे यूजर ने लिखा है- हॉटनेस। तीसरे यूजर ने लिखा है- सेक्सी एंड ऐसे ही एक के बाद एक यूजर्स कॉमेंट करते हैं।

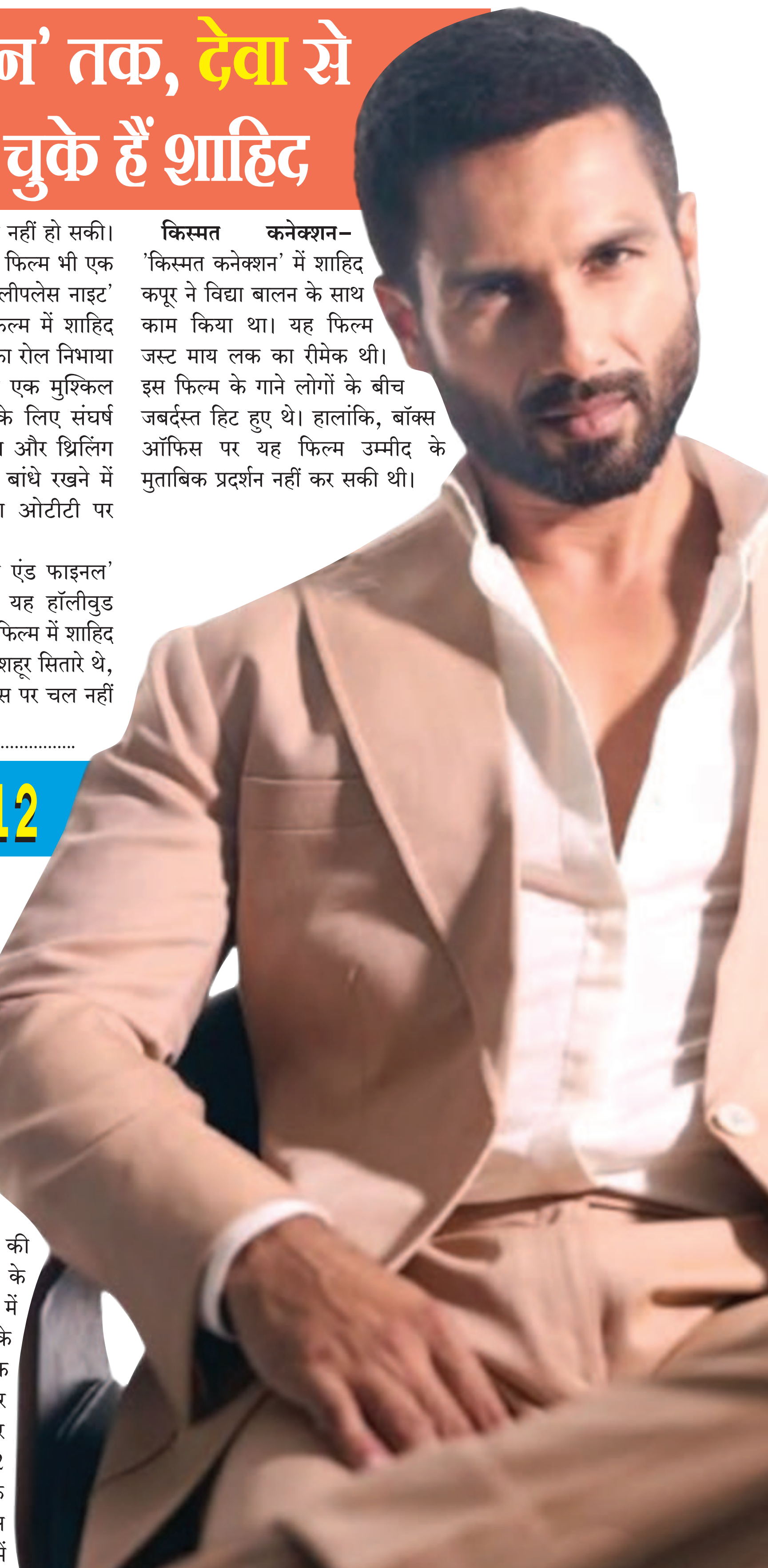

कबीर सिंह से लेकर किस्मत कनेक्शन' तक, देवा से पहले पांच रीमेक फिल्मों में काम कर चुके हैं शाहिद

शाहिद कपूर ने कई फिल्मों में अदाकारी से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी है। वह इन दिनों अपनी फिल्म देवा को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह पुलिस अफसर बनकर जबर्दस्त एक्शन करते हुए नजर आएंगे। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह मलयालम फिल्म 'मुंबई पुलिस' का रीमेक है। यह फिल्म 31 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। यह पहला मौका नहीं है जब शाहिद ने किसी रीमेक फिल्म में काम किया है। इससे पहले भी वह ऐसी कई फिल्मों में काम कर कर चुके हैं।

कबीर सिंह – शाहिद कपूर की सबसे चर्चित और सफल फिल्म 'कबीर सिंह' है। यह फिल्म तेलुगु हिट फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' का रीमेक थी। फिल्म में शाहिद कपूर ने एक भावुक और उग्र स्वभाव वाले डॉक्टर का किरदार निभाया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। शाहिद की एक्टिंग को समीक्षकों और दर्शकों से भरपूर सराहना मिली।

जर्सी –'जर्सी' भी तेलुगु फिल्म 'जर्सी' का हिंदी रीमेक थी। इस फिल्म में शाहिद कपूर ने एक क्रिकेटर की भूमिका निभाई थी। शाहिद की इस फिल्म में जज्बातों और संघर्ष की गहरी झलक देखने को मिली थी। फिल्म की कहानी और शाहिद की अदाकारी तो अच्छी थी, लेकिन रीमेक होने की वजह से यह बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी।

ब्लडी डैडी –'ब्लडी डैडी' फिल्म भी एक रीमेक है, जो फ्रेंच फिल्म 'स्लीपलेस नाइट' का हिंदी रीमेक थी। इस फिल्म में शाहिद कपूर ने एक पुलिस अफसर का रोल निभाया था, जो अंडरवर्ल्ड से जुड़ी एक मुश्किल स्थिति से बाहर निकलने के लिए संघर्ष करता है। फिल्म का एक्शन और थ्रिलिंग प्लॉट दर्शकों को अंत तक बांधे रखने में सफल रहा था। इसे सीधा ओटीटी पर रिलीज किया गया था।

फुल एंड फाइनल –'फुल एंड फाइनल' फिल्म भी एक रीमेक थी। यह हॉलीवुड फिल्म 'स्नैच' का रीमेक थी। फिल्म में शाहिद कपूर के साथ और भी कई मशहूर सितारे थे, फिर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चल नहीं सकी थी।

किस्मत कनेक्शन– 'किस्मत कनेक्शन' में शाहिद कपूर ने विद्या बालन के साथ काम किया था। यह फिल्म जस्ट माय लक का रीमेक थी। इस फिल्म के गाने लोगों के बीच जबर्दस्त हिट हुए थे। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी थी।

दो भागों में रिलीज होगी विजय देवरकोंडा की वीडी 12

निर्माता नागा वमसी ने खोले फिल्म से जुड़े कई राज

विजय देवरकोंडा वर्तमान में अपनी आगामी फिल्म की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, जिसका संभावित नाम वीडी 12है। गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक एक्शन ड्रामा होगी। प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह के बीच निर्माता नागा वामसी ने फिल्म पर एक बड़ा अपडेट साझा किया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग के बारे में बताया। साथ ही कई दिलचस्प बातों का भी खुलासा किया।हाल ही में उन्होंने बताया कि वीडी 12 दो भागों वाली सीरीज होगी और हर भाग की कहानी अलग होगी। इस तरह वे दो अलग-अलग फिल्में बन जाएंगी। फिलहाल वीडी 12 की 80 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है। हालांकि, अगर पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीरा मल्लू की रिलीज उसी दिन पक्की हो जाती है तो फिल्म की रिलीज 28 मार्च से आगे बढ़ाई जा सकती है।फिल्म के बारे में आगे बात करते हुए नागा वामसी ने कहा, वीडी 12 अपने पैमाने से सभी को चौंका देगी। कई लोगों का मानना है कि यह चुपचाप बनाई जा रही एक छोटी फिल्म है, लेकिन यह ठोस है और बड़े पर्दे पर एक बड़ी ट्रीट होगी। इस बीच पहले खबर आई थी कि विजय देवरकोंडा को वीडी 12 के लिए एक चुनौतीपूर्ण एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान मामूली चोट लग गई थी। चोट के बावजूद, अभिनेता ने ब्रेक नहीं लेने का फैसला किया और तय समय पर काम करना जारी रखा।विजय की पिछली कुछ फिल्में उम्मीद के मुकाबले प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने काम से लंबा ब्रेक लिया और अब वे दमदार वापसी करने की तैयार में हैं। ऐसे में वे इस फिल्म पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके अलावा वीडी 12 की शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है और पूरी होने के करीब है। पहले खबर आई थी कि अभिनेता सत्यदेव इस फिल्म में शामिल हो गए हैं।खबर है कि वह इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

2025 में खूब बजेंगी शादी की शहनाइयां

फरवरी और मई में सबसे ज्यादा शादियां

सूर्य 14 जनवरी 2025 को मकर राशि में गोचर कर चुके हैं। ऐसे में 14 जनवरी से खरमास यानि मलमास समाप्त हो गए हैं। इसके साथ ही शुभ एवं मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो चुकी है। फिर से शहनाइ की धुन चारों तरफ सुनाई देगी और 2025 में विवाह के 76 शुभ मुहूर्त हैं।इन शुभ मुहूर्तों का क्रम जनवरी से दिसंबर तक चलेगा। हालांकि बीच के कुछ महीने ऐसे भी हैं, जिनमें एक भी विवाह के मुहूर्त नहीं हैं। हिंदू धर्म में सभी 16 संस्कारों में विवाह को सबसे महत्वपूर्ण संस्कारों में से एक माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मुहूर्त 16 जनवरी 2025 से शुरु हो गए हैं। आगामी 6 जुलाई 2025 देवशयनी एकादशी से चातुर्मास प्रारंभ होगा। इस कारण जुलाई से अक्टूबर तक विवाह मुहूर्त नहीं रहेंगे। मुहूर्त 1 नवंबर को देव उठनी एकादशी पर रहेगा, परंतु इसके परंतु इसके बाद विवाह मुहूर्त सीधे 21 नवंबर से से शुरू होंगे। साल 2025 में गुरु 12 जून से 9 जुलाई तक 27 दिन के लिए अस्त होने वाले हैं। इसके अलावा शुक्र ग्रह 19 मार्च से 23 मार्च तक 4 दिन तक अस्त रहेंगे। इसके बाद दोबारा से 12 दिसंबर से 31 दिसंबर तक 24 दिन तक शुक्र अस्त रहेंगे। इस दौरान शुभ काम नहीं होंगे।

विवाह मुहूर्त मकर संक्राति के अगले दिन 15 जनवरी 2025 से शुरू हो गए हैं। खास बात यह है कि आने वाले नए साल में विवाह मुहूर्त का टोटा नहीं रहेगा। यद्यपि साल में केवल 8 माह ही विवाह होंगे। परंतु इस अवधि में 76 दिन विवाह मुहूर्त रहेंगे।, वर्ष 2024 में कुल 62 दिन के विवाह मुहूर्त रहे। नए साल में फरवरी माह और मई माह भी मुहूर्त से भरा रहेगा। अक्षय तृतीया पर 30 अप्रैल को तो विवाह होंगे।

वैदिक ज्योतिष में गुरु को शुभ फलदायी ग्रह माना गया है। जन्म कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति शुभ होने पर व्यक्ति को हर क्षेत्र में सफलता हासिल होती है। गुरु की कमजोर स्थिति से जातक को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। गुरु धनु व मीन राशि के स्वामी ग्रह हैं। यह कर्क राशि में उच्च व शनिदेव की राशि मकर में नीच के माने जाते हैं। प्रत्येक गुरुवार शिवजी को बेसन के लड्डू चढ़ाने चाहिए। गुरुवार को व्रत करें। इस दिन पीली वस्तुओं का दान अपने सामर्थ्यनुसार करें। गुरुवार के दिन विष्णु भगवान को घी का दीपक लगाएं। शास्त्रों के मुताबिक विवाह में गुरु ग्रह को उदय होना आवश्यक माना जाता है। हमारे षोडश संस्कारों में विवाह का बहुत महत्त्व है। विवाह का दिन व लग्न निश्चित करते समय वर एवं वधु की जन्म पत्रिका अनुसार सूर्य, चंद्र व गुरु की गोचर स्थिति का ध्यान रखना अति आवश्यक होता है। जिसे त्रिबल शुद्धि कहा जाता है।

शुक्र – गुरु ग्रह के अस्त होने पर विवाह नहीं होते

विवाह मुहूर्त की गणना करते समय शुक्र तारा और गुरु तारा पर विचार किया जाता है। बृहस्पति और शुक्र के अस्त होने पर विवाह और अन्य मांगलिक कार्यक्रम नहीं किए जाते है। इसलिए, इस दौरान कोई विवाह समारोह नहीं किया जाना चाहिए। फरवरी और मई माह में सबसे अधिक विवाह के मुहूर्त बनेंगे। इन माह में जुलाई, अगस्त, सितंबर और अक्टूबर शामिल हैं। वहीं, जून में भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाएंगे। इसके बाद नवंबर और दिसंबर में विवाह के शुभ मुहूर्त रहेंगे। इस बार गुरु ग्रह वृषभ राशि में रहेंगे और 12 फरवरी तक सूर्य मकर राशि में रहेंगे। विवाह के लिए इन ग्रहों की गणना देखी जाती है। इनका नवम पंचम योग बनेगा। यह नवम पंचम योग लाभकारी रहेगा।

जुलाई से अक्टूबर में कोई भी शुभ मुहूर्त नहीं

देवशयनी एकादशी से लेकर देवउठनी एकादशी तक भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं। इस अवधि में विवाह और अन्य शुभ कार्यों पर रोक लग जाती है। वर्ष 2025 में 6 जुलाई को देवशयनी एकादशी पड़ रही है, जिसके बाद भगवान विष्णु चार महीने तक विश्राम करेंगे। यह अवधि नवंबर में 1 तारीख को देवउठनी एकादशी पर समाप्त होगी। इन चार महीनों को चातुर्मास कहा जाता है, जो धार्मिक दृष्टि से विशेष होता है इस दौरान शुभ कार्यों की मनाही होती है। इस दौरान शादी-विवाह जैसे मांगलिक कार्य करना ज्योतिषीय नियमों के अनुसार वर्जित होता है। ऐसे में यदि आप ज्योतिष और शुभ मुहूर्त का पालन करते हैं, तो इन महीनों में विवाह या उससे संबंधित कार्य करने से बचें। यह समय पूजा-पाठ और आत्मचिंतन के लिए उपयुक्त माना जाता है। देवउठनी एकादशी के बाद से विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त पुनः आरंभ हो जाएंगे। इसलिए अपने विवाह की योजना बनाते समय इन बातों का अवश्य ध्यान रखें और शुभ समय का चयन करें ताकि आपका दांपत्य जीवन सुखी और समृद्ध हो।

विवाह का धार्मिक महत्व

सनातन धर्म दुनिया के सबसे पुराने धर्मों में से एक है, जो कई प्रकार की परंपराओं और मान्यताओं से समृद्ध है। इस परंपरा में से एक शुभ विवाह भी है, यह जीवन का सबसे खुशनुमा पल होता है। विवाह कई तरह से किए जाते हैं, प्रत्येक के अपने-अपने रीति-रिवाज और महत्व होते हैं। हिंदू धर्म में यह 16 संस्कारो मे से एक होता है और इसके बगैर कोई भी व्यक्ति ग्रहस्थाश्रम में प्रवेश नहीं कर सकता है। इसलिए हमारे शास्त्रों में विवाह को सबसे महत्वपूर्ण और कल्याणकारी माना जाता है।

(कुछ पंचांग में भेद होने के कारण तिथि घट बढ़ सकती है और परिवर्तन हो सकता है।)

शुभ मुहूर्त

जनवरीः 16, 17, 18, 19, 21, 22, 24, 26, 30
फरवरीः 3, 4, 6, 7, 13, 14, 15, 18, 19, 20, 21, 25
मार्चः 3, 5, 6, 7, 11, 12, 13, 14
अप्रैलः 14, 15, 16, 18, 19, 20, 21, 25, 29, 30
मईः 1, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 22, 23, 24, 28
जूनः 1, 2, 4, 5, 6, 7, 8
नवंबरः 21, 22, 23, 24, 25, 26, 30
दिसंबरः 1, 4, 5, 6

वास्तु के उपायों से करें व्यापार में वृद्धि

कोई भी नया व्यापार शुरू करने से पहले हम तमाम बातों का ध्यान रखते हैं लेकिन, फिर भी कारोबार में वृद्धि नहीं होती। कई बार तो काफी मेहनत के बाद भी व्यापार बिल्कुल ठप पड़ जाता है और हम जितनी मेहनत करते हैं उतना मुनाफा नहीं कमा पाते। इसके पीछे वास्तु दोष भी एक बड़ा कारण हो सकता है। वास्तुशास्त्र में कई ऐसे उपाय बताए हैं जिनसे व्यापार में वृद्धि होती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि आप जीवन में सफलता पाने के लिए कितनी मेहनत करते हैं, हालांकि कुछ कारणों से सफलता से वंचित रह जाते हैं। वास्तुशास्त्र किसी के जीवन को खुशहाल बनाने में काफी अहम भूमिका निभाता है। घर, ऑफिस, बिजनेस, दुकान आदि के लिए वास्तु के नियमों के बारे में बताया गया है। घर, ऑफिस, दुकान आदि के वास्तु के अनुसार होने से स्वास्थ्य बेहतर, आय में वृद्धि, कार्य में सफलता और उन्नति मिलती है। इन स्थानों पर जब वास्तु दोष होता है, उसका दुष्प्रभाव सेहत, आय, बिजनेस, नौकरी आदि पर भी होता है। आपके बिजनेस में तरक्की नहीं हो रही है, कामयाबी नहीं मिल रही है, तो आप एक बार वास्तु के कुछ उपायों को अपनाकर देख सकते हैं। ऐसा करने से आपको कामयाबी मिल सकती है।

व्यापार वृद्धि यंत्र–हिंदू धर्म में पूजन में यंत्रों का विशेष महत्व बताया गया है। कहते हैं यंत्रों की पूजा करने से सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इनका पूजन करने से आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। यदि आप व्यापार में सफलता पाना चाहते हैं तो आप व्यापार वृद्धि यंत्र का पूजन कर सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार शुभ महुर्त देखकर इसकी स्थापना करें। रोजाना इसकी पूजा करने से व्यापार में बढ़ोतरी होगी।

उत्तर दिशा को बनाएं दोष मुक्त –

वास्तु शास्त्र के अनुसार, धन के देवता कुबेर का स्थान उत्तर दिशा में होता है। यदि घर की उत्तर दिशा में दोष है तो ऐसे में मनुष्य की बुद्धि ठीक से काम नहीं करती और वह समय पर फैसले लेने में असहज महसूस करता है। ऐसी स्थिति में मनुष्य की आर्थिक उन्नति में भी बाधाएं आती हैं। इसलिए उत्तर दिशा को दोष मुक्त रखना चाहिए, ताकि व्यापार में उन्नति हो सके। वास्तु के मुताबिक उत्तर दिशा की दीवार पर हरे रंग के तोते की तस्वीर अवश्य लगाए। हरा रंग बुध का रंग होता है।

श्वेतार्क गणपति

इसके अलावा व्यापार स्थल पर किसी भी प्रकार की समस्या हो, तो वहां श्वेतार्क गणपति और एकाक्षी श्री फल की स्थापना करें और फिर नियम से धूप, दीप आदि से पूजा करें और सप्ताह में एक बार मिठाई का भोग लगाकर प्रसाद अधिक से अधिक लोगों में बांटे।

बेडरूम में लगाए चित्र

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, यदि आप खाद्य पदार्थ से जुड़े व्यापार करते हैं तो अपने बेडरूम में गाय की मूर्ति रखें। यदि आप इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से जुड़ा व्यापार करते हैं तो व्यापार वृद्धि के लिए अपने कमरे में क्रिस्टल लगाएं। जो व्यक्ति दवाईयों से जुड़ा काम करते हैं वह अपने कमरे में सूर्य नारायण की तस्वीर लगाएं।

ऑफिस में रखें कछुआ

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि वास्तु शास्त्र के अनुसार ऑफिस में धातु से बना कछुआ रखना भी फायदेमंद रहता है। कछुआ ऑफिस में रखने से व्यापार में धन लाभ होने के साथ सफलताएं भी मिलने लगती हैं। साथ ही रुके हुए काम भी जल्दी पूरे होने लगते हैं।

रंग– वास्तु शास्त्र के अनुसार, आप अपने ऑफिस, दुकान या फैक्ट्री में सफेद, क्रीम या हल्के रंग का उपयोग कर सकते हैं। इन रंगों से सकारात्मकता का प्रवाह होता है, जो तरक्की में सहायक माने जाते हैं।

तिजोरी– घर, ऑफिस, दुकान या फैक्ट्री में उत्तर दिशा कुबेर का माना जाता है, इसलिए आप अपना कैश काउंटर या तिजोरी उत्तर दिशा में ही रखें। इससे धन लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

द्वार– आपके ऑफिस व कार्यक्षेत्र में लगे द्वार अंदर की ओर खुलने वाले होने चाहिए। साथ ही खिड़की, दरवाजे, आलमारी आदि सभी चीजें सही हालत में हों, टूटे न हों। खराब हैं, तो उनकी मरम्मत करा दें। वहीं ऑफिस में जो भी मीटिंग हॉल है, उसमें आयताकार टेबल का उपयोग करें। दुकान आदि में भी ऐसा ही टेबल उपयोग में ला सकते हैं।

शुभता के प्रतीक– बिजनस में तरक्की के लिए आप अपनी टेबल पर श्रीयंत्र, व्यापार वृद्धि यंत्र, क्रिस्टल वाला कछुआ, क्रिस्टल बॉल, हाथी आदि को रख सकते हैं। यह शुभता के प्रतीक हैं, इससे तरक्की के लिए सकारात्मक वातावरण बनते हैं।

शंख– बिजनस में तरक्की के लिए आप कार्य स्थल पर पांचजन्य शंख को स्थापित करें और नियमित विधि विधान से उसकी पूजा करें। आपको लाभ होगा। शंख को माता लक्ष्मी का भाई मानते हैं, क्योंकि दोनों की उत्पत्ति समुद्र मंथन से हुई थी। शंख की पूजा से माता लक्ष्मी भी प्रसन्न होती हैं।

मुख– कार्यस्थल पर बिजनस मालिक का रूम दक्षिण-पश्चिम दिशा में हो और बैठते समय मुख उत्तर की ओर हो, तो उत्तम रहता है। जहां बैठें, उसके ठीक पीछे एक ठोस दिवार होनी चाहिए। कोई कांच की दिवार या खिड़की न हो।

मुख्य द्वार– ऑफिस का मुख्य द्वार उत्तर दिशा में हो तो, बहुत अच्छा है। उत्तर-पश्चिम या उत्तर-पूर्व दिशा में भी मुख्य द्वार का होना ठीक माना जाता है। मुख्य द्वार के सामने किसी प्रकार की कोई रुकावट न हो। इससे कार्यस्थल पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और उन्नति होती है।

बिना पैसा खर्च किए दूर करें अपने घर के सभी वास्तुदोष

हम लोग जब अपना घर बनवाते हैं तो काफी कोशिशों के बाद भी कोई न कोई कमी रह जाती है और यही कमियां वास्तु दोष की वजह बनती हैं। इन कमियों की वजह से घर में सकारात्मक ऊर्जा के स्थान पर नकारात्मक ऊर्जा वास करने लगती है। अब चूंकि हम लोग घर को तोड़कर फिर से बनवा नहीं सकते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वास्तुशास्त्र में हमारे घर के निर्माण में होने वाली गड़बड़ियों को वास्तुदोष कहा जाता है। वास्तु दोष हमारे जीवन में का बहुत अधिक प्रभाव डालते हैं। घर में या घर के बाहर कई तरह के वास्तु दोष पाए जाते हैं। वास्तु दोष से कई तरह के रोग और शोक उत्पन्न होते हैं। ऐसे में यदि आपका घर तीकोना है, कार्नर का है, या फिर चौराहे है इसके आलाव दक्षिण दिशा पर भी है। उन वास्तुदोषों को दूर करने के लिए घर के निर्माण में बड़े बदलाव करने पड़ते है। लेकिन आज हम आपको वास्तु के कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं जिनमें आप घर में बिना किसी तोड़-फोड़ किए आप अपने घर के वास्तु दोष को आसानी से दूर कर सकते हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

पंचतत्वों का वास्तु से गहरा संबंध

घर की उत्तर-पूर्व कोने को ईशान कोण कहा जाता है जो कि जल तत्व को दर्शाती ह। उत्तर-पश्चिम दिशा को वायव्य कोण कहा जाता है जो कि वायु तत्व को दर्शाती है। दक्षिण-पूर्व दिशा को आग्नेय कोण कहा जाता है जो कि अग्नि तत्व का प्रतिनिधित्व करती है। दक्षिण-पश्चिम दिशा को नैऋत्य कोण कहा जाता है जो कि पृथ्वी तत्व को दर्शाती है। घर के बीचोंबीच का जो स्थान होता है उसे ब्रह्म स्थान कहा जाता है जो कि आकाश तत्व माना जाता है। इस प्रकार से हमारा पूरा घर पंचतत्वों से मिलकर बना है और इन्हीं पंचतत्वों से मिलकर शरीर भी बना है। बेहतर और खुशहाल जीवन जीने के लिए इन सभी दिशाओं का दोषरहित होना सबसे जरूरी है। इन दिशाओं के दोष को दूर करने के लिए जानते हैं सरल से उपाय।

स्वास्तिक– वास्तु विज्ञान के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर सिंदूर से नौ अंगुल लंबा और नौ अंगुल चौड़ा स्वास्तिक का चिन्ह बनाएं। ऐसा करने से चारों ओर से आ रही नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है तथा वास्तुदोष भी हटता है। हर मंगलकवार को यह उपाय करने से मंगल ग्रह से जुड़े दोष भी समाप्त होते हैं।

रसोई में लगाएं बल्ब– वास्तु विज्ञान में रसोई घर को घर की सुख समृद्धि हेतु अतिविशिष्ट माना गया है। रसोई के लिए वास्तु के नियमों के अनुसार, आग्नेय कोण यानी कि दक्षिण-पूर्व दिशा सबसे उचित स्थान मानी गई है। यदि रसोईघर गलत स्थान पर है तो अग्निकोण में बल्ब लगा दें एवं हर रोज ध्यान से उस बल्ब को जलाएं। इससे आपके घर का वास्तुदोष दूर हो जाएगा।

घोड़े की नाल– वास्तु के अनुसार घर में घोड़े की नाल टांगना बेहद शुभ माना जाता है। काले घोड़े की नाल मुख्य द्वार पर लगाने से सुरक्षा एवं सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। घोड़े की नाल अंग्रेजी के अक्षर यू के आकार की होती है। ध्यान रहे, घोड़े की नाल अपने आप गिरी हुई होनी चाहिए। या फिर आपके सामने घोड़े के पैर से उतारी हुई होनी चाहिए।

कलश की स्थापना– वास्तु के अनुसार यदि घर में वास्तु दोष है तो घर के उत्तर-पूर्व कोने में कलश रखना सर्वाधिक उपयुक्त माना जाता है। ध्यान रहे कि कलश कहीं से भी खंडित नहीं होना चाहिए। हिंदू मान्यताओं के अनुसार कलश को भगवान गणेशजी का रूप माना जाता है। गणेशजी को सुखकर्ता और विघ्नहर्ता माना गया है। घर में कलश की स्थापना के बाद सभी कार्य बिना किसी बाधा के पूर्ण होते हैं।

पूजा पाठ

कहते हैं कि जिस घर में पूजा पाठ और कीर्तन भजन रोजाना होते हैं, उस घर में मां लक्ष्मी स्वयं आकर वास करती हैं। रोजाना पूजापाठ करने से आपके घर से वास्तु दोष का भी निवारण होता है। अगर आप रोजाना भजन और कीर्तन करने का वक्त नहीं निकाल सकते हैं तो कम से कम गायत्री मंत्र और शांति पाठ रोजाना करें।

शयन की दिशा

वास्तु के अनुसार, यदि आप पश्चिम की ओर मुंह करके सोते हैं तो आपको बुरे सपने आ सकते हैं तथा पेट से संबंधित रोग हो सकते हैं। नींद नहीं आने पर व्यक्ति का स्वभाव चिड़चिड़ा रहता है और उसके शरीर में आलस्य बना रहता है। ऐसा होने से घर में नेगेटिव एनर्जी का प्रवाह बढ़ता है। तो आपको दक्षिण दिशा में मुख करके सोना चाहिए। इससे आपके स्वभाव में बदलाव होगा तथा अनिद्रा की स्थिति में भी सुधार होगा।

कूड़ा-कचरा रखने की सही दिशा

घर के उत्तर-पूर्व कोने में कभी भी कचरा एकत्र न होने दें, एवं न ही इधर कोई भी भारी मशीन रखें। इससे आपके घर में वास्तुदोष लगता है। साथ ही आप अपने वंश की उन्नति के लिए मुख्य द्वार पर अशोक का वृक्ष दोनों और लगाएं। इससे आपके घर का वास्तु दोष दूर होगा साथ ही नकारात्मक ऊर्जा कभी घर में प्रवेश नहीं करेगी।

शौचालय – वैसे तो घर में शौचालय बनवाने के लिए सबसे उचित दिशा दक्षिण-पश्चिम मानी जाती है। लेकिन अगर घर के पूर्व में आपको शौचालय बनवाना पड़ गया हो और कोई विकल्प बाकी न हो तो आप टॉयलेट सीट को इस प्रकार लगवाएं कि उस पर बैठते समय पश्चिम अथवा दक्षिण की ओर मुंह करके बैठ सकें। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा की जगह सकारात्मक ऊर्जा ले लेगी एवं आपके सारे काम बनने लगेंगे।

सम्पादकीय

सोमवार, 20 जनवरी, 2025
हैदराबाद

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

शांति के लिये समझौता

यह सुखद ही कि करीब डेढ़ वर्ष से जारी इस्राइल-हमास संघर्ष खत्म करने के लिये युद्धविराम पर सहमति बन गई है। भले ही इस समझौते के लिये अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बीच संघर्ष समाप्ति का श्रेय लेने की होड़ हो, लेकिन गाजा के लोग जिस मानवीय त्रासदी से जूझ रहे थे, उन्हें जरूर इससे कुछ राहत मिलेगी। संयुक्त राष्ट्र के तमाम प्रयासों व मध्यपूर्व के इस्लामिक देशों की बार-बार की गई पहल के बावजूद अब तक शांति वार्ता सिरे न चढ़ सकी थी। जिसकी कीमत करीब पचास हजार लोगों ने अपनी जान देकर चुकायी। इस युद्ध से गाजा के विभिन्न क्षेत्रों में जो तबाही हुई है, उससे उबरने में दशकों लग सकते हैं। निस्संदेह, इस्राइल व हमास के बीच युद्ध विराम पर सहमति होना महत्वपूर्ण है, लेकिन जब तक समझौता यथार्थ में लागू होता न नजर आए, तब कुछ भी कहना जल्दीबाजी होगी। हालांकि, अक्तूबर, तेईस में हमास के हमले से आहत इस्राइल कई मोर्चों पर लगातार युद्ध से थक चुका है, लेकिन अभी अरब जगत उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। ऐसी आशंका इसीलिए भी है कि कई बार बातचीत अंतिम दौर पर पहुंचते-पहुंचते पटरी से उतरती गई है। बात और घात लगातार चलते रहे हैं। अब भविष्य में देखना होगा कि दोनों पक्ष समझौते के अमल के प्रति कितनी ईमानदारी से प्रतिबद्ध नजर आते हैं। हालांकि, अपने बंधकों की जल्द रिहाई को लेकर इस्राइल के विपक्षी राजनीतिक दलों व मंत्रिमंडल में भी मतभेद उभर रहे हैं, लेकिन इतनी लंबी लड़ाई के बाद थक चुकी इस्राइली सेना को भी राहत देने की मांग की जाती रही है। बहरहाल, युद्ध विराम के प्रश्न पर इस्राइल व हमास के बीच सहमति से शांति की उम्मीदें प्रबल हुई हैं। जहां एक ओर अमेरिका में वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन व नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौते के लिए श्रेय ले रहे हैं, वहीं ईरान इसे फलस्तीनी प्रतिरोध की जीत बता रहा है। दरअसल, हालिया समझौते में इस्राइली सेना की गाजा से वापसी, चरणबद्ध तरीके से इस्राइली बंधकों व फलस्तीनी कैदियों की रिहाई और गाजा में पुनर्निर्माण पर सहमति बनी है। इसके साथ ही गाजा के विस्थापितों को वापस लौटने की अनुमति भी दी जाएगी। अभी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को भी दूर किया जाना है। दरअसल, सात अक्तूबर 2023 को हमास के क्रूर हमलों में इस्राइल के बारह सौ लोग मारे गए थे और करीब ढाई सौ लोगों को हमास के लड़ाके सौदेबाजी के लिये बंधक बनाकर ले गए थे। साफ था कि इस अपमानजक घटना का इस्राइल प्रतिशोध लेगा, लेकिन संघर्ष करीब डेढ़ वर्ष तक चलेगा, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। हालांकि, कुछ इस्राइली बंधक रिहा किए गए, कुछ युद्ध के बीच मारे गए, लेकिन बचे बंधकों की रिहाई का भारी दबाव नेतन्याहू सरकार पर लगातार बना रहा। हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय दावा कर रहा है कि इस्राइली हमलों में अब तक पचास हजार लोग मारे गए हैं। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। बहरहाल, जब लंबे समय के बाद शांति की स्थितियां बन रही हैं तो अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी व संयुक्त राष्ट्र का दायित्व बनता है कि समझौते के क्रियान्वयन की निगरानी की जाए। ताकि मध्यपूर्व में स्थायी शांति की राह मजबूत हो सके। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता।

संयुक्त राष्ट्र के तमाम प्रयासों व मध्यपूर्व के इस्लामिक देशों की बार-बार की गई पहल के बावजूद अब तक शांति वार्ता सिरे न चढ़ सकी थी। जिसकी कीमत करीब पचास हजार लोगों ने अपनी जान देकर चुकायी। इस युद्ध से गाजा के विभिन्न क्षेत्रों में जो तबाही हुई है, उससे उबरने में दशकों लग सकते हैं। निस्संदेह, इस्राइल व हमास के बीच युद्ध विराम पर सहमति होना महत्वपूर्ण है, लेकिन जब तक समझौता यथार्थ में लागू होता न नजर आए, तब कुछ भी कहना जल्दीबाजी होगी। हालांकि, अक्तूबर, तेईस में हमास के हमले से आहत इस्राइल कई मोर्चों पर लगातार युद्ध से थक चुका है, लेकिन अभी अरब जगत उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। ऐसी आशंका इसीलिए भी है कि कई बार बातचीत अंतिम दौर पर पहुंचते-पहुंचते पटरी से उतरती गई है। बात और घात लगातार चलते रहे हैं। अब भविष्य में देखना होगा कि दोनों पक्ष समझौते के अमल के प्रति कितनी ईमानदारी से प्रतिबद्ध नजर आते हैं। हालांकि, अपने बंधकों की जल्द रिहाई को लेकर इस्राइल के विपक्षी राजनीतिक दलों व मंत्रिमंडल में भी मतभेद उभर रहे हैं, लेकिन इतनी लंबी लड़ाई के बाद थक चुकी इस्राइली सेना को भी राहत देने की मांग की जाती रही है।

युद्ध विराम फिलिस्तीन के लोगों तथा हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के लिए बहुत जरूरी राहत है

युद्ध विराम समझौते का ईमानदारी से पालन जरूरी

ललित गर्ग

भीषणतम तबाही, असंख्य लोगों की जनहानि एवं सर्वनाश का कारण बनता है तो ऐसी तबाही होने ही क्यों दी जाये? खेर देर आये दुरस्त आये, इजराइल और हमास ने बुधवार को युद्ध विराम समझौते के पहले मसौदे पर सहमति जताई, जो संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में अब तक का सबसे बड़ा एवं अहम कदम है। अन्य बातों के अलावा, 60-दिवसीय युद्ध विराम प्रक्रिया में दोनों पक्षों के बंधकों को रिहा करना, सहायता बढ़ाना, नष्ट हो चुके फिलिस्तीन का पुनर्निर्माण करना और हमलों को रोकना शामिल होगा।

यह शांतिपूर्ण विश्व संरचना के लिये सुखद ही है कि करीब डेढ़ वर्ष से जारी इस्राइल-हमास संघर्ष खत्म करने के लिये युद्धविराम पर सहमति बन गई है। लेकिन इस एवं ऐसे युद्धों ने ऐसे अनेक ज्वलंत प्रश्न खड़े किये हैं कि जब युद्ध की अन्तिम निष्पत्ति टेबल पर बैठकर समझौता करना ही है तो यह युद्ध के प्रारंभ में ही क्यों नहीं हो जाता? युद्ध भीषणतम तबाही, असंख्य लोगों की जनहानि एवं सर्वनाश का कारण बनता है तो ऐसी तबाही होने ही क्यों दी जाये? खेर देर आये दुरस्त आये, इजराइल और हमास ने बुधवार को युद्ध विराम समझौते के पहले मसौदे पर सहमति जताई, जो संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में अब तक का सबसे बड़ा एवं अहम कदम है। अन्य बातों के अलावा, 60-दिवसीय युद्ध विराम प्रक्रिया में दोनों पक्षों के बंधकों को रिहा करना, सहायता बढ़ाना, नष्ट हो चुके फिलिस्तीन का पुनर्निर्माण करना और हमलों को रोकना शामिल होगा। डेढ़ साल से अधिक समय के युद्ध के बाद, युद्ध विराम फिलिस्तीन के लोगों तथा हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के लिए बहुत जरूरी राहत है। इसी तरह रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भी समाप्त हो, यह शांतिपूर्ण उन्नत विश्व संरचना के लिये नितांत अपेक्षित है। क्योंकि ऐसे युद्धों से युद्धरत देश ही नहीं, समूची दुनिया पीड़ति, परेशान एवं प्रभावित होती है। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने देता है। ऐसे युद्धों में वैसे तो जीत किसी की भी नहीं होती, फिर भी इन युद्धों का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देता, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने के साथ बड़ी जनहानि का भी बड़ा कारण बनता है। इस्राइल-हमास में पिछले डेढ़ साल से चल रहे युद्ध के विराम को एक अहम कामयाबी माना जा रहा है। भले ही इस समझौते के लिये अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बीच संघर्ष समाप्ति का श्रेय लेने की होड़ हो, लेकिन गाजा के लोग जिस मानवीय त्रासदी से जूझ रहे थे, उन्हें जरूर इससे बड़ी राहत मिलेगी। संयुक्त राष्ट्र के तमाम प्रयासों व मध्यपूर्व के इस्लामिक देशों एवं भारत की बार-बार की गई पहल के बावजूद अब तक शांति वार्ता सिरे न चढ़ सकी थी। जिसकी कीमत करीब पचास हजार लोगों ने अपनी जान देकर चुकायी। इस युद्ध से गाजा के विभिन्न क्षेत्रों में जो तबाही हुई है, उससे उबरने में दशकों लग सकते हैं। निस्संदेह, इस्राइल व हमास के बीच युद्ध विराम पर सहमति होना महत्वपूर्ण है, लेकिन जब तक समझौता

यथार्थ में लागू होता न नजर आए, तब कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। बहरहाल, जब लंबे समय के बाद शांति की स्थितियां बन रही हैं तो विश्व समुदाय, शक्तिशाली राष्ट्रों व संयुक्त राष्ट्र का दायित्व बनता है कि समझौते की शर्तों को साफ नियत एवं नीति से क्रियान्वित किया जाये। ताकि मध्यपूर्व में स्थायी शांति एवं अमनचैन की राह मजबूत हो सके। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता। इस संघर्ष की शुरुआत भले हमास ने की हो, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जो इसके लिये जिम्मेदार नहीं थे।

युद्ध के आघात से युद्धरत देशों के साथ समूची दुनिया प्रभावित हुई है। युद्ध के आघात से तात्पर्य युद्ध के दौरान होने वाली दर्दनाक घटनाओं के परिणामस्वरूप व्यक्तियों द्वारा अनुभव किए जाने वाले मनोवैज्ञानिक संकट और शारीरिक-भावनात्मक पीड़ा से है, जैसे कि हिंसा का शिकार होना, दूसरों को नुकसान पहुंचाना, या संघर्ष के कारण प्रियजनों को खोना। युद्ध सामाजिक विश्वास को तोड़ता है, सामाजिक सामंजस्य को कम करता है और सामाजिक एवं राष्ट्रीय पूंजी को नुकसान पहुंचाता है। सशस्त्र संघर्ष के बाद, समाज उपसमूहों में गहराई से विभाजित हो जाता है जो युद्ध विराम के समझौते के बावजूद बाद के दौर में एक दूसरे से डरते हैं और नफरत करते हैं और लड़ाई जारी रखने के लिए तैयार रहते हैं। युद्ध के आघात से पीड़ित लोगों में अक्सर दूसरे पक्ष के साथ मेल-मिलाप करने और शांतिपूर्ण समाधान खोजने की इच्छा कम हो जाती है। कमजोर नागरिक समाज और कम सरकारी क्षमताएं लोगों को बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ बना सकती हैं और राज्य के बिगाड़ने वालों या राजनीतिक विरोधियों द्वारा आसानी से हेरफेर किया जा सकता है। यह स्थिति अक्सर हिंसा के निरंतर चक्रों के लिए मंच तैयार करती है।

हालांकि, अक्तूबर, 2023 में हमास के हमले से आहत इस्राइल कई मोर्चों पर लगातार युद्ध से थक चुका है, लेकिन अभी भी अरब जगत उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। ऐसी आशंका इसीलिए भी है कि कई बार बातचीत अंतिम दौर पर पहुंचते-पहुंचते पटरी से उतरती गई है। बात और घात लगातार चलते रहे हैं। अब भविष्य में देखना होगा कि दोनों पक्ष समझौते के अमल के प्रति कितनी ईमानदारी से प्रतिबद्ध नजर आते हैं। हालांकि, अपने बंधकों की जल्द रिहाई को लेकर इस्राइल के विपक्षी राजनीतिक दलों व मंत्रिमंडल में भी मतभेद उभर रहे हैं, लेकिन इतनी लंबी लड़ाई के बाद थक चुकी इस्राइली सेना को भी राहत देने की मांग की जाती रही है। बहरहाल, युद्ध विराम के प्रश्न पर इस्राइल व हमास के बीच सहमति से शांति की उम्मीदें प्रबल हुई हैं। जहां एक ओर अमेरिका में वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन व नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौते के लिए श्रेय ले रहे हैं, वहीं ईरान इसे फलस्तीनी प्रतिरोध की जीत बता रहा है।

अभी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को भी दूर किया जाना है। दरअसल, सात अक्तूबर 2023 को हमास के क्रूर हमलों में इस्राइल के बारह सौ लोग मारे गए थे और करीब ढाई सौ लोगों को हमास के लड़ाके सौदेबाजी के लिये बंधक बनाकर ले गए थे। साफ था कि इस अपमानजक घटना का इस्राइल प्रतिशोध लेगा, लेकिन संघर्ष करीब डेढ़ वर्ष तक चलेगा, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। हालांकि, कुछ इस्राइली बंधक रिहा किए गए, कुछ युद्ध के बीच मारे गए, लेकिन बचे बंधकों की रिहाई का भारी दबाव नेतन्याहू सरकार पर लगातार बना रहा। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए।

दृष्टि कोण

व्यावहारिक अनुभव के साथ सैद्धांतिक ज्ञान भी

कानून का अध्ययन केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करने तक सीमित नहीं है। यह एक व्यावहारिक पेशा है, जो समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, लीगल एड क्लीनिक कानून के छात्रों के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करते हैं, जहां वे सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहार में लाने के साथ-साथ समाज सेवा भी कर सकते हैं। भारतीय बार काउंसिल (बीसीआई) कानून विश्वविद्यालयों में कानूनी सहायता क्लीनिकों की स्थापना और संचालन को अनिवार्य मानती है। इन क्लीनिकों का उद्देश्य छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। उन्हें गरीबों तथा वंचितों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए प्रेरित करना है। बीसीआई इन क्लीनिकों की नियमित निगरानी करती है, ताकि छात्रों को उचित मार्गदर्शन और प्रशिक्षण मिल सके। कानूनी सहायता क्लीनिक न होने पर शिक्षा संस्थानों पर जुर्माना, शो कॉज नोटिस, अनुशासनात्मक कार्रवाई या मान्यता रद्द करने जैसी कड़ी कार्रवाइयां की जा सकती हैं। लीगल एड क्लीनिक ऐसे केंद्र होते हैं, जहां कानून के छात्र जरूरतमंद लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करते हैं, जिससे छात्रों को वास्तविक जीवन के कानूनी मुद्दों से निपटने का अनुभव मिलता है। वे कानूनी प्रणाली को गहरे से समझते हैं। ये क्लीनिक परिवारिक, भूमि, श्रम विवाद जैसे विभिन्न मामलों में मदद करते हैं। भारत में कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में लीगल एड क्लीनिक स्थापित किए गए हैं। सरकार भी विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से इनका समर्थन करती है। लीगल एड क्लीनिक छात्रों को अपने कानूनी ज्ञान को सैद्धांतिक से परे वास्तविक जीवन की स्थितियों में लागू करने का अनूठा अवसर प्रदान करते हैं। यहां वे विभिन्न कानूनी मामलों से निपटते हैं, लोगों को कानूनी सलाह देते हैं, और कानूनी सिद्धांतों को व्यावहारिक अनुभव के साथ समझते हैं। इसमें भागीदारी से छात्र समाज सेवा के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हैं और जरूरतमंदों की मदद करने के लिए प्रेरित होते हैं। यहां उन्हें वकीलों, न्यायाधीशों और अन्य कानूनी पेशेवरों से बातचीत का मौका मिलता है, जिससे उनका नेटवर्क मजबूत होता है। इस अनुभव से छात्रों को अपने भविष्य के करियर के लिए व्यावहारिक तैयारियां मिलती हैं। एक कॉर्पोरेट कानून का छात्र छोटे व्यवसायों को कानूनी सलाह देकर कॉर्पोरेट कानून के पहलुओं को समझ सकता है। कानूनी सहायता क्लीनिक में छात्रों को शामिल करना आवश्यक है, जिससे उन्हें वास्तविक मुकदमे और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सके। अनुभवी अधिवक्ताओं का मार्गदर्शन, कानूनी प्रक्रियाओं और नैतिक मानदंडों की समझ जरूरी है। क्लीनिक संचालकों को सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। इसके अलावा, क्लीनिक को आधुनिक संसाधनों जैसे कंप्यूटर, इंटरनेट और कानूनी पुस्तकालय से सुसज्जित किया जाना चाहिए। इसमें शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें छात्रों के साथ सहयोगी संबंध स्थापित करना चाहिए, ताकि वे अपनी समस्याओं को खुलकर साझा कर सकें। शिक्षक को प्रायोगिक शिक्षण पद्धतियों, जैसे मॉक कोर्ट और क्लीनिकल लीगल एजुकेशन के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक अनुभव देना चाहिए। वे छात्रों को यह समझाएं कि लीगल एड क्लीनिक समाज सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षक को अपने ज्ञान को अपडेट रखना चाहिए, छात्रों में आत्मविश्वास पैदा करना चाहिए और उन्हें नेतृत्व के गुण विकसित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

कुछ अलग

गगनभेदी कामयाबी

नये साल की शुरुआत के साथ ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने बृहस्पतिवार को ऐतिहासिक कामयाबी हासिल कर ली। इसरो ने 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट' यानी स्पेडेक्स के तहत दो उपग्रहों की अंतरिक्ष में डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली। इस सफलता के बाद अब भारत अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना सकता है। इस ऐतिहासिक कामयाबी से भारत अमेरिका, रूस व चीन के बाद यह लक्ष्य हासिल करने वाला चौथा देश बन गया है। इस मिशन की कामयाबी से भारत के चंद्रयान-4, गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने जैसे मिशनों का भविष्य तय हुआ है। जहां चंद्रयान-4 मिशन से चंद्रमा की मिट्टी के नमूने भारत लाए जाएंगे, वहीं गगनयान मिशन के जरिये भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजा जा सकेगा। दरअसल, स्पेडेक्स दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग करके अंतरिक्ष में डॉकिंग के लिये एक किफायती प्रौद्योगिक मिशन है। गत तीस दिसंबर को इसरो ने इस प्रयोग को सफलतापूर्वक संपन्न किया। इसके अंतर्गत दो छोटे उपग्रहों को पीएसएलवी सी-60 के जरिये श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया था। प्रक्षेपण के 15 मिनट बाद 220 किलो वजनी दो छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित कर दिया गया था। बीते कल डॉकिंग के बाद एक सिंगल ऑब्जेक्ट के रूप में स्पेसक्राफ्ट का नियंत्रण सफलता पूर्वक किया गया। आने वाले दिनों में अनडॉकिंग और पॉवर स्थानांतरण की प्रक्रिया को अंजाम दिया जाएगा। दरअसल, अंतरिक्ष में डॉकिंग का मतलब है दो अंतरिक्ष यानों को आपस में जोड़ना। इस डॉकिंग प्रक्रिया को धरती से संचालित किया गया था। कालांतर ये दोनों उपग्रह अपने पेलोड के ऑपरेशन शुरू करेंगे। ये दो साल तक मूल्यवान डेटा इसरो को भेजते रहेंगे। निश्चित रूप से यह प्रक्रिया बेहद जटिल होती है, बिना गुरुत्वाकर्षण के बीच तेज गति से घूम रहे उपग्रहों को आपस में जोड़ना बेहद कठिन कार्य होता है। लेकिन भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की मेधा से यह संभव हुआ है। बहरहाल, इस मिशन की सफलता ने आने वाले समय में गगनयान मिशन, अंतरिक्ष स्टेशन बनाने व भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष यात्री भेजने के अभियान की सफलता की राह सुगम कर दी है। इतना ही नहीं, अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के बाद वहां आने-जाने के लिये भी डॉकिंग तकनीक उपयोगी साबित होगी। वहीं दूसरी ओर सैटेलाइट सर्विसिंग, इंटरप्लेनेटरी मिशन और इंसान को चंद्रमा पर भेजने के लिये भी यह तकनीक जरूरी थी। निस्संदेह, यह अभियान खासा चुनौतीपूर्ण था। गुरुवार को मिली सफलता से पहले सात और नौ जनवरी को तकनीकी कारणों से इस मिशन को टाला गया था। फिर बारह जनवरी को इसरों ने एक परीक्षण किया था, जिसमें दोनों उपग्रहों को तीन मीटर तक की दूरी तक लाया गया था। इसके बाद आगे के प्रयोगों के लिये सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय वैज्ञानिकों ने खुद का डॉकिंग मैकेनिज्म विकसित किया। इस बेहद जटिल व संवेदनशील तकनीक को अब तक कामयाब हुए देशों ने भारत को नहीं दिया था। इसीलिए इसरो ने इसे 'भारतीय डॉकिंग सिस्टम' नाम देकर पेटेंट भी करा लिया है। निश्चय ही यह भारतीय वैज्ञानिकों की उपलब्धि का गौरवशाली क्षण बना है। यह हमारी अंतरिक्ष में एक लंबी छलांग भी है। वाकई इसरो के प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से ही यह संभव हो पाया है। जो आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों की राह सुगम बनाएगा।

देश दुनिया से

ट्रंप काल में बढ़ेगी चीन की वैश्विक भूमिका

अब जबकि डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण करने जा रहे हैं, ऐसे में दुनिया मौलिक परिवर्तन के बीच फंस गई है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे शक्तिशाली देश भी अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता सीमित बनाए रखने के लिए तैयार थे, जिसमें वे अधिकांशतः वैश्विक नियमों और सहकारी कार्रवाई का पालन करने के लिए सहमत थे। ऐसे नियम कई विषयों पर बनाए गए थे। केवल व्यापार और शुल्क ही नहीं, बल्कि परमाणु अस्त्र, समुद्रीय कानून और राष्ट्रीय सीमाओं की पवित्रता पर भी। आज दो कारणों से यह बदलने लगा है। पहला है चीन का उद्भव और उसके साथ-साथ हो रहा वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव। चीन कोई यथास्थितिवादी शक्ति नहीं है, इसलिए वह उलट-फेर कर चीजों को बदलना चाहता है और अमेरिका को चुनौती देने को बेकरार है। दूसरा है शक्ति-संपन्न राष्ट्रों में शासकों के रूप में अधियानक बनने पर उतारू लोगों का उदय: व्लादिमीर पुतिन, शी जिनपिंग और अब डोनाल्ड ट्रम्प। इन दो घटनाक्रमों ने कुछ ऐसा फिर से जिंदा कर दिया है जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद लगभग मर चुका था, यानी महाशक्तियों द्वारा किए गए युद्ध, जिनका उद्देश्य नया इलाका हासिल करना है। इराक पर अमेरिकी युद्ध एक तरह से पूर्व-चेतावनी थी। तीन साल पहले पुतिन ने यूक्रेन पर चढ़ाई कर दी। ऐसा लगता है कि शी जिनपिंग ताइवान पर चीनी हमले की तैयारी कर रहे हैं। अब ट्रंप पनामा नहर और ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए बल प्रयोग की धमकी दे रहे हैं। अब बहुपक्षीय कार्रवाई करने की बजाय एकतरफा अभियान को प्राथमिकता दी जाने लगी है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन की घटती भूमिका एवं उपयोगिता के बीच जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए निर्धारित कार्रवाइयों का सिरे न चढ़ना चिंतनीय है। भू-राजनीति सदा ही सत्ता को लेकर रही है, लेकिन अब यह नियमों से बेलगाम हुई सत्ता विस्तार में बदलने लगी है। यह बात दक्षिण चीन सागर, गाजा का नरसंहार, तिब्बत में ब्रह्मपुत्र के ऊपर एक विशाल नया बांध और तीसरी दुनिया के सीधे संघर्ष से बचने वाले देशों को प्रभावित करने वाले आर्थिक प्रतिबंधों के मामले में एकदम सच दिखाई देती है। इस सबके मूल में मानसिकता में आया बदलाव है, जो परस्पर निर्भरता और व्यापारिक नेटवर्क को लाभप्रद रूप में न देखकर इन्हें कमजोरी के तौर पर लेती है। इसलिए हम आधी सदी से भी ज़्यादा पुरानी व्यापार उदारीकरण की परंपरा से परे हटते दिख रहे हैं। इसके लिए, वैश्वीकरण गया भाड़ में, 'सबसे पहले मेरे देश का हित' वाली नीति अपनाना है। नेटवर्क वाली अर्थव्यवस्था छोड़ दो, आत्मनिर्भरता अपनाओ। मंडी के फायदे से बाहर निकलो, राष्ट्रीय व्यापारिक सुरक्षा पहले। कोई एक सदी पहले, जब इस सूत्र को आजमाया गया था, तो यह तरीका कारगर साबित नहीं हुआ था, लेकिन लगता नहीं कि इतिहास से मिले सबक बहुत ज़्यादा देर तक असरदार रहे। शायद सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि अतीत में नियम-निर्माण का बहुत बड़ा स्रोत यानी संयुक्त राज्य अमेरिका, अब धरती का सबसे अविश्वसनीय देश बन गया है। फाइनेंशियल टाइम्स के एक स्तंभकार ने अपने लेख में पूछा है: 'क्या अमेरिका एक बेलगाम देश बन गया है'। कोई नहीं जानता कि यह आगे क्या करने जा रहा है, और तो और इसके सहयोगी भी नहीं। यह सब दुनिया को कहीं ज़्यादा अशांत जगह बनाएगा, जहां पहले से बहुत सी अनिश्चितताएं और जोखिम व्याप्त हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जो सहकारी एजेंडे बनाए गए थे, वे पश्चिमी प्रतिमान की प्रधानता के कारण संभव हुए थे। ये कानून एवं समझौते पहले से मौजूद सत्ता संरचनाओं को दर्शाते थे और जिन्हें युद्ध से उभरे सबसे शक्तिशाली देश द्वारा लागू किया गया थे। अगर यह विश्व व्यवस्था, जैसा कि बताया जा रहा है, यदि अब टूट रही है, तो हमें मूल कारण पर वापस जाना होगा: चीन के उदय से पश्चिम के लिए बनता खतरा, एक अभूतपूर्व गति और पैमाने पर। पश्चिमी प्रतिक्रिया – इस धारणा से प्रेरित है कि चीन ने स्वीकृत व्यापार नियमों का पालन नहीं किया, पश्चिम के औद्योगिकीकरण को नुकसान पहुंचाने के लिए व्यवस्थित रूप से काम किया। पश्चिमी प्रौद्योगिकियों को भी चुराया है – लिहाजा उस पर व्यापार प्रतिबंध, बढ़ाया टैरिफ, प्रौद्योगिकी तकनीक देने से इनकार इत्यादि अनेक अन्य उपाय किए जाएं। लेकिन शायद यह करने में बहुत देर कर दी। चीन की औद्योगिक श्रेष्ठता को कोई चुनौती नहीं दे पाएगा। पिछले साल इसने अमेरिका से 12.6 गुणा अधिक स्टील, 22 गुणा अधिक सीमेंट और तीन गुणा अधिक कारें बनाईं- जिनके इलेक्ट्रिक मॉडलों के साथ यह अब कार बाजार में जापानी और जर्मनी के वर्चस्व को पछाड़ने की हैसियत में आ चुका है। सकल वैश्विक जलपोत उत्पादन में चीनी शिपयार्ड का हिस्सा आधे से अधिक है। 2030 तक, चीन का विनिर्माण क्षेत्र समूची पश्चिमी दुनिया के कुल उत्पादन से अधिक होने का अनुमान है। ये शक्तियां केवल तभी तक उपयोगी हैं यदि चीन अपनी पहुंच विश्व बाजारों तक जारी रख पाए, जिसे घटाने की उत्तरोत्तर कोशिशें की जा रही हैं। फिर भी चीन ने 2024 में रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष का आनंद लिया, और ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने के कगार पर है। कुछ क्षेत्रों में यह तकनीक के मामले में पश्चिमी मुल्कों से आगे निकल गया है। लेकिन अब चीनी अर्थव्यवस्था को गंभीर ढांचागत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वास्तविकता जिससे निपटा जाना चाहिए वह यह है कि पश्चिम मुल्क जितना अधिक खतरा महसूस कर रहे हैं, उतनी ही जल्दी वे अपने उन नियमों को तज रहे हैं जिनका इस्तेमाल कर उन्होंने कभी खेल किया था। नई दुनिया में, हर देश अपने हित पर केंद्रित है, और इसके लिए शक्ति प्रयोग जायज मानता है। हकीकत है कि हर देश अपना रक्षा बजट बढ़ा रहा है, हम उम्मीद करें कि इससे संघर्ष न बढ़े। भले ही इसे टाला जा सकता है, लेकिन पुरानी दुनिया वापस नहीं आएगी। लेकिन क्या नई दुनिया नए नियमों के लिए सहमत हो सकती है? जिस प्रकार चीज़ें चल रही हैं, इससे पहले कि मुल्क वार्ता के लिए राज़ी हों, वैश्विक शक्ति धुरी में बदलाव के लिए खेल होकर रहेगा– तब जाकर, महाशक्तियां आक्रामकता या आक्रामक मुद्रा के माध्यम से अपनी-अपनी हदों की आजमाइश करेंगी। एक नया तरीका निकलकर आ सकता है।

आप का नजरिया

बाड़बंदी पर विवाद

गत वर्ष अगस्त में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार के दौरान भारत विरोधी रवैये में कमी नहीं आ रही है। लगातार भारत विरोधी मुहिम व अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले के बाद अब नया विवाद दोनों देशों की सीमा पर बाड़ लगाने को लेकर पैदा किया जा रहा है। जबकि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच पहले ही सहमति बन चुकी थी। बड़े हिस्से पर पहले ही बाड़बंदी हो चुकी है। लेकिन टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के हुकमरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं। बीते रविवार बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने ढाका में भारत के उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया। कयास लगाये जा रहे हैं कि बांग्लादेश ये हरकतें किसी तीसरे देश के इशारे पर कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत-बांग्लादेश के बीच 4156 किलोमीटर लंबी सीमा में से 3271 किलोमीटर पर कंटीले तार की बाड़ लग चुकी है और अब 885 किलोमीटर सीमा पर बाड़ लगना शेष है। अवैध घुसपैठियों, अपराधियों और चरमपंथियों की रोकथाम हेतु सीमा पर बाड़ लगाना भारत का अधिकार है। मामले का निस्तारण बांग्लादेश को समझदारी से करना चाहिए। दरअसल, बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। ऐसे वक्त में जब पाक से उसकी नजदीकियां लगातार बढ़ी हैं और वहां पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है, भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए। अब तक पंजाब, जम्मू-कश्मीर व नेपाल के रास्ते आतंकवादियों को भारत भेजने की कोशिश पाक करता रहा है। इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि वह बांग्लादेश से लगी भारत की खुली सीमा का दुरुपयोग न करे। निश्चित रूप से पिछले दिनों बांग्लादेश से रिश्तों में जिस तरह से अविश्वास उपजा है, उसके चलते भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज नहीं कर सकता। यहां उल्लेखनीय है कि बाड़बंदी के भारत के फैसले को व्यापकता में देखने की जरूरत है। यह बात भी ध्यान रखने काबिल है कि दोनों देशों में सीमा पर बाड़ लगाने को लेकर विगत में एक राय बनी हुई है। बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश यानी बीजीबी में कई बार बातचीत के बाद इस मुद्दे पर सहमति बन चुकी है। लेकिन बांग्लादेश भारत की सदाशयता के बावजूद टकराव के मूड में नजर आता है। ऐसा ही रवैया उसका अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भी रहा है, जिस बारे में वह अब दलील दे रहा है कि हालिया हिंसक घटनाएं सांप्रदायिक नहीं बल्कि राजनीतिक कारणों से हुई हैं। बल्कि अंतरिम सरकार के प्रमुख भारतीय मीडिया पर घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर बताने का आरोप लगाते हैं। ऐसे वक्त में जब बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार ने पाकिस्तानियों का बांग्लादेश में प्रवेश आसान कर दिया है तो पाक के बांग्लादेश को भारत विरोधी प्लेटफॉर्म के रूप में इस्तेमाल करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। यह हकीकत है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। परिवार की जरुरतों को पूरा करते-करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौके हैं आज आपके पास। खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं। किताब पढ़कर आप अपनी विचारधारा को और सशक्त कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी आज बिगड़ती सकती है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों से अचानक तोहफ़ा मिल सकता है, लेकिन पूरी संभावना है कि वे इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आज आपको रिश्तों की अहमियत का अंदाज हो सकता है क्योंकि आज के दिन का ज्यादातर समय आप अपने परिवार के लोगों के साथ बिताएंगे। अगर आप अपने जीवनसाथी की छोटी-छोटी बातों को नज़रअन्दाज़ करेंगे, तो उन्हें बुरा लग सकता है। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी-कुछ करना चाहते हैं, लेकिन अगर आप काम टालते रहेंगे तो ख़ुद पर ही खीझ पैदा होने लगेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत को लेकर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। अगर आज कुछ ज़्यादा करने को नहीं है तो किसी लाइब्रेरी में समय बिताना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक़ पूरे करने या उन कामों को करने में लगाना चाहिए, जिन्हें करने में आपको सबसे ज़्यादा मज़ा आता है। अगर सफर कर रहे हैं तो अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें अगर आप ऐसा नहीं करते तो सामान के चोरी होने की संभावना है। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। जब आपसे राय पूछी जाए तो संकोच न करें- क्योंकि इसके लिए आपकी काफ़ी तारीफ़ होगी। आपके दिन की शुरुआत शानदार रहेगी और इसलिए आज पूरे दिन आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। प्रोपर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका गर्मजोशी भरा बर्ताव घर का माहौल ख़ुशनुमा कर देगा। अपने प्रिय की ग़ैरमौजूदगी में आप ख़ुद को बिल्कुल खाली महसूस करेंगे। वह काम जो आज आप दूसरों के लिए स्वेच्छा से करेंगे, न सिर्फ़ औरों के लिए मददगार साबित होगा बल्कि आपके दिल में ख़ुद की छवि भी सकारात्मक होगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है। ऑफिस के दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताना आपके लिए अच्छा नहीं है ऐसा करके आप अपने घर वालों के गुस्से का शिकार हो सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बीमारी आपकी उदासी की वजह हो सकती है। आपको परिवार में फिर से ख़ुशी का माहौल बनाने के लिए जल्द-से-जल्द इससे बाहर आने की ज़रूरत है। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है। आज आपका व्यक्तित्व लोगों को निराश कर सकता है इसलिए आपको अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव करने की जरुरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। मेहमानों के साथ का आनंद लेने के लिए बढ़िया दिन है। अपने रिश्तेदारों के साथ कुछ ख़ास करने की योजना बनाएँ। इसके लिए वे आपकी तारीफ़ करेंगे। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। परिवार के साथ शॉपिंग पर जाना संभव लग रहा है ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। कोई ऐसा जिसके साथ आप रहते हैं, आपके लापरवाह और अनिश्चित बर्ताव की वजह से चिढ़ सकता है। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगे। इसके बात आप बहुत शान्त और तरोताज़ा महसूस करेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू काम-काज निपटाने में बच्चे मदद करेंगे। खाली वक़्त में उन्हें ऐसे काम करने के लिए उत्साहित करें। आपके प्रिय की तबीयत ख़राब हो सकती हैं । आपकी कम्यूनिकेशन की क्षमता प्रभावशाली साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी का मन खिन्न है और चाहते हैं की दिन अच्छा गुज़रे, तो चुप्पी साधे रहें। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 20 जनवरी 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी प्रातः 10:01 तक
नक्षत्र : हस्त रात्रि 08:31 तक
योग : सुकर्मा रात्रि 02:51 तक
करण : वणिज प्रातः 10:01 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:49 , सूर्यास्त 06:04 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:15 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:06 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 05:57 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– भद्रा प्रातः 09:59 से रात्रि 11:19 तक , अभिजीत में रवि रात्रि 10:07 से

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल शर्मा ने किया राजस्थान मण्डप का अवलोकन

जयपुर,19 जनवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रयागराज महाकुम्भ के अवसर पर शनिवार की देर रात्रि राजस्थान मण्डप का अवलोकन किया। उन्होंने यहां यात्रियों के लिये बनाए पंडाल व प्रचार-प्रसार से सम्बंधित आकर्षक फोटोज, रोचक दृश्य श्रव्य सामग्री आदि के साथ ही यात्रियों के ठहराव की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं पर खुशी जताई।

मुख्यमंत्री शर्मा ने राजस्थान के श्रद्धालुओं को राज्य सरकार द्वारा अल्पकालिक प्रवास हेतु सुविधाएं प्रदत्त करने के उद्देश्य से निर्मित किये गए राजस्थान मंडप में ही रात्रि विश्राम किया। गौरतलब है कि 144 वर्षों के लिये स्मरणीय आस्था के इस महापर्व प्रयागराज महाकुम्भ में राजस्थान के साथ ही साथ पूरे देश से श्रद्धालुओं की भीड़ पूर्ण उत्साह से उमड़ रही है जो निश्चित रूप से सनातन संस्कृति को और समृद्ध बना रही है।

भजनलाल ने महाकुंभ स्थित राजस्थान मण्डप में सुना 'मन की बात' का कार्यक्रम

जयपुर,19 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 118वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। नववर्ष 2025 का यह पहला 'मन की बात' कार्यक्रम था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी प्रयागराज महाकुंभ स्थित राजस्थान मण्डप में प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में उमड़ा चिरस्मरणीय जन-सैलाब, अकल्पनीय दृश्य और समता-समरसता का असाधारण संगम विविधता में एकता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि हजारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव और जातिवाद नहीं है। यह 'कुंभ' एकता का महाकुंभ है। मोदी ने कहा कि कुंभ का आयोजन बताता है कि कैसे हमारी परम्पराएं पूरे भारत को एक सूत्र में बांधती हैं।

रेव पार्टी का खुलासा : उदयपुर के फार्महाउस पर अपराध का अड्डा

शराब, ड्रग्स और विदेशी मुद्रा के साथ 5 राज्यों के 28 लड़के-लड़कियां गिरफ्तार

उदयपुर,19 जनवरी (एजेंसियां)।

उदयपुर की रात हमेशा शांत और सुरम्य होती है, लेकिन इस बार यह रात एक सनसनीखेज अपराध का गवाह बनी। गोगुंदा थाना इलाके के दो फार्महाउस- पियाकल प्रियंक पीपी और द स्काई साइन हॉलिडे होम-एक ऐसी रेव पार्टी का केंद्र बने जहां शान और शोहरत के पर्दे के पीछे अपराध का खेल चल रहा था।

शनिवार की रात, जब अधिकतर लोग सो रहे थे, तभी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दो फार्महाउसों पर कुछ संदिग्ध चल रहा है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की योजना बनाई और दो टीमें बनाई गईं। आधी रात के बाद जब टीमों ने दोनों फार्महाउसों पर दबिश दी, तो वहां का दृश्य चौंकाने वाला था।

हॉल के अंदर तेज आवाज में म्यूजिक गूंज रहा था। युवतियां अश्लील कपड़ों में डांस कर रही थीं, और युवक उन पर नोट उड़ा रहे थे। जमीन पर बिखरी विदेशी करेंसी और शराब की बोतलों ने पूरे माहौल को गवाह बना दिया कि यहां सिर्फ एक पार्टी नहीं, बल्कि वेश्यावृत्ति और नशे का कारोबार भी फल-फूल रहा था। एसपी योगेश गोयल के नेतृत्व में चली यह कार्रवाई आसान नहीं थी। रात 1 बजे से लेकर अगले दिन दोपहर 4 बजे तक पुलिस ने 13 घंटे का लंबा ऑपरेशन चलाया। दोनों फार्महाउस से कुल 28 युवक-युवतियों को हिरासत में लिया गया, जिनमें 10 लड़कियां और 18 लड़के शामिल थे।

पुलिस के अनुसार, पार्टी में शामिल होने के लिए प्रति व्यक्ति 10,000 रुपए की एंट्री फीस ली जा रही थी। इन लड़कियों को अलग-अलग राज्यों और यहां तक कि नेपाल से भी बुलाया गया था। सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि इस रेव पार्टी में अमेरिका से आए छब्ब जिगर शाह भी मौजूद थे। उनके पास से 4,000 डॉलर (भारतीय मूल्य लगभग 3.2 लाख रुपए) बरामद किए गए। पुलिस ने जब पूछताछ की, तो पता चला कि जिगर शाह पहले भी इस तरह की पार्टियों में शामिल हो चुके हैं।

मुख्य आयोजक अमित प्रधान और कई अन्य को गिरफ्तार किया गया। इस पार्टी में शामिल लड़कियां सिर्फ नाचने तक सीमित नहीं थीं। पुलिस जांच में सामने आया कि यह पूरी पार्टी एस्कॉर्ट सर्विस की आड़ में वेश्यावृत्ति के धंधे का हिस्सा थी। दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, और नेपाल से लड़कियों को खासतौर पर इस काम के लिए बुलाया गया था।

पुलिस ने दोनों फार्महाउसों पर अलग-अलग केस दर्ज किए हैं। अब इन आयोजकों और इसमें शामिल लोगों की पृष्ठभूमि खंगाली जा रही है। यह रेव पार्टी सिर्फ एक रात का मजा नहीं थी, बल्कि यह अपराध और अनैतिक गतिविधियों का एक बड़ा अड्डा था। उदयपुर की पुलिस ने अपने साहस और सतर्कता से इस साजिश को बेनकाब कर दिया। लेकिन सवाल उठता है कि आखिर ऐसी पार्टियां कब तक इस शहर की शांति को भंग करती रहेंगी?

गिर्वा डीएसपी सूर्यवीर सिंह ने बताया- पियाकल प्रियंक पीपी फार्म हाउस में पार्टी के मुख्य आयोजनकर्ता अमित प्रधान निवासी बोरानाडा (जोधपुर) के साथ ही कोमल (22) निवासी उदयपुर, सायमा (27) निवासी उदयपुर, दीप्ति (27) निवासी ठाणे (महाराष्ट्र), पठान (23) निवासी सूरत (गुजरात) और आरजू (25) निवासी बंसत विहार (दिल्ली), गुजरात के बड़ौदा निवासी रोडिया रक्षित, जैमिन, दीपक, हिरेन, दिशांत और साहिल (19) को गिरफ्तार किया है।

बीकानेर के लूणकरणसर में दर्दनाक सड़क हादसा

बारात में जा रही कार टायर फटने से पलटी चार लोगों की मौत, चार अन्य घायल

बीकानेर,19 जनवरी (एजेंसियां)।

राजस्थान के बीकानेर जिले के लूणकरणसर थाना क्षेत्र स्थित हंसेरा गांव में शनिवार रात एक दिल दहला देने वाली सड़क दुर्घटना ने चार लोगों की जान ले ली। घटना में चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह हादसा तब हुआ जब भोजासर से पेमासर जा रही एक बारात की अर्टिगा कार का टायर फट गया और वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। मृतकों की पहचान भोजासर निवासी भगवान दास, विनोद, सुनील और रावतसर निवासी कालूराम के रूप में हुई है। सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहतकर्मी मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल स्थानीय चिकित्सालय पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान इनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। अन्य तीन घायलों का इलाज अभी भी स्थानीय अस्पताल में जारी है।

जानकारी के अनुसार, यह बारात भोजासर से पेमासर के लिए रवाना हुई थी, जिसमें बस और कारों का काफिला शामिल था। दुर्घटना के समय अर्टिगा कार का टायर फटने से यह हादसा हुआ, जिससे कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई और उसमें सवार लोग घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों की गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह एक गंभीर सड़क दुर्घटना है, और उचित कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे के बाद से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

40 लाख कीमत की स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

जैसलमेर,19 जनवरी (एजेंसियां)।

जैसलमेर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन मद मर्दन के तहत जिले की डीएसटी व कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई कर आरोपी गुलाब सिंह पुत्र रणजीत सिंह निवासी कच्छ गुजरात हाल पुलिस लाइन कच्ची बस्ती जैसलमेर से पुलिस ने 177 ग्राम 46 मिलीग्राम स्मैक जब्त की है। जब्त स्मैक की अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रुपए है।

एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय एवं आईजी जोधपुर रेंज विकास कुमार के पर्यवेक्षण में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए जिले में ऑपरेशन मद मर्दन अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए सभी थानाधिकारियों एवं जिला स्पेशल टीम को विशेष दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। शनिवार को मुखबिर से मिली सूचना पर एएसपी कैलाश दान जुगतावत व सीओ रूप सिंह इंदा के सुपरविजन में एसएचओ अल्ताफ हुसैन व डीएसटी प्रभारी हेड कांस्टेबल भीमराव सिंह के नेतृत्व में टीम द्वारा आरोपी गुलाब सिंह राजपूत के पास से 177.43 ग्राम स्मैक जब्त की गई है। आरोपी से अवैध मादक पदार्थ की खरीद फरोख्त के संबंध में गहनता से पूछताछ की जा रही है।

परिवार पहचान पत्र बना परिवार परेशान पत्र : सैलजा

चंडीगढ़,19 जनवरी (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि सरकार को यह

बात माननी ही होगी कि परिवार पहचान पत्र जनता के लिए परिवार परेशान पत्र बनकर रह गया है, पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय ने भी हरियाणा सरकार को निर्देश दिया है कि वह तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए, ताकि किसी भी नागरिक को परिवार पहचान पत्र की कमी के कारण जरूरी या मौलिक सेवाओं से वंचित न किया जाए। साथ ही पीपीपी की अनिवार्यता को खत्म किया जाए।मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि परिवार पहचान पत्र सरकार ने जनता पर जबरन थोपा था और इसमें आई खामियों को लेकर जनता को परेशानी में डालकर रखा हुआ है। पीपीपी के नाम पर घोटाला हुआ। आज तक पीपीपी की त्रुटियों को दूर नहीं किया गया है।

अनिल विज ने सेल्फी प्वाइंट पर स्वयं ली सेल्फी

अम्बाला,19 जनवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आई लव अम्बाला सदर सेल्फी प्वाइंट पर स्वयं सेल्फी लेते हुए लाखों रुपए की लागत से बने फाउंटेन व पार्क का उद्घाटन किया किया। अब यह सेल्फी प्वाइंट अम्बाला छावनी के लोगों में बेहद कम समय में आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने इस सेल्फी प्वाइंट पर अपने मोबाइल फोन से सेल्फी लेते हुए कहा कि यह क्षेत्र लोगों में आकर्षण का केंद्र साबित होगा जोकि अम्बाला छावनी की सुंदरता को पहले से भी ज्यादा बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि इस सेल्फी प्वाइंट पर दो फव्वारों के साथ-साथ लोगों के बैठने की भी सुविधा उपलब्ध है। यहां बने सेल्फी प्वाइंट के समक्ष लोग अपनी फोटो ले सकेंगे।

सभी कार्यकर्ता हर महीने अपने बूथ पर वहां के नागरिकों के साथ सुने प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम : सैनी

चंडीगढ़,19 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वर्ष 2025 के अपने पहले 'मन की बात' कार्यक्रम में हरियाणा के अंबाला व हिसार के स्टार्टअप का जिक्र करते हुए कहा कि यह ख़ुशी की बात है कि देश में अंबाला व हिसार जैसे शहर भी स्टार्टअप के केंद्र बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप कल्चर मात्र बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। छोटे शहरों के स्टार्टअप में आधे से ज्यादा का नेतृत्व हमारी बेटियां कर रही हैं। इसके लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कैथल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के कार्यक्रम के 118वें प्रसारण को सुना। इस मौके पर विधायक सतपाल जांबा, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा व पूर्व विधायक लीलाराम भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की समाप्ति के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में हरियाणा के अंबाला व हिसार के स्टार्टअप का जिक्र करते हुए उनकी प्रशंसा की है।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरियाणा को एक अग्रणी स्टार्टअप हब के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया के उद्देश्यों के साथ तालमेल बिठाते हुए राष्ट्रीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में हरियाणा को एक प्रमुख प्लेयर के रूप में स्थापित करने के लिए समर्पित प्रयास कर रही है।

पंजाब में भाजपा सरकार आने पर किसानों की सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जाएंगी : नायब सैनी

चंडीगढ़,19 जनवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्र व हरियाणा की सरकार किसानों की सच्ची हितैषी है। इसी का साक्ष्य है कि हरियाणा ने किसानों की शत प्रतिशत फसलों की एमएसपी पर खरीद की है और 12 लाख किसानों के खाते में 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपये डाले हैं। इसके अतिरिक्त, फसल खरीद के बाद देरी से पेमेंट होने पर 78 करोड़ रुपये ब्याज के तौर पर किसानों को दिए हैं। वहीं राज्य पंजाब में पहले कांग्रेस सरकार व अब मौजूदा आम आदमी पार्टी की सरकार किसानों की सुध नहीं ले रही है और किसानों की फसलों को एमएसपी पर नहीं खरीदा जा रहा है। जिस वजह से किसान आंदोलनरत हैं। मुख्यमंत्री ने पंजाब सरकार को सलाह दी कि वे

विधानसभा में बिल लाकर किसानों की शत प्रतिशत फसलों को एमएसपी पर खरीदने का काम करे। उन्होंने कहा कि पंजाब में भाजपा सरकार आने पर किसानों की शत प्रतिशत फसलों की एमएसपी पर खरीद की जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह बात आज पंजाब के रोपड़ में आयोजित सैनी महासम्मेलन के दौरान बतौर मुख्य अतिथि कही। इस अवसर पर राष्ट्रीय अल्प संख्यक कमीशन के चेयरमैन इकबाल सिंह लालपुरा व कार्यक्रम के आयोजक रोपड़ के भाजपा के जिला प्रधान अजय वीर सिंह लालपुरा सहित सैनी समाज के अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले साल हरियाणा में खरीफ सीजन में बारिश देर से हुई थी। जिसके कारण किसानों को फसल की बुवाई के लिए सिंचाई व दूसरे इंतजाम करने पड़े। हरियाणा सरकार ने किसानों की पीड़ा को समझा और 2 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से बोनस के तौर पर उनके खाते में डाले। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार गरीब व मजदूरों की भलाई के लिए दिन-रात कार्य कर रही है। इसी कड़ी में उन्होंने दूसरी बार मुख्यमंत्री की शपथ लेते ही प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कालेजों और पीजीआई में किडनी के रोग से पीड़ित रोगियों को मुफ्त डायलिसिस की सेवाएं प्रदान करवाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि 70 वर्ष से ज्यादा आयु के बुजुर्गों को आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के बुजुर्गों को इस योजना का लाभ दिया और इस मद पर अब तक 2500 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में पिछड़ा वर्ग की लंबे समय से मांग थी कि उनकी क्रीमिलेयर की आय सीमा को बढ़ाया जाए। हरियाणा सरकार ने इस आय सीमा को 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दिया है। इसका पिछड़ा वर्ग को लाभ मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीबी शरणदीप कौर दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की सच्ची सिपाही थीं। गुरु जी द्वारा चलाए गए धर्म युद्ध में बीबी शरणदीप ने मुगल आक्रांताओं के खिलाफ लड़ते हुए शहादत दी थी। उनका बलिदान न केवल धर्म के लिए था, बल्कि पूरी मानवता के लिए था। उनकी वीरता और उनके त्याग से हमें यह सिखाते हैं कि धर्म के प्रति निष्ठा, सत्य और न्याय की रक्षा के लिए किसी भी बलिदान को तैयार रहना चाहिए।

आस्था का महाकुंभ : नागा संन्यासी बने 1500 लोगों ने जीवन में ही किया पिंडदान

19 महिलाएं भी बनीं नागा संन्यासी

प्रयागराज, 19 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रयागराज महाकुंभ में 7वें दिन भी श्रद्धालु भारी संख्या में पहुंचकर गंगा के पवित्र जल में स्नान कर रहे हैं। महाकुंभ का सातवां दिन है। इस बीच सनातन धर्म और उसकी महिमा से प्रभावित 1500 जीवित लोगों ने नागा संन्यासी बनने का संकल्प लिया। इन सभी ने पंच दशनाम जूना अखाड़े से जुड़कर हर-हर महादेव के उद्घोष के बीच नागा संन्यासी बनने की दीक्षा ली।

जूना अखाड़े के रमता पंच के श्री महंत रामचंद्र गिरि, दूध पुरी, निरंजन भारती और मोहन गिरि की देखरेख में पहले सभी लोगों का मुंडन संस्कार किया गया। इसके बाद सभी ने 108 बार गंगा के पवित्र जल में डुबकी लगाई। इसके बाद गंगा पूजन किया और अपना पिंडदान किया। पिंडदान के बाद सभी ने एक स्वर में खुद को सांसारिक मोह माया से अलग करते हुए सांसारिक तौर पर खुद के मृत होने का ऐलान कर दिया।

जूना अखाड़े के श्री महंत चैतन्य पुरी के अनुसार, अखाड़े में 5.3 लाख से अधिक नागा संन्यासी हैं। संन्यासी बनने वाली सभी लोगों को सनातन धर्म की शिक्षा, अखाड़े के संचालन की कार्यप्रणाली और उसके नियमों के विषय में बताया। रात में ही सभी को हवन करवाया गया। संगम घाट पर सुरक्षा की जिम्मेदारी अखाड़ों के चारों मढ़ियों के कोतवालों ने निभाई। उल्लेखनीय है कि महाकुंभ हो या हो कुंभ सभी में नागा संन्यासी बनाने का कार्य केवल निरंजनी, महानिर्माणी, शैव जूना अखाड़ा, आवाहन, अटल और आनंद अखाड़ा नागा संन्यासी बनाने का काम करते हैं।

महाकुंभ के दौरान केवल पुरुष ही नहीं हैं, बल्कि महिलाएं भी नागा संन्यासी बनने की दीक्षा ले रही हैं। महाकुंभ के सातवें दिन 19 महिलाओं ने भी सांसारिक मोह माया त्यागकर नागा संन्यासी बन गई। इन महिलाओं को गुरु परंपरा के अनुसार ही दीक्षा दिलाई गई।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संगम में लगाई पावन डुबकी

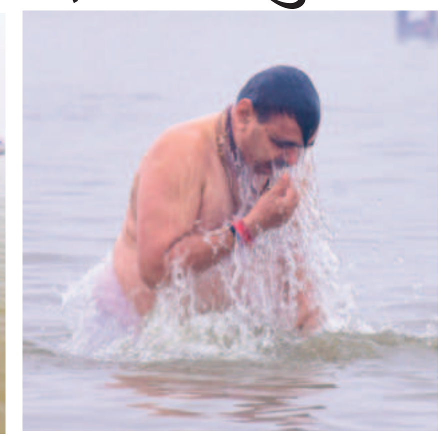

महाकुंभनगर, 19 जनवरी (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार सुबह महाकुंभ में त्रिवेणी संगम में स्नान कर पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार देर रात महाकुंभ मेला क्षेत्र में सेक्टर 7 स्थित राजस्थान पवेलियन पहुंचे। सुबह बोट से त्रिवेणी संगम का अवलोकन किया। उन्होंने त्रिवेणी संगम घाट पर पावन डुबकी लगाने के बाद मां गंगे की पूजा अर्चना, भगवान महादेव का दूध एवं गंगा जल से अभिषेक भी किया। मुख्यमंत्री ने मां गंगे की आरती की और बड़े हनुमान जी के दर्शन भी किए। उन्होंने महाकुंभ के महाआयोजन को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और उन्हें इस आयोजन के कुशल संचालन के लिए बधाई दी।

इससे पहले, मुख्यमंत्री शर्मा का शनिवार देर रात प्रयागराज एयरपोर्ट पर उत्तर प्रदेश के मंत्री नंद गोपाल नंदी ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में बने राजस्थान मंडप का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्थान के विभिन्न जनपदों से आए श्रद्धालुओं से भी भेंट की।

राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान पुरस्कार एवं अलंकरण समारोह

साहित्य सेवा करने वाले सरकारी मुलाजिम पुरस्कृत

एक-एक लाख रुपए और प्रमाण-पत्र से सम्मानित हुए 24 लोग

लखनऊ, 19 जनवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान के तत्वावधान में साहित्य सेवा करने वाले सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों का पुरस्कार एवं अलंकरण समारोह लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक थे। संस्थान के अध्यक्ष आईएएस अधिकारी डॉ. अखि-लेश कुमार मिश्र ने समारोह की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन से किया गया। डॉ. शोभा दीक्षित भावना ने वंदना प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत डॉ. रविशंकर पांडेय ने किया। संस्थान की गतिविधियों की रिपोर्ट राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान की महामंत्री डॉ. सीमा गुप्ता ने प्रस्तुत की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने साहित्यकारों को पुरस्कार एवं अलंकरण से सम्मानित किया। अवधेश निगम को पंडित महावीर प्रसाद द्विवेदी पुरस्कार, मोहम्मद अली साहिल को भगवती चरण वर्मा पुरस्कार, श्रीनिवास त्रिपाठी को सुमित्रानंदन पंत पुरस्कार, डॉ. सोम कुलश्रेष्ठ को भारतेंदु हरिश्चंद्र पुरस्कार, अनुज अग्रवाल को अमृतलाल नागर पुरस्कार, प्रदीप कुमार पांडेय को डॉ. विद्यानिवास मिश्र पुरस्कार, प्रो. अर्चना शर्मा को श्यामसुंदर दास पुरस्कार, संतोष कुमार तिवारी को जयशंकर प्रसाद पुरस्कार, कुलदीप किशोर तिवारी को डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन पुरस्कार, सुफलता त्रिपाठी को गया प्रसाद शुक्ल सनेही पुरस्कार, ऋचा पाठक को डॉ. हरिवंश राय बच्चन पुरस्कार, सौदागर सिंह को रामधारी सिंह दिनकर पुरस्कार, डॉ. शमीम इरशाद आजमी को मिर्जा असदुल्लाह खां गालिब पुरस्कार, डॉ. बिन्नो अब्बास रिजवी को फिराक गोरखपुरी पुरस्कार, त्रिवेणी प्रसाद दुबे को अमीर खुसरो पुरस्कार, रामाशंकर सिंह को अकबर इलाहाबादी पुरस्कार, अशोक पांडेय अनहद को प्रताप नारायण मिश्र पुरस्कार, रामलखन यादव को शिव सिंह सरोज पुरस्कार, डॉ. जटाशंकर त्रिपाठी को बालकृष्ण भट्ट पुरस्कार, डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह को महादेवी वर्मा पुरस्कार, शमा परवीन को मीर तकी मीर पुरस्कार, महेंद्र मोदी आईपीएस को जोश मलिहाबादी पुरस्कार, डॉ. जसभाई एन पटेल को शरतचंद्र चट्टोपाध्याय पुरस्कार, दयाशंकर श्रीवास्तव को सुब्रमण्यम भारती पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

पुरस्कार पाने वाले सभी साहित्यकारों को एक-एक लाख रुपए की धनराशि के साथ ही प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह, पगड़ी एवं शॉल भेंट किया गया। इसके अतिरिक्त तीन अन्य पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

स्व. राजीव अग्रवाल की स्मृति में 20 हजार की राशि का साहित्यबंधु पुरस्कार डॉ. वेदपति मिश्र को दिया गया। स्व. राधेश्याम अग्रवाल की स्मृति में 20 हजार की राशि का साहित्यबंधु पुरस्कार सूर्यपाल गंगवार को दिया गया। स्व. रमणलाल अग्रवाल की स्मृति में 11 हजार की राशि का साहित्यबंधु पुरस्कार लता कादंबरी को दिया गया।

संस्थान एवं पत्रिका में योगदान, उत्कृष्ट पुस्तक, साहित्य सेवा एवं संस्थान को अमूल्य योगदान के लिए वर्ष 2024-25 के लिए सात-सात हजार की धनराशि का साहित्य गौरव सम्मान रामकृष्ण लाल जगमग, लोकेश त्रिपाठी, शालिनी पांडेय सजल, सम्पत्ति कुमार मिश्र, डॉ. अनिला सिंह चांडक, सिराज मंजर काकोरवी, प्रदीप सारंग, मुनेंद्र राठौर एवं वंदना शुक्ला को प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त संस्थान के लिए कार्य करने हेतु पांच-पांच हजार की धनराशि और प्रशंसा पत्र के साथ अंशुल बंसल, विवेक सिंह एवं रत्नदीप दीक्षित को सम्मानित किया गया। राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इसके उपलक्ष्य में संस्थान के सदस्यों और सहयोगियों को भी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में देश व प्रदेश के विभिन्न कवियों में डॉ कलीम कैसर समेत अन्य ने काव्य पाठ किया। रेणु वर्मा रेणु ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

महाकुंभ 2025 : श्रद्धालुओं के अमृत स्नान की लाइफ लाइन बने पीपे के पुल

40 वर्ग किलोमीटर में फैला महाकुंभ, 25 सेक्टरों में विभाजित

महाकुंभनगर, 19 जनवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ के भव्य आयोजन में पीपे के पुलों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण हो गई है। विराट आयोजन में संगम क्षेत्र और अखाड़ा क्षेत्र के बीच पीपे के पुल अद्भुत सेतु का काम कर रहे हैं। प्रशासन ने 40 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले मेले को 25 सेक्टरों में विभाजित किया है। पीपे के पुल महाकुंभ का अभिन्न अंग हैं। ये पुल कम रखरखाव वाले होते हैं, लेकिन इनकी 24 घंटे निगरानी जरूरी होती है। लोक निर्माण विभाग के अभियंता आलोक कुमार ने बताया कि पीपे के पुल अस्थायी पुल है। पानी की सतह पर तैरने वाले लोहे के बड़े खोखले डिब्बों (पैंटून) के सहारे बनाया जाता है। इन्हें प्रयागराज में आम बोलचाल की भाषा में पीपे का पुल कहा जाता है। महाकुंभ 2025 में श्रद्धालुओं को सहज आवाजाही देने के लिए बनाए गए ये पुल न केवल आम नागरिकों बल्कि 13 अखाड़ों की भव्य छावनी प्रवेश और अमृत स्नान, राजसी स्नान के दौरान रथ, हाथी-घोड़े और 1,000 से अधिक वाहनों के आवागमन को भी सुनिश्चित कर रहे हैं।

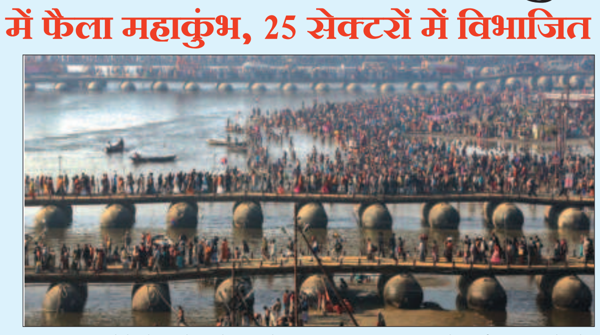

अगस्त 2023 में उन्हें इस विराट कार्य की जिम्मेदारी दी गई थी। महाकुंभ के लिए 30 पीपे के पुलों के निर्माण में 2,213 पांटून (विशाल लोहे के खोखले डिब्बे) का उपयोग किया गया, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इस परियोजना में 1,000 से अधिक मजदूरों, इंजीनियरों और अधिकारियों ने 14-14 घंटे तक काम किया।

अक्टूबर 2024 तक इन पुलों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया और मेला प्रशासन को सौंप दिया गया। गंगा नदी पर 30 पीपे के पुलों का निर्माण महाकुंभ में अब तक का सबसे बड़ा कार्य है। मेले के समापन के बाद इन पुलों को हटाकर अन्य स्थानों पर संग्रहित कर दिया जाएगा। मजबूत लोहे की चादरों से बने खोखले पांटून को क्रेन की मदद से नदी में उतारा जाता है। फिर इन पर गर्डर रखकर नट और बोल्ट से सुरक्षित किया जाता है। बाद में हाइड्रोलिक मशीनों से पांटून को सही जगह पर फिट किया जाता है। इसके बाद लकड़ी की मोटी पट्टियों, बलुई मिट्टी और लोहे के एंगल से पुल को और अधिक स्थायित्व दिया जाता है। अंत में पुल की सतह पर चकर्ड प्लेटें लगाई जाती हैं ताकि श्रद्धालुओं और वाहनों के आने जाने के लिए सतह मजबूत बनी रहे। एक पांटून का वजन लगभग 5 टन होता है, फिर भी यह पानी में तैरता है। इसका रहस्य आर्किमिडीज के सिद्धांत में छिपा है। पीडब्ल्यूडी अभियंता आलोक कुमार ने बताया, जब कोई वस्तु पानी में डूबी होती है, तो वह अपने द्वारा हटाए गए पानी के बराबर भार का प्रतिरोध झेलती है। यही सिद्धांत भारी-भरकम पांटून को पानी में तैरने में मदद करता है। पुलों की डिजाइन इस तरह बनाई गई है कि यह 5 टन तक का भार सहन कर सकते हैं। यदि इस सीमा से अधिक भार डाला जाए, तो पुल के क्षतिग्रस्त होने या डूबने का खतरा बढ़ जाता है। इसीलिए पुलों पर भीड़ प्रबंधन बेहद जरूरी होता है। 30 पीपे के पुलों के निर्माण में 17.31 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इनमें से नाग़व-ासुकी मंदिर से झूसी तक बना पुल सबसे महंगा (1.13 करोड़ रुपए) पड़ा, जबकि गंगेश्वर और भारद्वाज पुल की लागत 50 लाख से 89 लाख रुपए के बीच रही।

महाकुंभ का एक ही संदेश, एकता से ही अखंड रहेगा देशः योगी

महाकुंभ की व्यवस्था की समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री ने की पत्रकार वार्ता

महाकुंभ नगर, 19 जनवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रयागराज दौरे पर मौनी अमावस्या से पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा के बाद पत्रकारों के साथ वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और दुनिया से बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकुंभ आ रहे हैं। तमाम विदेशी श्रद्धालु भी संगम में स्नान कर अभिभूत नजर आ रहे थे। यूरोप से जुड़े कुछ पर्यटक मिलने आए थे और प्रयागराज की महिमा का जिस भाव से गान कर रहे थे, वह अभिभूत करने वाला था। वो हिंदी नहीं जानते, संस्कृत नहीं जानते, लेकिन हिंदी की चौपाई, संस्कृत के मंत्रों, अवधी की चौपाइयों को और सनातन धर्म से जुड़े स्त्रोत और मंत्रों को सस्वर गा रहे थे। मां गंगा और यहां के धामों के प्रति एक श्रद्धा का भाव उनमें देखने को मिल रहा था। यही तो प्रधानमंत्री जी का संदेश है। महाकुंभ का एक ही संदेश, एकता से ही अखंड रहेगा यह देश।

एकता और अखंडता के संदेश के साथ हम सभी जुड़ रहे हैं।

सीएम योगी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि महाकुंभ का आयोजन जिसके लिए प्रयागराज जाना जाता है, पूरी भव्यता के साथ आयोजित हो रहा है। महाकुंभ के लिए प्रधानमंत्री ने जो विजन दिया है उसको स्थानीय स्तर पर लागू करने के लिए सभी लोग पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं। इसके लिए आप सभी को धन्यवाद दूंगा कि प्रयागराज की छवि को एक सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाने का कार्य किया है। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के मुख्य स्नान संपन्न हो चुके हैं और अब मौनी अमावस्या 29 जनवरी और बसंत पंचमी 3 फरवरी को दो बड़े महास्नान होने हैं जो इस महाकुंभ की शोभा भी हैं। 7 हजार से अधिक संस्थाएं अब तक यहां पर आ चुकी हैं। आज पूरे महाकुंभ एरिया का एरियल सर्वे किया है। प्रातः काल से संगम तट पर स्नान करने वालों और यहां रहने वाले कल्पवासियों के साथ ही अन्य संस्थाओं से जुड़े हुए लोगों की पूरी संख्या को यदि देखेंगे तो लगभग एक करोड़ से अधिक लोग यहां मौजूद हैं। इतनी बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए पूरी तत्परता से यहां पर केंद्र और राज्य के सभी विभाग मिलकर कार्य कर रहे हैं। भव्य, दिव्य और डिजिटल कुंभ की परिकल्पना को साकार करने के साथ ही श्रद्धाल-ुओं की आस्था को सम्मान देते हुए आधुनिकता के साथ जोड़ने का कार्य हो रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि इन्हीं सब मुद्दों को देखने के लिए बीच में यहां पर प्रदेश सरकार के चीफ सेक्रेट्री, डीजीपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को यहां भेजा था। आज एक बार फिर हमने यह जानने की कोशिश की कि हम कितना कुछ आगे बढ़े हैं। 29 जनवरी और 3 फरवरी के महास्नान को ध्यान में रखते हुए पूरी व्यवस्था का अवलोकन किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि भगवान प्रयागराज और मां गंगा की कृपा से हम लोग यहां पर इन दोनों स्नानों को सकुशल संपन्न करने में सफल होंगे। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और गृहमंत्री का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद इस समय महाकुंभ के आयोजन से जुड़े हुए हैं। तमाम राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्रीगण लगातार यहां आ रहे है। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय से जुड़े हुए न्यायमूर्ति और विभिन्न राज्यों से जुड़े हुए जनप्रतिनिधिगण भी लगातार यहां आकर स्नान कर रहे हैं। लाखों की संख्या में संतों, कल्पवासियों की उपस्थिति वर्तमान में प्रयागराज में है। अनेक धार्मिक अनुष्ठान हो रहे हैं। चाहे देसी हो या विदेशी, सभी संगम में स्नान कर अभिभूत हो रहे हैं। सीएम ने कहा कि मकर संक्रांति और पौष पूर्णिमा के दिन हमें यह सौभाग्य नहीं मिल सका कि हम भी यहां स्नान कर सकें, क्योंकि हम लोगों ने खुद को प्रतिबंधित कर रखा था। केवल संतों और श्रद्धालुओं के लिए यह सुविधा थी। जो भी यहां आया, उन्होंने आपके माध्यम से जो भी बातें कहीं और खासतौर पर संतों और श्रद्धालुओं की भावना को हम सभी ने जाना।

इटली के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से की मुलाकात

रामायण की चौपाई और शिव तांडव की प्रस्तुति दी

लखनऊ, 19 जनवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से रविवार को इटली से आए एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रयागराज महाकुंभ से लौटीं इटली की महिलाओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने रामायण की चौपाई, शिव तांडव और कई भजनों की प्रस्तुतियां दीं। इससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस दौरान सभी ने अपने अनुभव भी साझा किये। बता दें कि इटली में ध्यान एवं योग सेंटर के संस्थापक एवं प्रशिक्षक माही गुरु के नेतृत्व में उनके अनुयायियों ने सीएम से शिष्टाचार भेंट की।

प्रयागराज महाकुंभ का आयोजन न केवल भारतीयों बल्कि विदेशी मेहमानों को भी अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। ऐसे में इटली से आए एक प्रतिनिधि मंडल ने संगम में पवित्र स्नान किया और भारतीय परंपराओं को गहराई से अनुभव किया। प्रतिनिधि मंडल की महिलाओं ने महाकुंभ में नागा साधुओं, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का हिस्सा बनकर आध्यात्मिक अनुभव हासिल किया। महाकुंभ से लौटने के बाद प्रतिनिधि मंडल की महिलाओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने अपने अनुभव साझा किए। महिलाओं ने बताया कि महाकुंभ का आयोजन न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिकता का जीवंत प्रदर्शन भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हुई मुलाकात के दौरान इटली से आई महिलाओं ने रामायण की चौपाई, शिव तांडव और कई भजन प्रस्तुत किये। महिलाओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति की गहराई और इसकी आध्यात्मिकता ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया है।

महाकुंभ कारोबार को भी कर रहा मजबूत

प्रयागराज, 19 जनवरी (एजेंसियां)।
प्रयागराज महाकुंभ 2025 में प्रशंसा हर तरफ हो रही है। कुंभ न सिर्फ सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह अर्थव्यवस्था को भी निखारने का काम कर रहा है। महाकुंभ के आयोजन के दौरान भारत के कई व्यवसायिक क्षेत्रों में भारी उछाल देखने को मिला है। इनमें सबसे अधिक उछाल होटल इंडस्ट्री में देखने को मिल रहा है। इससे प्रयागराज के व्यवसायी काफी खुश हैं।

महाकुंभ मेले के कारण प्रयागराज के कारोबार में दो से तीन गुना तक की बढ़ोतरी हो गई है। होटलों में अगले कई दिनों तक कमरे खाली नहीं हैं। होटल के साथ-साथ खान-पान के सामान, स्थानीय उत्पाद, कंबल, ऊनी कपड़ों और इलेक्ट्रॉनिक सामानों की बिक्री में वृद्धि देखी जा रही है। प्रयागराज में फ्लाइट्स की बुकिंग में 162 प्रतिशत का उछाल देखने को मिल रहा है। फ्लाइट्स के अलावा रेलवे, बसों, टैक्सियों आदि की कमाई में भी जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। ट्रेनों से लेकर बसों एवं टैक्सियों तक में लोग खचाखच भर करके कुंभ नहाने के लिए प्रयागराज पहुंच रहे हैं। छोटे-छोटे व्यवसाय करने वाले लोगों से लेकर होटल-रेस्टोरेंट और ऑनलाइन बुकिंग का काम करने वाली कंपनियां भी इस बूम से काफी खुश हैं। कुंभ खत्म होने तक यानी 45 दिनों में उन्हें भारी मुनाफा होने की उम्मीद है। प्रयागराज होटल एंड रेस्टोरेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह ने बताया कि श्रद्धालु और पर्यटकों द्वारा बुकिंग कराने के कारण होटल इंडस्ट्री को 30 से 40 फीसदी तक का मुनाफा हो रहा है। उनका मानना है कि आने वाले दिनों में यह मुनाफा बढ़कर 50 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। थोक और खुदरा व्यापारी भी कुछ ऐसी ही उम्मीद कर रहे हैं।

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र गोयल का मानना है कि महाकुंभ के अवसर पर सिर्फ होटल और टेंट सिटी का कारोबार 2,500 से लेकर 3,000 करोड़ रुपए तक का हो सकता है। केंद्रीय व्यापार मंडल के महामंत्री शिवशंकर सिंह का मानना है कि एफएमसीजी उत्पाद, ऑटोमोबाइल, सीसीटीवी कैमरा, केबल और खाने-पीने के सामान की बिक्री में भारी वृद्धि हुई है। शिवशंकर सिंह का कहना है कि मकर संक्रांति के स्नान तक खुदरा व्यापार में भी 20 से 25 प्रतिशत वृद्धि देखने को मिली है। व्यापारियों को उम्मीद है कि कुंभ स्नान में विशेष स्थान रखने वाले मौनी अमावस्या पर यह बिक्री और भी अधिक बढ़ने की उम्मीद है। हस्तशिल्पी इस बार 35 करोड़ रुपए तक का कारोबार कर सकते हैं। व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद कादिर का भी ऐसा ही मानना है।

मोहम्मद कादिर का कहना है कि महाकुंभ मेले के कारण प्रयागराज में खाद्य सामग्री, अनाज, पूजा सामग्री, कपड़े, कंबल, गद्दे, इलेक्ट्रॉनिक सामान, टेंट के कपड़े आदि के व्यापार में दोगुना की बढ़ोतरी हुई है।

मोहम्मद कादिर ने कहा कि मेले में जैसे श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी वैसे-वैसे वृद्धि में और भी अधिक वृद्धि होगी और व्यापारियों को फायदा होगा। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अनुमान के मुताबिक, सिर्फ होटलों, धर्मशालाओं और टेंट से ही 40,000 करोड़ रुपए के व्यापार की संभावना है। पैक खाद्य सामग्री, पानी, बिस्कुट, जूस, और भोजन से जुड़ा 20,000 करोड़ रुपया का कारोबार होगा। वहीं तेल, दीपक, गंगाजल, मूर्तियां, अगरबत्ती, धार्मिक पुस्तकों आदि की बिक्री से 20,000 करोड़ रुपए का व्यापार होगा। इसी तरह परिवहन यानी रेलवे-टैक्सी आदि से 10,000 करोड़ रुपए का व्यवसाय होने का अनुमान है। टूर गाइड, ट्रैवल पैकेज और पर्यटक सेवाओं से 10,000 करोड़ रुपए का व्यापार अनुमानित है। वहीं, विज्ञापन और प्रचार गतिविधियों से 10,000 करोड़ रुपए के व्यापार का अनुमान है। स्थानीय उत्पादों, कपड़ों, गहनों और स्मृति चिन्हों से 5,000 करोड़ रुपए का व्यापार हो सकता है।

अनुमान लगाया गया है कि अस्थायी मेडिकल कैंप, आयुर्वेदिक उत्पाद और दवाइयों से 3,000 करोड़ रुपए का व्यापार होगा। इसी तरह डिजिटल भुगतान सेवा, वाई-फाई सेवा और ऑनलाइन टिकटिंग बुकिंग यानी ई-टिकटिंग से 1,000 करोड़ का व्यापार होने का अनुमान लगाया गया है। इस महाकुंभ में डाबर, मदर डेयरी और आईटीसी जैसे बड़े ब्रांडों ने 3,000 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इस तरह 26 फरवरी तक चलने वाले 45 दिनों के इस महाकुंभ मेले में 2 लाख करोड़ रुपए का बिजनेस होने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि, इंडस्ट्री के जानकार इस व्यापार को 4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बता रहे हैं। वहीं, सरकार का अनुमान है कि मेले से उसे 25,000 करोड़ रुपए का राजस्व मिल सकता है। उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार ने कुंभ मेले में करीब 6,900 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

महाकुंभ दे रहा एकता का संदेश

12 राज्यों के पवेलियन बने राष्ट्रीय एकता प्रतीक

महाकुंभनगर, 19 जनवरी (एजेंसियां)।
महाकुंभ के कैनवास पर देशभर की सांस्कृतिक विविधता का रंग चढ़ चुका है। संगम की रेत पर विभिन्न राज्यों के 12 शानदार पवेलियन सजकर तैयार हो गए हैं। उत्तर प्रदेश का महाकुंभनगर देश का केंद्र बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से देश विदेश में जाकर मंत्रियों ने खुद निमंत्रण बांटे हैं, जिसका बड़ा व्यापक असर देखने को मिल रहा है। योगी सरकार के ऐतिहासिक प्रयास से एक जगह पर ही एक साथ सभी राज्यों की सांस्कृतिक समृद्धि साफ देखी जा सकती है। सेक्टर 7 यहां आपको नागालैंड का चांगलो, लेह का शोंडोल लोक नृत्य समेत दादरानगर हवेली, छत्तीसगढ़, गुजरात, एमपी, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान की संस्कृति का संगम देखने को मिलेगा।

मध्य प्रदेश का पवेलियन इस बार जनजातीय भगोरिया नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। यह नृत्य आदिवासी समुदायों की होली से पूर्व मनाए जाने वाले भगोरिया उत्सव का हिस्सा है, जिसमें रंग-बिरंगे परिधान, ढोल-मजीरे की गूंज और युवाओं का गुलाल से खेलते हुए नृत्य महाकुंभ को और भी खास बना रहा है। इस नृत्य के माध्यम से आदिवासी संस्कृति की गहरी जड़ें और उसे संरक्षित करने का संदेश भी दिया जा रहा है। यहां दस-दस दिन के अंतराल पर धार्मिक फिल्में भी दिखाई जा रही हैं।

इसके अलावा शाम 6:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक लोक नृत्य और संगीत की प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं का मनोरंजन किया जाता है। मध्य प्रदेश मंडप में लगाई गई वैदिक घड़ी श्रद्धालुओं के आकर्षण का विशेष केंद्र बन गई है। यह दुनिया की पहली घड़ी है। इस वैदिक घड़ी का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत वर्ष 29 फरवरी को उज्जैन में किया था। इसे पंडाल के बाहर ही स्थापित किया गया है, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु सेक्टर 7 पहुंच रहे हैं।

राजस्थान का पवेलियन महाकुंभ में अपनी ऐतिहासिक धरोहर को लेकर दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां के पवेलियन में राजस्थान के प्रसिद्ध किले हवा महल, जयगढ़, चित्तौड़ किला और विजय स्तंभ की झलकियां दिखाई जा रही हैं। इसके अलावा यहां आने वाले श्रद्धालुओं की मेहमाननवाजी भी इस पवेलियन में खूब की जा रही है। जहां श्रद्धालुओं के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था की गई है। जिसके लिए लोग कतार लगाकर भोजन का स्वाद लेते देखे जा सकते हैं।

राजस्थान के लोक संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम 45 दिनों तक लगातार चलेंगे। गुजरात का गरबा, आंध्र प्रदेश का कुचिपुड़ी, उत्तर प्रदेश का जोगिनी नृत्य, उत्तराखंड का छोलिया और छत्तीसगढ़ का छेरछेरा नृत्य महाकुंभ के मंच पर अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं।

हर राज्य ने अपनी सांस्कृतिक धरोहर को अद्वितीय तरीके से प्रस्तुत किया है। दादरा नगर हवेली का मुखौटा नृत्य, नागालैंड का चांगलो और लेह लद्दाख का शोंडोल भी इस महाकुंभ की सांस्कृतिक धारा में रंग भर रहे हैं।

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र ने कला और साहित्य के रचनात्मक विकास को भी बढ़ावा दिया है। यहां सांस्कृतिक प्रदर्शन, संगीत, नृत्य और प्रदर्शनी के माध्यम से भारतीय संस्कृति के विविध पहलुओं का संचार किया जा रहा है। महाकुंभ के पवेलियनों के माध्यम से भारतीय एकता और विविधता का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है, जो देशवासियों को जोड़ने का एक अभूतपूर्व प्रयास है।

अमेरिका में चीन को बड़ा झटका

सुप्रीम कोर्ट ने टिकटॉक प्रतिबंध को दी मंजूरी, आज से नहीं दिखेगा ऐप

वाशिंगटन, 19 जनवरी (एजेंसियां)।
अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने चीन के सोशल मीडिया ऐप टिकटॉक की विदाई का रास्ता साफ कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को बरकरार रखा। रविवार को कानून लागू होने पर इसे ऐप स्टोर से हटा दिया जाएगा। संयुक्त राज्य अमेरिका में टिकटॉक लोकप्रिय ऐप है। अमेरिका में 170 मिलियन से अधिक लोग इसका का प्रयोग करते हैं।

सीबीएस न्यूज चैनल के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने आमराय से यह फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने टिकटॉक के बाइडेन प्रशासन के प्रतिबंध कानून के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि प्रावधान किसी भी तरह के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करते। सुप्रीम कोर्ट ने टिकटॉक के खिलाफ निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा।

व्हाइट हाउस ने सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद कहा कि बाइडेन प्रशासन रविवार को प्रतिबंध लागू नहीं करेगा और इसे ट्रंप प्रशासन पर निर्णय लेने के लिए छोड़ देगा। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि वह टिकटॉक पर निर्णय लेने से पहले स्थिति की समीक्षा करेंगे। फैसले के बाद टिकटॉक ने कहा कि हाउस और न्याय विभाग यह स्पष्ट नहीं कर सके कि ऐप पर प्रतिबंध क्यों जरूरी है। वह भी तब, जब 170 मिलियन से अधिक अमेरिकी इसका प्रयोग करते हैं। दुर्भाग्य से टिकटॉक 19 जनवरी को अंधेरे में गुम हो जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, प्रतिबंध के चुनौतीपूर्ण प्रावधान महत्वपूर्ण सरकारी हित को आगे बढ़ाते हैं। इनका अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से कोई लेना-देना नहीं है। अदालत ने कहा कि अब टिकटॉक या तो इसे बेच देगा या प्रतिबंध का सामना करेगा। चीन के इस ऐप के अमेरिकी उपयोगकर्ताओं के व्यक्तिगत डेटा तक पहुंच प्राप्त करने से रोकने के लिए ऐसा जरूरी है। कानून के अनुसार टिकटॉक को या तो अपनी मूल कंपनी बाइटडांस से अलग होना होगा या 19 जनवरी से अमेरिकी ऐप स्टोर और होस्टिंग सेवाओं से अलग होना होगा।

गणतंत्र दिवस परेड में फ्लाईपास्ट करेंगे 40 एयरक्राफ्ट, ध्रुव और तेजस नहीं भरेंगे उड़ान

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)।
देश के गणतंत्र दिवस पर होने वाली परेड के लिए सेना के जवान कड़ाके की ठंड में रिहर्सल करके पसीना बहा रहे हैं। परेड के दौरान कर्तव्य पथ पर झांकियों के माध्यम से 'स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास' को प्रदर्शित किया जाएगा। वायु सेना के 40 एयरक्राफ्ट फ्लाईपास्ट करेंगे, जिनमें 22 फाइटर एयरक्राफ्ट होंगे। इस बार एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव और स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस परेड के दौरान उड़ान भरते नहीं दिखेंगे। गणतंत्र दिवस परेड में इस बार भारतीय वायु सेना की कोई भी झांकी नहीं होगी।

वायु सेना के विंग कमांडर मनीष शर्मा ने बताया कि कुल 40 एयरक्राफ्ट रिपब्लिक-डे परेड का हिस्सा बनेंगे। फ्लाईपास्ट में 22 लड़ाकू विमानों, 11 परिवहन विमानों और 7 हेलीकॉप्टरों की शक्ति का प्रदर्शन किया जाएगा। इनमें राफेल, सुखोई-30 और सी-130जे हरक्यूलिस कर्तव्य पथ पर हवाई करतब दिखाएंगे। इसके अलावा तीन डोर्नियर विमान भी गणतंत्र दिवस की परेड का हिस्सा होंगे। इस बार एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव और स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस परेड के दौरान उड़ान भरते नहीं दिखेंगे। इस माह की शुरुआत में गुजरात के पोरबंदर में भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) का एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, इसीलिए एएलएच ध्रुव को अभी भी जमीन पर ही रखा गया है और इसका इस्तेमाल फ्लाईपास्ट के लिए नहीं किया जाएगा।

विंग कमांडर ने स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस को परेड का हिस्सा न बनाने के बारे में बताया कि इस बार भारतीय वायु सेना ने गणतंत्र दिवस परेड के लिए नई पॉलिसी तैयार की है। इसके मुताबिक, तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट को शानदार प्रदर्शन के बावजूद सिंगल इंजन होने के कारण बाहर रखा गया है। हालांकि, तेजस ने पहले भी गणतंत्र दिवस परेड के अलावा दुबई और सिंगापुर के अंतरराष्ट्रीय एयर शो में उड़ान भरी है। उन्होंने बताया कि फ्लाईपास्ट को दो भागों में बांटा गया है। दूसरे हिस्से में जटिल संरचनाएं और सटीक युद्धाभ्यास दिखाए जाएंगे।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, गणतंत्र दिवस समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से होगी।

इसमें भारतीय वायु सेना की औपचारिक मार्चिंग टुकड़ी होगी। इस टुकड़ी में चार अधिकारी और 144 प्रतिभागी शामिल होंगे, जो 72 संगीतकारों वाले बैंड की धुनों पर मार्च करेंगे। मार्चिंग धुनों में अंतरिक्ष यात्री, वायु शक्ति, निडर योद्धा और उत्तरी सीमा में वायु सेना की वीरता की भावना को दर्शाया जाएगा। मार्चिंग टुकड़ी के लिए चयनित जवान प्रतिदिन भोर 4:00 बजे से 7 से 8 घंटे तक कर्तव्य पथ अभ्यास करके पसीना बहा रहे हैं। बीटिंग रिट्रीट समारोह में भी वायु सेना के 128 संगीतकार देशभक्ति की धुनें प्रस्तुत करेंगे, जिससे गणतंत्र दिवस समारोह का भव्य समापन होगा।

नक्सलियों का कबूलनामा : 16 जनवरी को 12 नहीं 18 नक्सली हुए थे ढेर, छह शव उठा ले गए थे नक्सली

जगदलपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)।
छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के जंगल में नक्सलियों के खिलाफ तेलंगाना सीमा पर 16 जनवरी को हुई मुठभेड़ में 12 नहीं बल्कि 18 नक्सली मारे गए हैं। इनमें से 12 नक्सलियों के शव बरामद हो थे, जबकि छह नक्सलियोंके शव नक्सल संगठन के लोग मौके से उठा ले गए थे। मुठभेड़ स्थल से शव उठाकर ले जाने का दावा दक्षिण बस्तर जोनलकमेटी ने अपने एक पर्चा में किया है। बरामद 12 शवों में से 10 की शिनाख्त हो गई है। इनमें पांच महिला भी हैं। मारे गए इन 10 नक्सलियों पर कुल 59 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

नक्सलियों ने शनिवार देर रात एक बयान जारी कर बीजापुर जिले के जंगल में 16 जनवरी को हुई मुठभेड़ में 18 नक्सली मारे जाने की जानकारी दी है। दक्षिण बस्तर जोनल कमेटी के सचिव गंगा के अनुसार इस मुठभेड़ में एससीएम (सेंट्रल कमेटी मेंबर) दामोदर मारा गया है। नक्सली कमांडर दामोदर पर 50 लाख का इनाम घोषित था। गंगा के जारी पर्चा में लिखा है कि, इस मुठभेड़ में एससीएम दामोदर, पीपीसीएम हुंगी, देवे, जोगा, नरसिंह राव सहित कुल 18 साथी मारे गए हैं। दामोदर उर्फ बड़े चोखा राव दक्षिण बस्तर के दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा इन 3 जिलों की सरहद में सक्रिय था। दामोदर उर्फ बड़े चोखा राव की ज्यादातर पामेड़ एरिया कमेटी में मौजूदगी की सूचना मिलती थी। यह अपने पास एके-47 और एसएलआर जैसे राइफल रखता था। इसकी सुरक्षा में लगभग 8 से 10 गार्ड तैनात रहते थे। दक्षिण बस्तर जोनल कमेटी के सचिव गंगा ने पर्चा जारी कर बताया कि 6 नक्सलियों के शव नक्सल संगठन के लोग मुठभेड़ स्थल से उठाकर अपने साथ लेकर जाने में सफल हो गये।

इस बीच पुलिस ने भी देर रात एक बयान जारी कर बताया कि बरामद 12 नक्सलियों के शव में से 10 की शिनाख्त हो गई है। पुलिस के अनुसार इनमें तामो हुंगी, बटालियन नंबर 1, कंपनी नंबर 2 सदस्य, आठ लाख का इनामी, नरसिंह राव, सीआरसी कंपनी नंबर 2, टेक्निकल टीम सदस्य, आठ लाख का इनामी, मंगडू, पश्चिम बस्तर डिवीजन, सीवायपीसी आठ लाख का इनामी, माड़वी, प्लाटून नंबर 30, सीवायपीसी आठ लाख का इनामी, माड़वी जोगा, दरभा डिवीजन टेक्निकल एसीएम पांच लाख का इनामी, नुप्पो सोमड़ी एसीएम पांच लाख का इनामी, इरपा सीते, दक्षिण सब जोनल ब्यूरो, टेक्निकल टीम एसीएम, पांच लाख का इनामी, डोडी वासू, कोंटा एरिया कमेटी पांच लाख का इनामी, उईका आयतू, कोंटा एरिया कमेटी प्लाटून नंबर 4 सदस्य, पांच लाख का इनामी, पोट्टाम मंगली एलओएस सदस्य, दो लाख का इनामी है। पुलिस के अनुसार अभी दो नक्सलियों की पहचान नहीं हो पाई है।

पुलिस पहले ही मारे गए नक्सली सीआरसी और नक्सलियों की सबसे मजबूत टीम बटालियन नंबर 1 के नक्सली सदस्य होने की जानकारी दे चुकी है। पुलिस के अधिकारियों एवं मुठभेड़ में शामिल जवानों का दावा है कि इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों को गोली लगी है। इस बड़ी मुठभेड़ में एक बार फिर से हिड़मा और नक्सली देवा पुलिस की गोली से बचकर भागने में सफल रहे हैं। मुठभेड़ के बाद इलाके की छानबीन करने के दौरान सुकमा डीआरजी के जवानों ने नक्सलियों का बंकर ढूंढ निकाला जो सुकमा-बीजापुर सीमा में तुमरेल ओर तलपेरू नदी के बीच था। यहां से नक्सलियों का डंप सामान जब्त किया गया है। बंकर में हथियार और विस्फोटक बनाने का सामान जिसमें दो लेथ मशीन भी बरामद किया था।

इस संबंध में बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने रविवार को बताया कि 18 जनवरी को नक्सलियों ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर तेलंगाना राज्य समिति कैडर के दामोदर सहित 18 कैडरों के मारे जाने की बात स्वीकार की है। उन्होंने बताया कि नक्सलियों के महत्वपूर्ण और मजबूत आधार वाले इलाके में सुरक्षाबलों का यह सफल अभियानों में से एक है। आईजी सुंदरराज पी. ने नक्सलियों से अपील की कि नक्सली आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटें। नक्सलियों के विरुद्ध यह अभियान अभी और तेज किया जाएगा।

सर्राफा बाजार में कमजोरी के रुख से सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ल,19 जनवरी (एजेंसियां) ।

लगातार तीन दिन की तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख बना हुआ है। सोने की कीमत में 160 रुपये से लेकर 170 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 500 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 81,260 रुपये से लेकर 81,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 74,500 रुपये से लेकर 74,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में आई कमजोरी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 96,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 81,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 74,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 81,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 74,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 81,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 74,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 81,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 74,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 81,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 74,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

बाजारों में ब्रांडेड खाद्य तेलों में मिलावट

मुंबई। नामी गिरामी ब्रांडेड कंपनियां खाद्य तेलों में मिलावट करके खुलेआम मिलावटी तेल बेच रही हैं। खाद्य तेलों में बड़े पैमाने पर ब्रान आयल मिलाया जा रहा है। इसे उपभोक्ताओं को महंगे दामों में बेचा जा रहा है। धान की भूसी का तेल सबसे ज्यादा खाद्य तेल में मिलाकर, ब्रांडेड कंपनियों ब्रांड के नाम से महंगे दामों पर बेच रही हैं। सरसों, सोयाबीन और मूंगफली के तेल से ब्रान ऑयल 40 से लेकर 60 रुपए प्रति लीटर तक सस्ता होता है। सरकार ने ब्लेंडिंग कानून में बड़ी कंपनियों के लिए बदलाव कर दिए हैं। इसका फायदा बड़ी-बड़ी कंपनियां उठा रही हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियां अंग्रेजी में लेवल छपवाती हैं। उसमें बहुत छोटे अक्षरों में मल्टी सोर्स आयल लिखा रहता है। जो उपभोक्ता ब्रांडेड सोयाबीन, सरसों और मूंगफली का तेल खरीदता है। उसे मालूम ही नहीं होता है, वह मिलावटी तेल खरीद रहा है। वह भी महंगे दामों पर खरीद रहा है। केंद्र सरकार ने 3 फरवरी 2023 को तेल के ब्लेंडिग कानून में बदलाव किए हैं। नए बदलाव के अनुसार अब कंपनियों को 20 फीसदी तक दूसरे तेल की मिलावट करने की अनुमति दी गई है। ब्रांडेड कंपनियों द्वारा जो सरसों, मूंगफली और सोयाबीन का तेल बेचा जा रहा है। उसमें सबसे सस्ता धान की भूसी का तेल मिलाया जा रहा है। इससे ब्रांडेड कंपनियों को बड़ी कमाई हो रही हैं। वहीं उपभोक्ताओं को खुले आम बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा लूटा जा रहा है। उपभोक्ता को पता नही होता है। वह मिलावटी तेल खरीद रहा है। बड़ी कंपनियां अपने फायदे के लिए सरकार के नियमों में परिवर्तन कराकर करोड़ों रुपए कमा रही हैं। अन ब्रांडेड तेल बेचने वालों के लिए मिलावट के अलग कानून हैं। सरकार ने ब्रांडेड कंपनियों के लिए अलग कानून बना दिया है। ब्रांडेड कंपनियां तेल में किस तेल की कितनी मिलावट कर रही हैं। इसकी जानकारी उपभोक्ताओं को नहीं देती है। उनके लेवल भी अंग्रेजी भाषा में होते हैं। मल्टी सोर्स ऑयल भी बहुत छोटे अक्षरों में लिखा रहता है। यह लूट पिछले कुछ समय से बढ़ती ही चली जा रही है। सरकार इस लूट पर आंख बंद करके बैठी हुई है।

दावोस में दिखेगी भारत की विविधता में एकता की झलक

दावोस। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की शुरुआती बैठक में भारत ने 'विविधता में एकता' का संदेश दिखाया। सोमवार से पांच दिन तक चलने वाली इस महामहिम सभा में भारत ने अपना सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल भेजा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों और डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की सफलता को दुनिया के सबसे अमीर और ताकतवर नेताओं को दिखाने का भारत का मिशन है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में पांच केंद्रीय मंत्रियों के साथ तीन मुख्यमंत्री, करीब 100 सीईओ, सरकारी अधिकारी और कला-संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का समावेश है। भारत के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव करेंगे। बैठक में महाराष्ट्र ने 7 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने का लक्ष्य रखा है। तेलंगाना और अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी निवेश के अपने हिस्से की तलाश की है। इस महामहिम सभा के माध्यम से भारत अपनी मजबूत वृद्धि दर्ज करने का मिशन ले रहा है, जब दुनियाभर के अर्थशास्त्रियों के सर्वे अनुसार 2025 में वैश्विक आर्थिक स्थितियों के बारे में कमजोर होने की चिंता है। हालांकि, भारत ने अपने रफ्तार को बनाए रखने की पहल रखी है।

अगर आपको भी है गेमिंग ऐप की लत तो हो जाएं सावधान

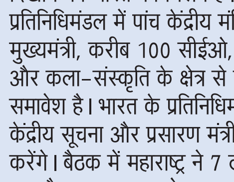

जम्मू । जम्मू के साइबर सेल डी.पी.ओ. ने ऑनलाइन और ऑफलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराध के मामलों के खिलाफ लड़ाई में नए कदम उठाए हैं। उनकी टीम ने लगातार काम करके आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किया है। इस समय साइबर सेल ने कई मामलों को सुलझाते हुए धोखाधड़ी से बरामद की गई राशि का आंकलन किया है। इन मामलों में लगभग 7 लाख रुपये की राशि बरामद की गई है। शिकायतकर्ताओं ने टेलीग्राम पर ट्रेडिंग और नकली गेमिंग एप के माध्यम से धोखाधड़ी के आरोप में शिकायत दर्ज की थी। साइबर सेल जम्मू के एक प्रतिनिधि ने बताया कि वे उन्हें किस तरह कर्मचारियों और तकनीकी उपकरणों के माध्यम से धोखाधड़ी के मामलों में सफलतापूर्वक इन्वेस्टिगेशन करने में मदद मिल रही है। जम्मू साइबर सेल ने धोखाधड़ी के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई है और धोखाधड़ी और साइबर अपराध के मामलों में कार्रवाई कर रही है। जानकारी के अनुसार साइबर सैल ने एक बार फिर अलग-अलग साइबर अपराध शिकायतों में धोखेबाजों से 6,90,460 की राशि सफलतापूर्वक बरामद की है।

आम बजट में आरएंडडी के प्रोत्साहन के लिए नई योजना की घोषणा

नई योजना से विदेशी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा

नई दिल्ल,19 जनवरी (एजेंसियां) ।

आम बजट 2025-26 में भारत में शोध एवं विकास (आरएंडडी) को बढ़ावा देने के लिए एक प्रोत्साहन पीएलआई) योजना की घोषणा की गई है। इस नई योजना के माध्यम से विदेशी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा, जिससे देश को नवोन्मेषण का वैश्विक केंद्र बनाने में मदद मिलेगी। पीएलआई योजना के बारे में बात करते हुए डेलायट इंडिया के एक भागीदार ने इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

उन्होंने कहा कि सरकार ऐसी नीति पर काम कर रही है जिसमें कर रियायतें कम हों और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन योजनाएं हों, जो निवेश और रोजगार को बढ़ावा दें। हमें भारत को अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला के रूप में आगे बढ़ाने की जरूरत है और यदि ऐसी नीति हो सकती है जो इसे प्रोत्साहित करे, जैसे कि विदेशी कंपनियों को शामिल करने वाली पीएलआई योजना, तो यह देश के लिए बड़ा कदम होगा। वित्त वर्ष 2025-26 का बजट संसद में एक फरवरी को पेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नयी योजना में विदेशी कंपनियों को भारत आने के लिए प्रोत्साहित करने वाली नीतियाँ हो सकती हैं, जो देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा दें। भारत एक सेवा आधारित अर्थव्यवस्था है और अगर इसे आगे बढ़ाया जाए, तो यह विदेशी मुद्रा अर्जित करने का एक महत्वपूर्ण स्रोत हो सकता है। सरकार की इस नई योजना से आर्थिक उत्थान को लेकर नए किरदार की उम्मीदें हैं और देश को नए दिशानिर्देश में ले जाने की उम्मीद है।

छह माह की चुनौतियों के बाद रिलायंस ने फिर पकड़ी वृद्धि की राह: ब्रोकरेज कंपनियां

नई दिल्ली । देश की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) छह महीने की चुनौतियों के बाद एक बार फिर वृद्धि के पथ पर लौट आई है। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में उम्मीद से बेहतर नतीजे दिए हैं। एक ब्रोकरेज कंपनियों ने यह बात कही है। कच्चे तेल से लेकर दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र में कार्यरत समूह ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अपनी सबसे ऊंची 43,800 करोड़ रुपये की कर-पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) दर्ज की है। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में उम्मीद से बेहतर नतीजे दिएइन आंकड़ों से पता चलता है कि समूह ने विभिन्न कारोबार क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन किया है। मुख्य रूप से कंपनी ने तेल-से-रसायन (ओ2सी) क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके अलावा कंपनी के उपभोक्ता खुदरा कारोबार में भी सुधार हुआ है। कंपनी विनाइल, पॉलिएस्टर श्रृंखला और ईथेन आयात लॉजिस्टिक्स में निवेश के साथ घरेलू बाजार पर केंद्रित अपनी रसायन क्षमता का विस्तार करना चाहती है। एक रिसर्च कंपनी ने कहा कि उसे 2025 में समूह के कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए कई उत्प्रेरक दिख रहे हैं। इसमें खुदरा क्षेत्र में बदलाव, नई ऊर्जा की शुरुआत और डिजिटल कारोबार में नई गति शामिल है। इसने कहा कि हमारा मानना है कि तीसरी तिमाही का नतीजा उम्मीदों के अनुरूप रहा है। यह निकट अवधि में उम्मीद से थोड़ा कमतर नतीजों में आखिरी है। अब हमारा मानना है कि खुदरा क्षेत्र में बदलाव, नए ऊर्जा कारोबार की शुरुआत और डिजिटल कारोबार की रफ्तार समूह के लिए उत्प्रेरक साबित होंगे।

इस सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे 5 नए आईपीओ

मुंबई,19 जनवरी (एजेंसियां) ।

घरेलू शेयर बाजार में इस सप्ताह 5 कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे। इन 5 कंपनियों में 4 एसएमई सेगमेंट और 1 मेनबोर्ड आईपीओ शामिल है। मेनबोर्ड में इस हफ्ते डेंटा वाटर का आईपीओ खुल रहा है। यह मेनबोर्ड आईपीओ 22 जनवरी से 24 जनवरी तक खुला रहेगा। कंपनी ने 279 रुपए से 290 रुपए प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है।

इस आईपीओ के लिए 50 शेयरों का एक लॉट बनाया गया है। जिससे निवेशकों को कम से कम 14,700 रुपए का दांव लगाना होगा। बता दें कंपनी ग्रे मार्केट में 110 रुपए के जीएमपी पर ट्रेड कर रही है। कंपनी के आईपीओ का साइज 169.37 करोड़ रुपए का है।

इस आईपीओ के जरिए कंपनी 32.20 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं 32.20 लाख शेयर ऑफर फाल सेल के तहत जारी किए जाएंगे। कंपनी के आईपीओ का 20 जनवरी को खुल रहा है। आईपीओ पर निवेशकों के पास 22 जनवरी तक दांव लगाने का मौका रहेगा।

इस आईपीओ का प्राइस बैंड 250 रुपए से 263 रुपए तय किया गया है। ग्रे मार्केट में कंपनी 110 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड कर रही है।

मेनबोर्ड आईपीओ 22 जनवरी से 24 जनवरी तक खुला रहेगा

कंपनी का आईपीओ 22 जनवरी को खुल जाएगा।

निवेशकों के पास 24 जनवरी तक दांव लगाने का मौका रहेगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 145 रुपए है। कंपनी ने 1000 शेयरों का लॉट बनाया है। जिससे निवेशकों को कम से कम 145000 रुपए का दांव लगाना होगा।

आईपीओ 23 जनवरी को खुल जाएगा। निवेशक 27 जनवरी तक दांव लगा सकते हैं। कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 235 रुपए से 250 रुपए प्रति शेयर तय किया है। वहीं लॉट साइज 600 शेयरों का है। निवेशकों को एक साल 1.50 लाख रुपए का निवेश करना होगा। यह एसएमई आईपीओ 24 जनवरी को खुलेगा। निवेशक 28 जनवरी तक आईपीओ पर दांव लगा पाएंगे। कंपनी ने अभी प्राइस बैंड की घोषणा नहीं की है। आईपीओ के जरिए 24.58 लाख शेयर जारी किए जा सकते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी ने किया...

इसका मतलब है कि हमारा स्टार्टअप संस्कृति बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। अंबाला, हिसार, कांगड़ा, चेंगलपट्टु, बिलासपुर, ग्वालियर और वाशिम जैसे शहर स्टार्टअप के केन्द्र बन रहे हैं। अवशिष्ट प्रबंधन, गैर नवीनीकरण ऊर्जा, बॉयोटेक्नोलॉजी और लॉजिस्टिक ऐसे क्षेत्र हैं जिनसे जुड़े स्टार्टअप सबसे ज्यादा देखे जा रहे हैं। ये परंपरागत क्षेत्र नहीं हैं लेकिन हमारे युवा-साथी भी तो परंपरा से आगे की सोच रखते हैं इसलिए उन्हें सफलता भी मिल रही है।

उन्होंने कहा कि 10 साल पहले जब कोई स्टार्टअप के क्षेत्र में जाने की बात करता था तो उसे तरह-तरह के ताने सुनने को मिलते थे। कोई ये पूछता था कि आखिर स्टार्टअप होता क्या है। तो कोई कहता था कि इससे कुछ होने वाला नहीं है। लेकिन अब देखिए एक दशक में कितना बड़ा बदलाव आ गया। आप भी भारत में बन रहे नए अवसरों का भरपूर लाभ उठाएं। अगर आप खुद पर विश्वास रखेंगे तो आपके सपनों को भी नई उड़ान मिलेगी।

एनडीआरएफ ने आपदा...

तो लोगों को भरोसा हो जाता है कि वे अब सुरक्षित हैं। विगत दो साल में दो तूफान ऐसे आए, जिनमें हमने ज़ीरो कैजुअल्टी का लक्ष्य प्राप्त किया। श्री शाह ने कहा कि नेपाल, इंडोनेशिया, तुर्की, म्यांमार, विएतनाम सहित कई अन्य देशों में जब बल की टीमें गईं, तो वहां की जनता की मदद करने में इनकी भूमिका की प्रशंसा वहां के राष्ट्राध्यक्षों ने भी की। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण की नीतियों को बल ने ज़मीन पर उतारा है और इसके कारण आपदा प्रबंधन के मामले में भारत की वैश्विक पहचान बनी है।

श्री शाह ने कहा कि 12वें वित्त आयोग में आपदा प्रबंधन के लिए 12500 करोड़ रूपए रखे गए थे, जिसे 14वें वित्त आयोग में बढ़ाकर 61,000 करोड़ रूपए कर दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने कई ऐप, वेबसाइट्स और पोर्टल बनाकर आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में जनजागृति का काम किया है। देश के लाखों-करोड़ों लोगों ने इन सभी ऐप के साथ खुद को जोड़ा है और अब इन को सभी भाषाओं में संवाद करने योग्य बनाने के प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'डायल 112' और 'कॉमन अलर्ट प्रोटोकॉल' से लोगों की बहुत मदद हुई है। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में आज दो और संस्थान जुड़ने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री नायडू ने केन्द्र सरकार को बिना किसी लागत के यहां भूमि देकर दसवीं वाहिनी और संस्थान की दक्षिण भारत शाखा को स्थापित करने में मदद की है।

इस अवसर पर श्री नायडू, केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री बंडी संजय कुमार, गृह सचिव गोविंद मोहन और बल के महानिदेशक पीयूष आनंद सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शास्त्री ब्रिज के नीचे ...

मुख्यमंत्री के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। मुख्यमंत्री ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।

आग लगने के दो मिनट बाद फायरब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं। दस मिनट मशक्कत के बाद भी आग नहीं बुझ सकी, इसके बाद अन्य टीमों ने भी आग बुझाने के लिए मोर्चा संभाला। आग बढ़ते-बढ़ते करीब 100 वर्ग मीटर से ज्यादा फैल गई। आग की लपटें 30 फीट ऊंचाई तक उठ रही थीं।अफरा-तफरी के बीच अफसर भी मौके पर भागते नजर आए। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी महाकुंभ क्षेत्र में ही हैं।

महाकुंभ में लगी भीषण आग में अभी 25 से ज्यादा टेंट जलने की बात कही जा रही है। आग मुख्य रोड पर लोहे के ब्रिज के पास लगी है। हवा की गति सामान्य से तीन गुना तेज होने के चलते अन्य टेंट भी आग की चपेट में आ सकते थे। दमकल की एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां आग बुझाने में लगी रहीं। वहीं जिस जगह आग लगी है उसके पास रेलवे पुल होने से ट्रेनों का संचालन भी रोक दिया गया है।

भारत-बांग्लादेश के ...

इससे दोनों पक्षों के स्थानीय लोग आसानी से एक-दूसरे की तरफ चले जाते हैं।

बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट राकेश सिंह ने कहा कि नियंत्रण में है। दोनों पक्षों से किसी के घायल होने की खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय किसानों से कहा गया है कि वे मामले को अपने हाथ में लेने के बजाय बीएसएफ को ऐसी किसी भी घटना की सूचना दें।

स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि वे इस मुद्दे को सुलझाने के लिए ग्राम प्रधानों से मिलेंगे। इस बीच, शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बीएसएफ कर्मियों को तैनात किया गया है। इससे पहले, चौका सीमा से सटे सुखदेवपुर सीमा पर बीएसएफ द्वारा कंटीले तारों की बाड़ लगाने को लेकर तनाव बढ़ गया था। नाम न बताने की शर्त पर हमारे सूत्रों ने बताया कि इस स्थिति के कारण चौका सीमा पर बीजीबी और बीएसएफ के बीच बटालियन कमांडर स्तर की फ्लैग मीटिंग हुई।

2047 तक भारत...

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जम्मू कश्मीर में आतंक को शह देने की साजिशें निरंतर जारी रखे हुए हैं। गुलाम जम्मू कश्मीर के प्रधानमंत्री अनवर उल हक के भारत विरोधी दुष्प्रचार पर रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान वहां लोगों को धर्म के नाम पर भारत के खिलाफ भड़काने की कोशिश कर रहा है और वहां के निवासियों पर अत्याचार करता है।

इस अवसर पर भाजपा के पूर्व विधायक डॉ हरेंद्र सिंह, पूर्व एमएलसी कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक गुलाब सरोज, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता ओम प्रकाश सिंह, भाजपा के जिलाध्यक्ष पुष्-पराज सिंह, अपना दल के राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली सहित भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री के आगमन को देखते हुए पूरा निजामुद्दीनपुर गांव पुलिस छावनी में बदल गया था।

कौन होगा बीजेपी ...

अभी तक यह प्रक्रिया केवल 4 राज्यों में ही पूरी हुई है।

बीजेपी के संगठनात्मक चुनावों को लेकर बीजेपी नेताओं के अनुसार, संगठनात्मक चुनाव अपने निर्धारित समय पर हो रहे हैं, और समय पर पूरा हो जाएंगे।बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर पार्टी हाई कमान और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका अहम होगी। नए अध्यक्ष को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से लेकर, मनोहर लाल खट्टर, धर्मेंद्र प्रधान और विनोद तावड़े का नाम चल रहा है।

इतना ही नहीं, संभावनाएं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नाम की भी जताई जा रही है। इसके अलावा बीजेपी के संगठन को अच्छे से जानने वाले भूपेंद्र यादव का नाम भी अध्यक्ष पद की रेस में चल रहा है।

अब इन नेताओं में से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बीजेपी हाई कमान किसे स्वीकृति देता है, यह देखना अहम होगा। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि समय-समय बीजेपी ऐसे पदों को लेकर चौंकाने वाला नाम भी पेश करती रही है। ऐसे में अध्यक्ष पद के तौर पर कोई नया ही नाम सामने आ जाए तो बड़ी बात नहीं होगी।

राहुल गांधी के इंडियन...

शिकायतकर्ता मोनजीत चेतिया ने राहुल के बयान को फ्री स्पीच की सीमा से बाहर बताया और इसे सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरनाक करार दिया। उनका आरोप था कि राहुल गांधी ने जानबूझकर ऐसी बातें कही हैं जो समाज में अशांति और विद्रोह को बढ़ावा दे सकती हैं।

राहुल गांधी का यह बयान कांग्रेस पार्टी के नए मुख्यालय के उद्घाटन के बाद आया। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं से कहा, यह मत सोचिए कि हम निष्पक्ष स्थिति वाली लड़ाई लड़ रहे हैं।

यदि आप मानते हैं कि हम केवल भाजपा और आरएसएस के खिलाफ लड़ रहे हैं, तो ऐसा नहीं है। वे हमारे देश की लगभग हर संस्था पर कब्जा कर चुके हैं। हम सिर्फ भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से नहीं, बल्कि इंडियन स्टेट से भी लड़ रहे हैं। राहुल के इस बयान को लेकर उनके आलोचकों ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं, जबकि उनके समर्थकों का कहना है कि यह बयान देश में राजनीतिक असहमति और लोकतंत्र की रक्षा की दिशा में था।

शिकायतकर्ता मोनजीत चेतिया ने कहा कि राहुल गांधी का बयान यह प्रदर्शित करता है कि उन्होंने भारत के संवैधानिक और लोकतांत्रिक ढांचे के खिलाफ हिंसक और विद्रोहात्मक भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया है। उनका यह भी आरोप था कि इस बयान से समाज में विभाजन और अलगाववादी विचारधारा को बढ़ावा मिल सकता है, जो कि देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा साबित हो सकता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 20 जनवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी
भी समस्या या सुझाव के लिए
मो. 86888 68345 पर
संपर्क करें ।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट का रक्तदान शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट का रक्तदान शिविर घाँसी बाज़ार स्थित वैदिक वाचनालय में आयोजित किया गया ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में ट्रस्ट के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि नीलोफर हॉस्पिटल के डॉक्टर की टीम ने शिविर का नेतृत्व किया। रक्तदान शिविर में 123 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। जिसे नीलोफर अस्पताल के सुपुर्द किया गया । इसके अतिरिक्त करीब 20 लोग और आए लेकिन समय की समाप्ति के कारण रक्त नहीं लिया गया। उनके नाम एवं फोन नंबर दर्ज कर लिये गये तथा आगामी शिविर में उनको आमंत्रित करने का आश्वासन दिया गया । रक्त दाताओं से आग्रह किया गया कि उनको रक्त की जब भी आवश्यकता हो अथवा उनके परिवार में महिलाओं को प्रसूति के समय तथा उनके बालकों जिनकी आयु नवजात शिशु से लेकर 12 वर्ष तक की आयु के बालक बालिकाओं का उपचार नीलोफर हॉस्पिटल में निशुल्क करवाया जाएगा । उनके लिए नाक, कान, गला की कोई भी बीमारी का इलाज ट्रस्ट द्वारा ई.एन.टी. हॉस्पिटल कोठी में निःशुल्क करवाया जाएगा। रक्त दान शिविर प्रातः 9 बजे से 4 बजे तक लगातार चला। शिविर में एक समय में 10 व्यक्तियों के लिए प्रबंध किया गया था । मदन कर्माकर द्वारा 48 रक्त दाताओं का तथा बालाजी ज्वेलर्स एंड एक्सपोर्टर्स द्वारा 28 बार रक्त दाताओं का प्रबंध करवाया गया। बाक़ी ट्रस्ट के सभी सदस्यों द्वारा रक्त दाताओं का प्रबंध करवाया गया ।

शिविर प्रारंभ होने से समाप्ति तक अल्पाहार में इडली, वड़ा, उपमा, जलेबी, समोसा मध्याह्न भोजन में पूरी, सब्जी, चावल, सांभर, बेसन की चक्की, सेंव, फ्रायम उपलब्ध करवाए गए । साथ ही साथ मौसंबी तथा अन्ननास का जूस, चाय, शुद्ध जल की व्यवस्था की गई थी । ट्रस्ट के सभी सदस्यों द्वारा शिविर को सफलता प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। शिविर में मुख्य संयोजक एडवोकेट हेमा मालिनी तायल, मुकुंद लाल अग्रवाल, मनीष कुमार अग्रवाल, संयोजक गोविंद लाल अग्रवाल, विनय किशोर तायल, अशोक कुमार तायल, गोवर्धन लाल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, ललिता गोकुलका, राजेश अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, किशन अग्रवाल, मधु गोयल, संतोष गोयल, शारदा अग्रवाल, रेखा तुलसियान, राधा अग्रवाल, कांता अग्रवाल, एवं ट्रस्ट के सदस्य गण आनंद गोयल, हार्दिक अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, नमिता अग्रवाल, नम्रता अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, सपना तुलसियान, सुनीता अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल, सुनीता चिंडालिया, मीरा अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, अर्चना गोकुलका आदि उपस्थित थे ।

स्वामीनारायण मंदिर का 21वां पाटोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था अक्षरधाम के विख्यात संत परम पूज्य विवेकसागर स्वामी के पावन सानिध्य मे रसूलपुरा सिकंदराबाद स्थित बी.ए.पी.एस. स्वामीनारायण मंदिर के 21वें पाटोत्सव (मंदिर की वर्षगांठ) भव्य महोत्सव के रूप से मनाया गया।यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था रसूल-पुरा के पूज्य आत्मचिंतनदास स्वामी ने बताया कि बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर (रसुलपुरा) के 21वें पाटोत्सव (मंदिर की वर्षगांठ) अंतर्गत शनिवार 18 जनवरी को मंदिर की 21वीं वर्षगांठ 21वां पाटोत्सव प्रातः 7 बजे से धुमधाम के साथ मनाया गया। वहीं सायं 5 बजे से अग्रसर हरिभक्त सभा, सायं 5.30 से 6.30 बजे तक वर्तमान सामुदायिक संकट से समाज का उत्थान विषय पर विशेष प्रवचन, रात्री 8.45 बजे से युवक युवती सभा का आयोजन भी सम्पन्न हुआ।आत्मचिंतन स्वामी ने आगे कहा कि रविवार दि. 19 जनवरी को प्रातः 8 से रात्रि 8 बजे तक कार्यकर्ता शिविर रखा गया है। आगामी सप्ताह तक प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से पूजा, आरती, कथा तथा रात्री 8.45 बजे से रात्री सभा का आयोजन रहेगा। संत परम पूज्य विवेकसागर स्वामी विशेष रूप से बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर (रसुलपुरा) के 21वें पाटोत्सव (मंदिर की वर्षगांठ) कार्याम के लिए विशेष रूप से पधारे है।

कार्यक्रम में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर (रसुलपुरा) के पू. आत्मचिंतनदास स्वामीजी एवं पू. विमलमुनिदास, डी.आर.डी.ओ के पूर्व चीफ साईनटिस्ट अरूण तिवारी, श्री गुजराती सेवा मंडल सिकंदराबाद अध्यक्ष घनश्यामभाई पटेल, ट्रस्टी जसभाई पटेल, कोषाध्यक्ष नरेंद्र कोटक, निलकंठ विद्यापीठ के ट्रस्टी जीवरामभाई पटेल, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के मेनेजीग ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, बीजेपी नेता जिग्नेश दोशी, श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज के अध्यक्ष अमृत पटेल, तेलंगाना गुजराती एक्त मंच के प्रेमल पारेख, श्री गुजराती ब्राह्मण समाज अध्यक्ष तरूण महेता, मंत्री अजय ओझा, जगतकुमार सेठ एवं चंदुभाई राठौड (विशाखापट्टनम) समाजसेवी रमेश मजेठिया, रमेश नेगांधी, पुरूषोत्तम अग्रवाल, हितेश भुपता, श्यामसुंदर अग्रवाल, रश्मीकांत पारीख, हिम्मात पटेल, संजय कोटक, नरसिम्हा राव, लक्षमण बोरा, योगेश कोटक, घनश्याम सुतानीया, रमेश रावत, जिनेश पटेल, विशाल पटेल, कुणाल पटेल, साहिल दर्जी, यश पटेल, मनन पटेल, जनक कोटक, अक्षय पटेल, पियुष पटेल, प्रदीप चोकशी, परम हंस, रूदय आदि बडी संख्या में हरी भक्तों ने उनके स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम में भाग लिया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत रविवार को श्रीमती समिक्षा अग्रवाल के जन्मदिवस पर गजानंद श्यामलाल कानोडिया परिवार (यश एजेंसीज अमीरपेट) की ओर से नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, दिनेश गोयल, अशोक अग्रवाल, ई. जगन (चंपापेट), मनीष फिटकारीवाला, मायारामजी अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, श्याम सुन्दर अग्रवाल, समीक्षा अग्रवाल, सर्वेश अग्रवाल, नंदकिशोर भटेड़, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

अग्रसेन बायोडाटा समिति की बैठक दुर्गा प्रसाद बंसल की कार्यालय में बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें सत्यनारायण मोदी, पुरषोतम गुप्ता, संतोष देवी बंसल, संगीता गोयल, अरविंद गोयल, अशोक गुप्ता, परमानंद अग्रवाल, श्रीराम अग्रवाल, शिवराज अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, मनोहर लाल, सुनील अग्रवाल, नरेश अग्रवाल उपस्थित थे। बैठक में युवक एवं युवतियों के अभिभावकों को बायोडाटा की जानकारी दी गई। बैठक में 35 लोंगो ने उपस्थति दर्ज कराई।

राहुल गांधी को तेलंगाना आने का कोई अधिकार नहीं : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने रविवार को कहा कि उन्हें तेलंगाना राज्य में आने का कोई अधिकार नहीं है और अगर किसी सरकार ने संविधान के खिलाफ काम किया है, तो वह कांग्रेस सरकार है। तेलंगाना और देश में संविधान को कोई खतरा नहीं है ।

पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार भारत के संविधान को मजबूत कर रही है... तेलंगाना आने से पहले, उन्हें (राहुल गांधी) तेलंगाना की जनता से किए गए वादों के बारे में बात करनी चाहिए ... राहुल गांधी को तेलंगाना आने का कोई अधिकार नहीं है। इससे पहले, रेड्डी ने हाल ही में इंडिया स्टेट से लड़ने वाली टिप्पणी के लिए राहुल गांधी की कड़ी निंदा की । उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत के संविधान से लड़ना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि 15 जनवरी को नई दिल्ली में पार्टी के नए मुख्यालय इंदिरा भवन का उद्घाटन करते हुए राहुल गांधी ने भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल सिर्फ भाजपा से नहीं बल्कि भारतीय राज्य से लड़ रहे हैं।

अखिल भारतीय महासभा तेलंगाना सचिव सोहन चौधरी ने श्री राम जन्मभूमि के दर्शन किये एवं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष संपत राय से शिष्टाचार मुलाकात की।

इंटरमीडिएट की छात्रा फांसी पर लटकी मिली

संगारेड्डी, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पप्पनपेट मंडल के पोडिचेनपल्ली में रविवार को एक इंटरमीडिएट की छात्रा अपने घर में लटकी हुई पाई गई। ऐसा संदेह है कि कृष्णा की बेटी अरिगे सिंध-ुजा (19) ने अपने माता-पिता द्वारा कॉलेज न जाने पर डांटने के बाद खुद को फांसी लगा ली। सिंधुजा ने कथित तौर पर एक महीने तक कॉलेज जाने से इनकार कर दिया था। वह मेदक के एक कॉलेज में इंटरमीडिएट के दूसरे वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। जब उसके माता-पिता ने जोर देकर कहा कि उसे अपनी पढ़ाई जारी रखनी चाहिए, तो उसने कथित तौर पर अपनी जान ले ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडक के सरकारी अस्पताल में भेज दिया है।

हैदराबाद में पारा चढ़ेगा, आईएमडी ने शीत लहर से राहत का अनुमान जताया

हैदराबाद, 19 जनवरी(शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में दिन के तापमान में वृद्धि होने वाली है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद ने रात के तापमान के 15 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने का अनुमान लगाया है, जिससे निवासियों को शीत लहर से राहत मिलती रहेगी। मौसम विभाग ने तेलंगाना के अधिकांश जिलों से अलर्ट भी हटा दिए हैं।हैदराबाद, तेलंगाना जिलों में शीत लहरों पर मौसम विज्ञानी की भविष्यवाणी मौसम के जानकार टी. बालाजी, जो अपनी सटीक मौसम भविष्यवाणियों के लिए प्रसिद्ध हैं, ने भविष्यवाणी की है कि दिन का तापमान धीरे-धीरे बढ़कर 31-33 डिग्री सेल्सियस के दायरे में आ जाएगा। हालांकि, उनकी भविष्यवाणी के अनुसार, रातें और सुबहें ठंडी रहेंगी और जनवरी के आखिरी सप्ताह से रात का तापमान बढ़ेगा। उन्होंने फरवरी के पहले और दूसरे सप्ताह के दौरान बेमौसम बारिश की भविष्यवाणी की।इस बीच, आईएमडी ने सुबह के समय कोहरे या धुंध की स्थिति बने रहने की भविष्यवाणी की है। इसने 22 जनवरी तक आंशिक रूप से बादल छाए रहने का पूर्वानुमान लगाया है।

निर्मल में कार पलटने से मध्य प्रदेश के दो तीर्थयात्रियों की मौत, 3 घायल

निर्मल, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक दुखद घटना में, शनिवार देर शाम ममदा मंडल के बुरुगुपल्ली गांव में एक कार के पलट जाने से दो तीर्थयात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मध्य प्रदेश के तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि 57 वर्षीय व्यापारी विजय और जबलपुर की 52 वर्षीय सुमिता को गंभीर चोटें आईं, जब कार बुरुगुपल्ली के पास एक मोड़ पर पलट गई, जिससे दोनों की तत्काल मौत हो गई। विजय के रिश्तेदार नितिन, अनिता, सुमिता के पति सुधीर घायल हो गए। घायलों को निर्मल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। दुर्घटना का कारण तेज गति से वाहन चलाना माना जा रहा है। पांचों लोग श्रीशैलम में श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर की तीर्थयात्रा पर थे।

गौरक्षादल ने 60 गोवंश को कटने से बचाया

हैदराबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

अवैध रूप से लाई जा रही गोवंश को गौरक्षा दल तेलंगाना, हिंदू वाहिनी, बजरंग दल व हिंदू तख्त के कार्यकर्ताओं ने 60 गोवंश को कटने से बचाया।यहाँ जानकारी देते हुए राष्ट्रीय गौ रक्षा दल के महासचिव एवं टीटीडी के पूर्व गौ संरक्षक कोटी श्रीधर ने बताया कि पहाड़ी शरीफ पुलिस की सहायता से गोवंश को बचाकर उनको जीवन दान दिया गया। गाड़ियों में भरे अवैध गोवंश को हैदराबाद के कत्ल खाने में ले जाया जा रहा था। गोवंश को पुलिस की सहायता से ध्यान फाउंडेशन गौशाला शमशाबाद फाउंडेशन में छोड़ा गया। इस अवसर पर मुख्य संरक्षक कोटी श्रीधर, गौरक्षा दल तेलंगाना प्रेसिडेंट कालू सिंह, गोरक्षा दल आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष विजय रामकुमार ,बीजेवाईएम युवा मोर्चा मेडचल प्रेसिडेंट पवन रेड्डी ,बीजेपी तुक्कुगुड़ा काउंसलर यादगिरी अन्ना, टाउन कन्वीनर नामले नवीन ,डॉ.इरम पुरणाम शांति गुप्ता, उमा देवी धनखड़, रवि नंद्रेकर, गौ रक्षा दल सिटी प्रेसिडेंट शंकर यादव, सचिन, नागराज ,कटला चारी , बी सरवन कुमार रेड्डी, राहुल, सोनू सिंह ,बिड़ला, अजय, प्रशांत ,अभिषेक, सतीश सिंह, नरसिंह सहित अन्य गौ रक्षक मौजूद थे।

राज्य में आरोग्यश्री स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल

हैदराबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य भर में निजी अस्पतालों में आरोग्यश्री स्वास्थ्य सेवाएँ बदहाल हैं, क्योंकि पिछले 10 दिनों से मरीज गुण-वत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा न मिलने के कारण परेशान हैं। राज्य सरकार द्वारा उनकी किसी भी मांग को पूरा न किए जाने के कारण, तेलंगाना आरोग्यश्री नेटवर्क अस्पताल संघ (टीएएनएचए) के अंतर्गत आने वाले निजी अस्पतालों ने 10 जनवरी से चिकित्सा सेवाएँ निलंबित कर रखी हैं। परिणामस्वरूप, आरोग्यश्री स्वास्थ्य बीमा के अंतर्गत आम जनता, कर्मचारी स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत आने वाले सरकारी कर्मचारियों और पत्रकार स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत आने वाले सभी स्वास्थ्य सेवाएँ छोटे और मध्यम आकार के अस्पतालों में निलंबित हैं।रविवार को हैदराबाद में टीएएनएचए के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने एक बार फिर अपनी माँग दोहराई कि राज्य सरकार को 1200 करोड़ रुपये के लंबित

चिकित्सा बिलों को तुरंत जारी करना चाहिए। हमारे डॉक्टर काम करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि अस्पताल उनके परामर्श राशि और वेतन का भुगतान करने में असमर्थ हैं। आपूर्तिकर्ता अपनी आपूर्ति बंद करने वाले हैं क्योंकि अस्पताल पिछले छह महीनों से उनकी राशि का भुगतान करने में असमर्थ हैं। इस संबंध में हमने आरोग्यश्री के सीईओ और स्वास्थ्य मंत्री को भी ज्ञापन दिया है। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, तन्हा के अध्यक्ष डॉ. वी. राकेश ने कहा। तन्हा के 360 से अधिक सदस्य, जिनमें 100 से 400 बिस्तरों वाले अस्पताल शामिल हैं, 10 जनवरी से आरोग्यश्री स्वास्थ्य हड़ताल में भाग ले रहे हैं। तेलंगाना में सभी तन्हा अस्पतालों से आरोग्यश्री, ईएचएस और जेएचएस रोगियों का औसत मासिक चिकित्सा बिल करीब 100 करोड़ रुपये है, जो सालाना 1200 से 1300 करोड़ रुपये बैठता है।लंबित चिकित्सा बिलों का भुगतान करने में राज्य सरकार की असमर्थता ने तन्हा के सदस्यों को आरोग्यश्री, ईएचएस और जेएचएस सेवाएं वापस लेने पर मजबूर कर दिया है। गुरुवार को राज्य सरकार ने आरोग्यश्री के माध्यम से तन्हा के सदस्यों के लिए लंबित चिकित्सा बिलों के सिर्फ एक महीने के लिए 100 करोड़ रुपये की सांकेतिक राशि की पेशकश की। हालांकि, तन्हा के सदस्यों ने इसे अस्वीकार कर दिया। तन्हा के सदस्यों ने कहा, जब भी मेडिकल बिल जारी करने में अत्यधिक देरी होती है, तो 100 करोड़ रुपये की टोकन राशि जारी करना और निजी अस्पतालों से अपेक्षा करना एक आदत बन गई है। हालांकि, यह हमारे लिए आश्वस्त करने वाला नहीं है। राज्य सरकार को मेडिकल बिलों के भुगतान में लगातार देरी के मुद्दे को स्थायी रूप से हल करने पर विचार करना चाहिए। हालांकि, हैदराबाद के विशेष अस्पतालों में आरोग्यश्री के तहत स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं निर्बाध रूप से जारी हैं।

भीषण सड़क हादसा.. 47 तीर्थयात्री गंभीर रूप से घायल

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। में एक गंभीर सड़क हादसा हुआ है। संयुक्त आदिलाबाद जिले में हुए इस दुखद हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई तथा 47 अन्य तीर्थयात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, गुड़ी हतनूर मंडल के सूर्यगुड़ा से 60 तीर्थयात्री एक वाहन में होकर कोमुरमभीम आसिफाबाद जिले के केरीमेरी में जंगूबाई मंदिर जा रहे थे, तभी आदिलाबाद जिले के नारनूर मंडल के मालेपुर घाट पर वाहन अनियंत्रित होकर घाटी में गिर गया। . वाहन में सवार 47 तीर्थयात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दो की मौके पर ही मौत हो अन्य लोगों को मामूली चोटें आईं। सभी घायलों को इलाज के लिए रिम्स, उटनूर और नारनूर अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

गांजा तस्करी के आरोप में आइसक्रीम विक्रेता गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद पुलिस ने रविवार को चादरघाट में गांजा तस्करी कर रहे एक आइसक्रीम विक्रेता को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से 15.50 लाख रुपये कीमत का 62 किलो गांजा जब्त किया। गिरफ्तार किया गया राजू जाट (35) मध्य प्रदेश का रहने वाला है और पिछले पांच सालों से गांजा तस्करी कर रहा था। वह ओडिशा में अपने परिचित सुभाष से गांजा खरीदता था और नियमित रूप से चंद्रपुर, महाराष्ट्र के पुरुषोत्तम सहित ग्राहकों को इसकी आपूर्ति करता था।

कुछ दिन पहले राजू ओडिशा गया और सुभाष से 62 किलो प्रतिबंधित पदार्थ खरीदा। रामागुंडम जाने के बाद वह पुरुष-ोत्तम को खेप पहुंचाने के लिए महाराष्ट्र जाने के लिए हैदराबाद आया।

हैदराबाद के डीसीपी (दक्षिण पूर्व) पाटिल कांतिलाल सुभाष ने कहा, राजू नलगोंडा बस स्टॉप पर काचीगुडा रेलवे स्टेशन जाने के लिए ऑटो रिक्शा का इंतजार कर रहा था, जहां से वह महाराष्ट्र जाने वाली ट्रेन में सवार होने वाला था।

एक गुप्त सूचना पर हमारी टीमों ने उसे पकड़ लिया और एक बैग में भरा 62 किलो गांजा जब्त कर लिया।

मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

अमित शाह ने एसवीपीएनपीए में कम्पोजिट इनडोर शूटिंग रेंज की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश) से हैदराबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में कम्पोजिट इनडोर शूटिंग रेंज (सीआईएसआर) के निर्माण की आधारशिला रखी, जहां उन्होंने एनडीआरएफ के 20वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया।

अकादमी के आईपीएस निदेशक अमित गर्ग और अन्य वरिष्ठ अधिकारी समारोह में शामिल हुए।

फायरिंग आउटडोर विषय का महत्वपूर्ण घटक है जिसे राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में बुनियादी पाठ्यक्रम प्रशिक्षण के दौरान आईपीएस परिवीक्षार्थियों को पढ़ाया जाता है, जिसका उद्देश्य फायरिंग कौशल को बढ़ाना है। यह नई सीआईएसआर सुविधा एनपीए के पूरे इतिहास में आउटडोर बुनियादी ढांचे को प्रमुख तकनीकी बढ़ावा देगी। इसकी अत्याधुनिक तकनीक अंतरराष्ट्रीय मानकों की है और देश के सभी पुलिस संगठनों में इस तरह की सुविधा होगी।

प्रशिक्षण बैचों के लिए टर्नअराउंड समय में भारी कमी आएगी क्योंकि अब उन्हें पास की फायरिंग रेंज में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। सभी प्रकार की फायरिंग प्रैक्टिस जैसे दिन में फायरिंग, रात में फायरिंग, रिफ्लेक्स फायरिंग और सभी मौसम में फायरिंग का आयोजन किया जा सकता है। इस प्रकार की सुविधा में प्रशिक्षण प्राप्त करने पर खझड प्रशिक्षुओं के फायरिंग कौशल में जबरदस्त वृद्धि होगी।

तेलंगाना सरकार उगादी से गद्दर फिल्म पुरस्कार प्रदान करेगी : भट्टी

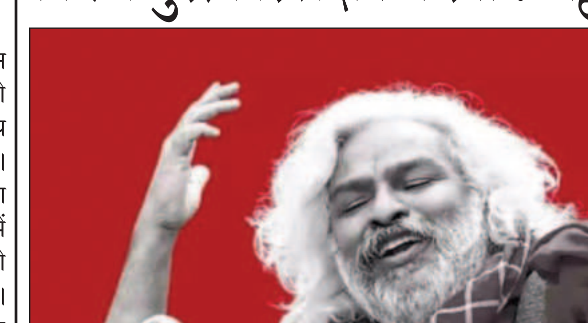

हैदराबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने गद्दर तेलंगाना फिल्म पुरस्कार की स्थापना की घोषणा की है, जो इस उगादी उत्सव से शुरू होकर हर साल प्रदान किए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने जोर देकर कहा कि इन पुरस्कारों का उद्देश्य हैदराबाद को फिल्म निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में बढ़ावा देना और राज्य के भीतर उच्च गुणवत्ता वाली फिल्म निर्माण को प्रोत्साहित करना है।

पुरस्कार विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्टता को मान्यता देंगे, जिसमें फीचर फिल्में, बच्चों की फिल्में और तेलुगु सिनेमा से संबंधित प्रकाशन शामिल हैं। विक्रमार्क ने कहा कि यह पहल उन फिल्मों को सम्मानित करने के लिए बनाई गई है जो तकनीकी दक्षता को दर्शाती हैं और मानवीय मूल्यों को बनाए रखती हैं, साथ ही राष्ट्रीय एकता और एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक, शैक्षिक और सामाजिक रूप से प्रासंगिक हैं। पुरस्कार समिति के साथ हाल ही में हुई बैठक के दौरान, पुरस्कारों के लिए प्रक्रियाओं, नियमों और विनियमों के साथ-साथ एक समर्पित लोगो के डिजाइन पर चर्चा की गई।

किसानों ने की आत्महत्या

तेलंगाना में कृषि संकट फिर से उभरने की आशंका!

आदिलाबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आदिलाबाद जिले के बेला मंडल के शांत सैदुपुर गांव में अभी भी मातम छाया हुआ है। 48 वर्षीय जादव देवराव ने उसी बैंक परिसर में आत्महत्या कर ली, जिसने उन्हें 3.5 लाख रुपये का कर्ज दिया था। किसान का अपने दो बेटों और बेटी को आरामदायक जीवन देने का सपना भी उनके साथ ही खत्म हो गया। पांच एकड़ जमीन पर देवराव ने दिन-रात मेहनत करके फसल उगाई थी, उन्हें उम्मीद थी कि फसल अच्छी होगी और उनके परिवार का भविष्य सुरक्षित होगा। लेकिन तेलंगाना में खेती की हकीकत उनकी उम्मीद से कहीं ज्यादा कठोर थी। पिछले दो हफ्तों में राज्य में ऐसी कई मौतें हुई हैं, किसान खुद को परिस्थितियों से घिरा हुआ महसूस कर रहे हैं, क्योंकि पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से उनके पास जो वित्तीय स्थिरता थी, वह खत्म हो रही है। उनके लिए जिंदगी दुःस्वप्न बन गई है। देवराव की कहानी कोई अकेली घटना नहीं है। राज्य में एक ही दिन में तीन ऐसे मामले सामने आए। तेलंगाना में कांग्रेस के एक साल के शासन के दौरान 402 किसानों ने आत्महत्या की है और बिजली के झटके

से हुई मौतों सहित 200 अप्राकृतिक मौतें हुई हैं।राज्य में आत्महत्याओं की संख्या में दुखद वृद्धि ने एक बार फिर पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना शुरू कर दिया है। वित्तीय बोझ, अधूरे वादों और समर्थन की कमी के कारण किसानों की आत्महत्याओं में वृद्धि हुई है। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार किसानों से किए गए प्रमुख वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए कड़ी आलोचना का सामना कर रही है। बहुचर्चित ऋण माफी का वादा, जिसका उद्देश्य 2 लाख रुपये तक के फसल ऋण को माफ करना था, कई किसानों के लिए अभी भी अधूरा है। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) के आंकड़ों से पता चलता है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 49,500 करोड़ रुपये के फसल ऋण वितरित किए गए, जबकि केवल 17,933 करोड़ रुपये माफ किए गए, जिससे केवल 22.37 लाख किसान लाभान्वित हुए। इससे कई किसान खुद को ठगा हुआ और परित्यक्त महसूस कर रहे हैं। कांग्रेस नेतृत्व द्वारा वादा किए गए रयथु भरोसा योजना का उद्देश्य प्रति एकड़ प्रति वर्ष 15,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करना था।

लेकिन यह भी क्रियान्वयन में विफल रहा है। सरकार ने शुरू में इसे 10,000 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रति एकड़ करने का वादा किया था। लेकिन बाद में इसने 12,000 रुपये प्रति एकड़ की कम राशि की घोषणा की। कांग्रेस सरकार ने दिसंबर 2023 से पहले रयथु बंधु की एक किस्त जारी की, लेकिन बाद में उसने अगले दो फसल मौसमों के लिए निवेश सहायता योजना को बंद कर दिया, जिसका राज्य के किसान समुदाय पर बहुत बुरा असर पड़ा। इसने व्यापक विरोध को जन्म दिया है, जिसमें किसानों ने अपना असंतोष और धोखे की भावना व्यक्त की है। बिजली की विफलता और विभिन्न किसान-हितैषी पहलों से लाभ से वंचित होने ने संकट को और बढ़ा दिया है। इन विफलताओं का संचयी प्रभाव तेलंगाना के कृषक समुदाय के लिए विनाशकारी रहा है। वित्तीय संकट, अधूरे वादों और समर्थन की कमी के दबाव ने कई किसानों को कगार पर ला खड़ा किया है, जिसके परिणामस्वरूप दुखद परिणाम सामने आए हैं। 2024 से पहले के दशक के दौरान, राज्य का किसान खुद को ऊंचे पायदान पर पाता था, क्योंकि राज्य सरकार कृषक समुदाय को पूरा समर्थन दे रही थी।

अब, वह खुद को इस पायदान से गिरा हुआ पाता है। जीवन अब पहले जैसा नहीं रहा। नेलाकोंडापल्ली के एक किसान कहते हैं कि हमने कांग्रेस के शासन का सिर्फ़ एक साल देखा है और बड़े-बड़े वादों के बावजूद सरकार ने जो कुछ किया है, वह निराशाजनक है। 2014 में, लगभग 1,300 किसानों ने आत्महत्या की। 2015 तक, गंभीर सूखे की स्थिति के कारण यह संख्या बढ़कर लगभग 1,400 हो गई। बीआरएस सरकार द्वारा उठाए गए सक्रिय कदमों के कारण बाद के वर्षों में आत्महत्याओं में नाटकीय गिरावट आई, 2015 से 2022 तक 686.5% की कमी आई। 2022 तक, तेलंगाना में खेती से संबंधित आत्महत्याओं की संख्या घटकर 178 हो गई। तुलना से पता चलता है कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान किसानों की आत्महत्याओं में उल्लेखनीय कमी आई थी, लेकिन 2024 में फिर से उछाल किसानों के जीवन को दयनीय बनाने वाली अतिरिक्त चुनौतियों का संकेत देता है।

आत्महत्या मामले में पुलिस ने बैंक अधिकारियों द्वारा किसान को परेशान करने से किया इनकार

आदिलाबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुलिस ने रविवार को दावा किया कि बैंक अधिकारियों ने बेला मंडल के रेणुगुडा गांव के किसान जादव देवराव को परेशान नहीं किया, जैसा कि उसके परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है। पुलिस ने एक बयान में किसान के परिजनों के आरोपों को नकार दिया। उन्होंने दावा किया कि बैंक के कर्मचारियों ने पांच साल पहले लिए गए 3.40 लाख रुपये के व्यक्तिगत ऋण की किस्त चुकाने के लिए दबाव नहीं डाला। उन्होंने कहा कि किसान का नाम डिफॉल्टरों की सूची में शामिल नहीं था। हालांकि सीसीटीवी फुटेज में किसान को बैंक के अंदर कीटनाशक पीते हुए दिखाया गया है, लेकिन पुलिस ने दावा किया कि देवराव ने कीटनाशक बाहर खाया।

उन्होंने कहा कि उनकी जांच में पता चला है कि उसने न तो बैंक के अधिकारियों से बात की थी और न ही बैंक परिसर में अधिकारियों ने उससे कोई बहस की थी। उन्होंने कहा कि जांच में पता चला है कि उसकी पत्नी किडनी से संबंधित बीमारी से पीड़ित थी। हालांकि, इस बात की पूरी जांच की जा रही है कि किसान ने अपनी जान क्यों दी। बयान में कहा गया है कि जांच के निष्कर्षों के आधार पर उसकी मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। देवराव (60) ने शनिवार को यहां आईसीआईसीआई बैंक शाखा में आत्महत्या कर ली। उनके परिवार में उनकी पत्नी और बेटा आकाश है। उनके समुदाय के लोगों ने न्याय की मांग को लेकर बैंक के सामने रास्ता रोको प्रदर्शन किया। पुलिस ने हस्तक्षेप किया और उन्हें न्याय का आश्वासन दिया। आकाश की ओर से मिली शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया।

एक और किसान ने की आत्महत्या 24 घंटे में दूसरा मामला

आदिलाबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में किसान आत्महत्या के एक और मामले में, 19 जनवरी रविवार को आदिलाबाद जिले के एक अस्पताल में इलाज के दौरान 40 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। उसने 12 जनवरी को कीटनाशक पी लिया था। मृतक की पहचान उत्नूर मंडल के लिंगोजीगुडा थांडा के राठौड़ गोकुल के रूप में हुई है। उसे पहले हैदराबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन बाद में शनिवार को उसे रिम्स-आदिलाबाद में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक कपास का किसान था और किराए की जमीन पर कपास की खेती करता था।खेती में घाटा होने के बाद, गोकुल ने एक ऋण लिया जिसे वह चुका नहीं पाया और परेशान था। ऋण की सही राशि का पता नहीं है। जब मामले के विवरण के लिए उत्नूर पुलिस से संपर्क करने की कोशिश की, तो कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। तेलंगाना में 24 घंटे के भीतर यह दूसरा किसान आत्महत्या है। इससे पहले, आदिलाबाद में एक बैंक के अंदर कीटनाशक खाने के बाद 48 वर्षीय किसान ने आत्महत्या कर ली थी।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने राव की आत्महत्या पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा, यह सरकार द्वारा की गई हत्या के अलावा और कुछ नहीं है।' केटीआर ने कहा, यह आत्महत्या नहीं है, यह रेवंत के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा की गई हत्या है। तेलंगाना के किसान इसे इसी रूप में देखते हैं। सिरसिला विधायक ने कांग्रेस सरकार से राज्य में सभी किसानों के कर्ज तुरंत माफ करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि तेलंगाना में और किसान आत्महत्या न करें।

सिलेंडर फटने से महिला जिंदा जल गई

संगारेड्डी, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। निजामपेट मंडल के नागधर गांव में शनिवार रात एलपीजी सिलेंडर फटने से एक दिव्यांग महिला जिंदा जल गई। वह कंडी प्रमिला (50) थी।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Renu Gupta, W/o.Suresh Kumar Gupta, R/o.H.No.1-8-215/39/1, P G Road, Beside Satguru Complex, Sindhi Colony, Secunderabad - 500003, T.S. Changed My Name as RENUKA GUPTA.

CHANGE OF NAME
I, Suresh Gupta, S/o. Late Hari Prasad Gupta, R/o.H.No.1-8-215/39/1, P G Road, Beside Satguru Complex, Sindhi Colony, Secunderabad - 500003, T.S. Changed My Name as SURESH KUMAR GUPTA.

CHANGE OF NAME
I, No. 15815106X Hav Shrawan Kumar Verma of HQ Telangana and Andhra Sub Area, Secunderabad, TS that my mother Name is changed from AHSA VERMA to ASHA DEVI

CHANGE OF NAME & DOB
I, VIMALA DEVI Spouse of Service No.JC-151848-K Nb SUB I RAMA MOHAN RAO, R/o.54/4, Kapil Homes, Sneha Enclave, Near Alwal Raitu Bazar, Macha Bolaram, Secunderabad have changed my name and DOB from VIMALA DEVI, DOB:03-06-1953 to IMMIDISETTI VIMALA DEVI, DOB: 05-12-1952 vide affidavit dt:18-1-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, I RAMA MOHAN RAO S/o. Late MAHANKALI, R/o.54/4, Kapil Homes, Sneha Enclave, Near Alwal Raitu Bazar, Macha Bolaram, Secunderabad-500010, Telangana hereby declare that my wife name and DOB is to be changed from VIMALA DEVI, DOB:03-06-1953 to IMMIDISETTI VIMALA DEVI, DOB:05-12-1952 vide affidavit dt:18-1-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No.14679814L Nk CHAUHAN ANOP SINH, R/o. Vill:Nandej, Teh:Daskroi, Dist:Ahmedabad, Gujarat-382435 that my daughter name is to be changed from DIVYANSHIBA to CHAUHAN DIVYANSHIBA vide affidavit dt:18-1-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, RAJESWARI Spouse of Service No. 14679814L Nk CHAUHAN ANOP SINH, R/o.Vill:Nandej, Teh:Daskroi, Dist:Ahmedabad, Gujarat-382435 have changed my name from RAJESWARI to CHAUHAN RAJESHWARI ANOPSINH vide affidavit dt:18-1-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, CHAUHAN BHIKHUBHAI SAGARAMJI father of Service No. 14679814L Nk CHAUHAN ANOP SINH, R/o. Vill:Nandej, T;Daskroi, Dist:Ahmedabad, Gujarat - 382435 have changed my name and DOB from BHIKHUBHAI, DOB:4-4-1960 to CHAUHAN BHIKHUBHAI SAGARAMJI, DOB:02-04-1954 vide affidavit dt:18-1-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, CHAUHAN HULASBA BHIKHUBHA Mother of Service No. 14679814L Nk CHAUHAN ANOP SINH, R/o. Vill:Nandej, Teh:Daskroi, Dist:Ahmedabad, Gujarat-382435 have changed my name and DOB from USHA BEN, DOB:4-4-1965 to CHAUHAN HULASBA BHIKHUBHA, DOB:01-06-1956 vide affidavit dt:18-1-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15675977X Hav V R MOHAN RAO PULI, R/o.40B, Pocket 2, Maplines, Near R K Puram, Secunderabad, Telangana hereby declare that my elder daughter name is to be changed from SIREESHA to SIREESHA PULI and younger daughter name is to be changed from SYLAJA to SYLAJA PULI vide affidavit dt:18-1-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, VIJAYAMMA P Spouse of Service No. 15675977X Hav V R MOHAN RAO PULI, R/o.H.No.40B, Pocket 2, Maplines, Near R K Puram, Secunderabad, Telangana have changed my name from VIJAYAMMA P to PULI VIJAYAMMA vide affidavit dt:17-1-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, HEMAMBI is mother of Service No. JC 278920N Sub Maj GADDALA PEDA MASTAN, R/o.2-38, Peridepi, Kondepi, Prakasam Dist, Andhra Pradesh-523273 have changed my name from HEMAMBI to GADDALA HIMAM BI vide affidavit dt:17-1-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SIDDAPPA TAVAGAD, father of 15786985L, Hav (DS) NAGARAJ TAVAGAD, presently residing Vill- Chandanhosur, Post-Tarihal, Teh-Belagavi, District-Belagavi, State-Karnataka PIN-590003, have Changed my name From SIDDAPPA to SIDDAPPA TAVAGAD, vide affidavit Date:18-01-2025. before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 10329783H Hav ROUTHU ESWARA RAO of Unit:125 InfBn (TA)The Guards, C /o.56 APO hereby declare that my father name is changed from Shri ROUTHU RAMA RAO to ROUTHU RAMARAO and mother name is changed from Smt JAGGAMMA to ROUTHU JAGAMMA vide affidavit dt:18-1-2025.

जीआई-पीकेएल : कबड्डी के सितारों ने शुरू किया प्रशिक्षण

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग की शुरुआत से पहले खिलाड़ी जमकर बहा रहे पसीना

गुरुग्राम, 19 जनवरी (एजेंसियां) ।

आगामी ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) में शामिल राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों ने मैट पर जमकर पसीना बहाना शुरू कर दिया है। लीग में मिस्त्र, केन्या, अर्जेंटीना, ताइवान जैसे कई देशों की भागीदारी देखी जाएगी। इसके अलावा पोलैंड खिलाड़ियों का ड्राफ्ट जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, पुरुष और महिला दोनों एथलीटों ने लीग में प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपनी तैयारी तेज कर दी है। एक तरफ सविन नरवाल, संदीप कंडोला, अजय कुमार और कपिल नरवाल जैसे प्रमुख खिलाड़ी अपने खेल को बेहतर से बेहतरीन बनाने में लगे हुए हैं, तो दूसरी ओर एम अनिता, इंद्रा रोहिणी, अरुल संथिया और सेल्वरेबिक्षा जैसे राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेताओं ने भी अपने-अपने राज्यों में अभ्यास सत्र शुरू कर दिया है। रांची में तैनात भारतीय सेना के राइफलमैन सविन नरवाल अपनी बटालियन में रहते हुए अपने कबड्डी कौशल को निखार रहे हैं। कई कबड्डी लीगों में भाग लेने के बाद राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी सविन जीआई-पीकेएल में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं। लीग के बारे में सविन नरवाल ने कहा कि ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग के लिए प्रशिक्षण बहुत अच्छा चल रहा है। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी की तरह जीआई-पीकेएल का हिस्सा होना मेरे लिए भी गर्व की बात है। मैं पहले भी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेल चुका हूं और मैं अपने ए-गेम को फिर से मैट पर लाने के लिए उत्सुक हूं। इसी क्रम में कबड्डी की एक और जादूगर एम अनिता ने कहा कि जीआई-पीकेएल मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इसके जरिए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना एक ऐसा अद्भुत अनुभव होगा, जो विभिन्न खेल शैलियों को समझने का अवसर प्रदान करेगा। अरुल संथिया ने भी लीग को लेकर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि एक ऐसी लीग का हिस्सा बनना जो दुनिया भर के खिलाड़ियों को एकजुट करती है, निश्चित तौर उत्साह का विषय है। मैं रणनीतियों को साझा करने और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से सीखने के लिए उत्सुक हूं। यह अनुभव निश्चित रूप से मेरे खेल को और बेहतर बनाएगा।खिलाड़ियों की भागीदारी और उत्साह के बारे में बात करते हुए होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष कंथी डी. सुरेश ने कहा कि जीआई-पीकेएल को लेकर खिलाड़ियों और प्रशंसकों का उत्साह कबड्डी की बढ़ती लोकप्रियता और खेल को एकजुट करने की शक्ति को उजागर करता है। यह लीग हमारे उस दृष्टिकोण को दर्शाती है, जो तमाम बाधाओं को तोड़ विभिन्न देशों की विभिन्न संस्कृतियों के सभी महिला और पुरुष खिलाड़ियों को एक जैसा मंच देने की सोच रखती है।

न्यूज ब्रीफ

पाक ने वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट में 127 रनों से हराया , 1-0 की बढ़त हासिल की

मुल्तान । पाकिस्तान ने वेस्ट इंडीज को दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले ही मैच में 127 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में पाक की जीत में स्पिनरों साजिद खान और अबरार अहमद के अलावा कप्तान शान मसूद की अहम भूमिका रही। मसूद ने जहां अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 52 रन बनाये। वहीं साजिद ने पांच विकेट जबकि अबरार ने चार विकेट लिए। इस प्रकार पाक टीम ने तीसरे ही दिन ये मैच जीत लिया। इस मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 230 रन बनाए। इसके बाद पहली पारी में वेस्टइंडीज की टीम 137 रन पर आउट हो गई। इस प्रकार पहली पारी में पाकिस्तान को 93 रन की बढ़त मिली। वहीं पाकिस्तान ने दूसरी पारी में 157 रन बनाए और टीम की कुल बढ़त 250 रन की हो गई। इस प्रकार वेस्टइंडीज को जीत के लिए 251 रन का टारगेट मिला था, लेकिन ये टीम दूसरी पारी में 123 रन पर आउट हो गई और उसे हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज की ओर से केवल ऐलेक ऐथनेज ही 55 रन बना पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही सिमट गये। टीम के केवल पांच बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये।

शुभमन नहीं पांड्या को उपकप्तान बनाने चाहते थे गंभीर

मुम्बई। भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा के बीच मतभेद की अटकलें एक बार फिर तेज हो गयी हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार गंभीर आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 और इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को उपकप्तान बनाना चाहते थे पर रोहित उनसे सहमत नहीं थे। रोहित ने उपकप्तान के लिए शुभमन गिल के नाम का प्रस्ताव रखा था। ऐसे में यह माना जा रहा है कि शुभमन रोहित शर्मा के बाद कप्तानी संभालेंगे। रिपोर्ट के अनुसार कोच गंभीर नहीं चाहते थे कि शुभमन को उप कप्तान बनाया जाये पर रोहित शुभमन के पक्ष में थे। जिससे शुभमन को जिम्मेदारी मिली गयी। गौरतलब है कि हार्दिक पांड्या टी20 विश्व कप पहले तक टीम इंडिया की कप्तानी के प्रबल दावेदार थे। रोहित के साथ वह टीम की उप कप्तानी करते थे पर टी20 विश्व कप के बाद रोहित ने हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव को इस प्रारुप में कप्तान बनने का प्रस्ताव रखा था। इस तरह हार्दिक के हाथ से टी20 की कप्तानी भी निकल गयी थी। पांड्या के अलावा एकदिवसीय सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए संजू सैमसन के नाम पर भी बात हुई थी। गंभीर इसमें मुख्य विकेटकीपर के तौर पर ऋषभ पंत की जगह संजू सैमसन को चाहते थे पर रोहित ने ऋषभ को भी शामिल करने और विकल्प के तौर पर केएल राहुल को रखेन जाने का प्रस्ताव दिया।

भारतीय टीम में एक और तेज गेंदबाजा चाहिये था : इरफान पठान, सैमसन की जगह मैं होता तो मुझे भी निराशा होती

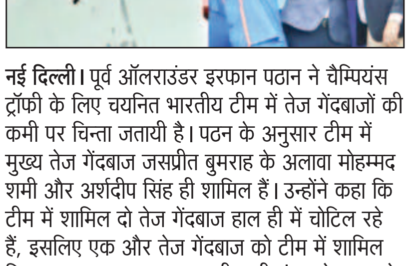

नई दिल्ली। पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए चयनित भारतीय टीम में तेज गेंदबाजों की कमी पर चिन्ता जतायी है। पठन के अनुसार टीम में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा मोहम्मद शमी और अर्शदीप सिंह ही शामिल हैं। उन्होंने कहा कि टीम में शामिल दो तेज गेंदबाज हाल ही में चोटिल रहे हैं, इसलिए एक और तेज गेंदबाज को टीम में शामिल किया जा सकता था। बुमराह पीठ की एंठन से उबर रहे हैं जबकि शमी सर्जरी के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलेंगे। वहीं पठान ने विकेकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन लेकर कहा कि वह अच्छे प्रदर्शन के बाद भी टीम में जगह नहीं मिलने से निराश होंगे। मैं भी उनकी जगह होता तो मुझे भी निराशा हुई होती। टीम में सैमसन के अलावा , धरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे करुण नायर को जग नहीं मिलने से सभी हैरान हैं। । वहीं पठान ने कहा तेज गेंदबाज मो सिराज को कार्यभार प्रबंधन के कारण ही आराम दिया होगा। साथ ही कहा कि शुभमन गिल को उपकप्तानी दिया जाना ठीह है। उन्होंने आगे कहा, शुभमन नेतृत्व के लिए सही रास्ते पर हैं, उनका एकदिवसीय क्रिकेट में शानदार साल रहा है। वहीं विकेटकीपर की भूमिका के लिए सैमसन को भी दावेदार माना जा रहा था पर उन्हें जगह नहीं मिली क्योंकि टीम के पास पहले से ही विकेटकीपर के लिए केएल राहुल और ऋषभ पंत थे।

बीसीसीआई दिशा-निर्देशों को लेकर बीसीसीआई सचिव से बात करेंगे रोहित

मुंबई, 19 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये दिशा-निर्देशों को लेकर खिलाड़ी संशय में हैं, इसलिए वह मामले पर बोर्ड सचिव देवाजीत सैकिया से बात करेंगे। इन दिशा-निर्देशों में एक ये भी है कि खिलाड़ी विदेशी दौरों पर केवल 14 दिन के लिए ही अपने परिवार को साथ रख पायेंगे। वहीं किसी भी बदलाव के लिए कोच और बोर्ड से बात करनी होगी। यह नियम टीम के खिलाड़ियों को अच्छा नहीं लगा है।

रोहित ने कहा कि दिशा-निर्देशों के बारे में अभी बीसीसीआई की ओर से आधाकारिक तौर पर कुछ नहीं आा है। वहीं चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने कहा कि एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की गयी है।

साथ ही कहा कि अगर हम इसी पर बात करते रहेंगे तो शायद यह चर्चा जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हर टीम के कुछ नियम होते हैं। हमने पिछले कुछ महीनों में कई चीजों के बारे में बात की है जिसमें आप एक टीम के रूप में सुधार कर सकते हैं।

अगरकर ने कहा कि बस इतना है कि आपके पास कुछ नियम होते हैं और जब आप राष्ट्रीय टीम के लिए खेलते हैं तो आप उन नियमों का पालन करते हैं। ये परिपक्व खिलाड़ी हैं। वे अंतरराष्ट्रीय खेल में अपने आप में सुपरस्टार हैं।

कई पूर्व खिलाड़ियों ने कहा कि ये नियम हमेशा से ही रहे हैं और से 'प्रोटोकॉल का ही हिस्सा हैं जिनका राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करते समय पालन करना होता है। उन्होंने कहा कि लेकिन आखिरकार आप अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिनका आप स्वाभाविक रूप से पालन करते हैं जैसा कि हर टीम करती है। मुझे लगता है कि उनमें से बहुत से नियम पहले से ही लागू हैं।

असम दल के राष्ट्रीय खेल जर्सी का विमोचन और वितरण

गुवाहाटी। आगामी राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने वाले असम दल की जर्सी का रविवार को गुवाहाटी के सरूसजाई खेल परिसर में आधिकारिक रूप से विमोचन और वितरण किया गया। असम ओलंपिक संघ और राज्य सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए असम टीम को औपचारिक रूप से शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और असम ओलंपिक संघ के अध्यक्ष सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि नई पीढ़ी की सफलताएं राष्ट्र को गौरवान्वित करती हैं। इसी तरह खिलाड़ियों की उपलब्धियां समाज को प्रेरित करती हैं। असम के खिलाड़ियों ने अपनी सफलता से देश और राज्य को गर्वान्वित किया है और आगामी राष्ट्रीय खेलों में भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने असम टीम को राष्ट्रीय खेलों में हवाई यात्रा की सुविधा प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा को धन्यवाद् दिया। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और असम सरकार के कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि पदक विजेता खिलाड़ियों की तरह गैर-पदक विजेताओं को भी समान प्रोत्साहन और समर्थन दिया जाएगा, ताकि कोई खिलाड़ी मानसिक रूप से हतोत्साहित न हो। दूसरे उपाध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने कहा कि असम सरकार खिलाड़ियों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल में करियर बनाने के लिए नई पीढ़ी को हर अवसर प्रदान करेगी। असम ओलंपिक संघ के सचिव लक्ष्य कोंवर ने जानकारी दी कि उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय खेलों में असम 22 खेल विधाओं में लगभग 300 खिलाड़ियों और अधिकारियों का दल भेजेगा। इस दल में 237 खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें ओलंपियन, कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स के पदक विजेता तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के लगभग 20 खिलाड़ी शामिल हैं। कोंवर ने विश्वास जताया कि असम इस बार 50 से अधिक पदक जीत सकता है।

मनु भाकर की नानी और मामा की सड़क हादसे में मौत

चरखी दादरी, 19 जनवरी (एजेंसियां) ।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर के मामा युद्धवीर सिंह और नानी सावित्री देवी का एक सड़क हादसे में निधन हो गया है। मनु को अभी दो दिन पहले ही खेल रत्न अवार्ड मिला था जिससे घर में खुशी का माहौल था पर ये दुखद खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। उनके मामा और नानी को महेंद्रगढ़ बाइपास रोड पर एक कार ने टक्कर मार दी। ये टक्कर इतनी भीषण थी कि वहीं पर ही दोनो की मौत हो गयी। युद्धवीर रोडवेज में नौकरी करते थे।

दुर्घटना के बाद गाड़ी चालक फरार हो गया है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। मौके पर थाना शहर प्रभारी सहित पुलिस जांच में जुटी हुई है। दो दिन पूर्व ही मन्नू भाकर को राष्ट्रपति से खेल रत्न अवॉर्ड मिला था। मनु ने पेरिस ओलंपिक के 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दोहरे कांस्य पदक जीते थे।

मनु ओलंपिक संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय हैं। पेरिस ओलंपिक में उसने अपना पहला पदक जीता जब उसने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता। यह पदक 20 वर्षों में किसी व्यक्तिगत स्पर्धा में ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला निशानेबाज बनने के एक दिन बाद आया। वह 0.1 अंक से रजत पदक हासिल नहीं कर पायी। कुछ ही दिनों बाद, उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता।

वह महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहीं थीं। मनु इसमें भी शुरू में हंगरी की पूर्व विश्व रिकॉर्ड धारक (25 मीटर पिस्टल) वेरोनिका मेजर के साथ तीसरे स्थान पर थीं पर शूट-ऑफ सीरीज में दो अंक गंवाने के बाद हंगरी की वेरोनिका पोडियम पर पहुंच गईं।

खो खो विश्व कप 2025: भारत बना वर्ल्ड चैंपियन, नेपाल को 54-36 से हराया

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)।

खो खो विश्व कप 2025 में रविवार (19 जनवरी) को भारत के लिए दोहरी खुशी मिली। पहले भारतीय महिला टीम ने नेपाल के खिलाफ 78-40 की शानदार जीत के साथ खिताब जीता। इसके बाद पुरुष टीम ने भी नेपाल खिलाफ 54-36 से शानदार जीत दर्ज की। पहला खो खो विश्व कप 13 से 19 जनवरी तक भारत के इंदिरा गांधी स्टेडियम में खेला गया। इस टूर्नामेंट में पुरुष और महिला वर्ग की 39 टीमों ने हिस्सा लिया था। 20 पुरुषो टीमों को चार ग्रुप में रखा गया था, जबकि महिलाओं के वर्ग में 19 टीमों को चार ग्रुप में रखा गया था।

मेंस फाइनल में नेपाल ने टॉस जीतकर डिफेंस चुना। पहली पारी में भारत ने 26 पॉइंट्स हासिल किए, जबकि नेपाल को एक भी पॉइंट नहीं मिला। टीम इंडिया नेपाल को एक बार ऑलआउट करने में भी कामयाब रही। भारत ने पहली पारी में 26-0 की बढ़त ली। दूसरी पारी में नेपाल ने चेज किया और टीम ने 18 पॉइंट्स बटोरे। हाफ टाइम के बाद स्कोर 26-18 से भारत के पक्ष में रहा।

तीसरी पारी में भारत ने 28 पॉइंट्स हासिल किए। नेपाल की टीम 4 मिनट के अंदर ही ऑलआउट हो गई, टीम एक भी ड्रीम रन नहीं बना सकी। तीसरे टर्न के बाद भारत ने 54-18 के अंतर से बढ़त बनाए रखी। चौथे टर्न में भी नेपाल की टीम 18 ही पॉइंट्स ले सकी और भारत ने 54-36 के अंतर से वर्ल्ड कप जीत लिया।

चैंपियनशिप तक भारतीय टीम का सफर शानदार रहा। भारत ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा दिखाया, जिसकी शुरुआत ग्रुप स्टेज में ब्राजील, पेरू और भूटान पर जीत से हुई। नॉकआउट राउंड तक लय जारी रही, जहां उन्होंने क्वार्टर फाइनल में बांग्लादेश को हराया और फिर सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका की मजबूत टीम को हराया।

भारतीय महिला टीम भी बनी चैंपियन, किया ट्रॉफी पर कब्जा

खो खो वर्ल्ड कप-2025 में भारतीय महिला टीम चैंपियन बनीं है। भारतीय महिला टीम ने नेपाल को 78-40 से हराया। इसके साथ ही पहली बार विश्व चैंपियन का खिताब अपने नाम कर लिया है। शुरुआत से ही भारतीय महिला टीम ने दमदार प्रदर्शन करके दिखाया और किसी भी टीम को वापसी करने का मौका नहीं दिया। इस तरह प्रियंका इंगले की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने इस खेल में इतिहास रच दिया है।

भारतीय महिला टीम और नेपाल के टीम के बीच खेले गए फाइनल मुकाबले के शुरुआत से ही टीम इंडिया के अटैकरों ने नेपाल के डिफेंडरों के सामने धमाकेदार प्रदर्शन किया। नेपाल टीम की कप्तान ने टॉस जीतकर पहले डिफेंड करने का फैसला किया, लेकिन दांव उल्टा पड़ गया और पहले टर्न में भारत के उड़ते खिलाड़ियों ने नेपाल के डिफेंडरों को पैर जमाने का मौका नहीं देते हुए 34 अंक प्राप्त कर लिए। वहीं, नेपाल के अटैकरों एक भी ड्रीम रन से प्वाइंट्स हासिल नहीं किए। भारतीय टीम ने नेपाल के 6 बैच को आउट किया।दूसरे टर्न में डिफेंड करने उतरी टीम इंडिया के डिफेंडरों ने नेपाल के अटैकरो को जमकर दौड़ाया और शानदार डिफेंड करते हुए 1 अंक हासिल किए। भारत ने भी दूसरे टर्न में डिफेंड से ड्रीम रन के जरिए 1 अंक हासिल किए। वहीं, नेपाल ने अटैकरों ने 22 अंक हासिल किए। तीसरे टर्न में अटैक करते हुए प्रियंका की टीम ने फिर कमाल किया और नेपाल को पूरी तरह मैच से बाहर कर दिया और 38 अंक बटोरे। वहीं, नेपाल ने डिफेंड में कोई पॉइंट्स नहीं किया।

तेलंगाना में कैपिटलैंड ने नए आईटी पार्क के लिए 450 करोड़ निवेश की घोषणा की

हैदराबाद/सिंगापुर, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिंगापुर स्थित प्रमुख वैश्विक रियल एस्टेट निवेश और विकास कंपनी कैपिटालैंड ग्रुप ने तेलंगाना के हैदराबाद में 10 लाख वर्ग फुट का अत्याधुनिक आईटी पार्क विकसित करने के लिए 450 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है।

यह घोषणा सिंगापुर में एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद की गई, जिसमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए . रेवंत रेड्डी, आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू और कैपिटालैंड के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिनमें कैपिटालैंड इंडिया ट्रस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ और ईडी गौरी शंकर नागभूषणम और कैपिटालैंड इन्वेस्टमेंट के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक मनोहर खियातानी शामिल थे।मुख्यमंत्री कार्यालय की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, आगामी आईटी पार्क हैदराबाद में कैपिटललैंड की व्यापक विकास पाइपलाइन का हिस्सा है। यह परियोजना वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) और प्रीमियम सुविधाओं की मांग करने वाली ब्लू-चिप कंपनियों की बढ़ती मांग को पूरा करेगी।कैपिटालैंड वर्तमान में हैदराबाद में तीन प्रमुख बिजनेस पार्क संचालित करता है: इंटरनेशनल टेक पार्क हैदराबाद (आईटीपीएच), एवन्स हैदराबाद, साइबरपर्ल शामिल हैं।

इसके अलावा, सिंगापुर स्थित कंपनी ने पहले हैदराबाद में 25 मेगावाट का आईटी लोड डेटा सेंटर बनाने की घोषणा की थी, जो 2025 के मध्य तक चालू होने की राह पर है। यह भारत में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए हैदराबाद के एक महत्वपूर्ण नोड के रूप में उभरने को और भी रेखांकित करता है।इंटरनेशनल टेक पार्क हैदराबाद (आईटीपीएच) में पुनर्विकास का दूसरा चरण इस वर्ष शुरू होने वाला है, जिसके 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है।घोषणा के बारे में बोलते हुए, गौरी शंकर नागभूषणम ने कहा: हैदराबाद ने लगातार व्यापार वृद्धि के लिए मजबूत क्षमता का प्रदर्शन किया है, जिसे तेलंगाना सरकार की प्रगतिशील नीतियों और सीएम रेवंत रेड्डी के गतिशील नेतृत्व का समर्थन प्राप्त है। हम हैदराबाद में अपने पदचिह्न का विस्तार करने के लिए उत्साहित हैं, इसके जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाते हुए टिकाऊ और विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचा प्रदान करते हैं।

निवेश का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस निर्णय को एक प्रमुख व्यापार और प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में हैदराबाद की स्थिति को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

रायतु भरोसा, इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा और नए राशन कार्ड जल्द ही जारी होंगे

खम्मम, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की है कि रायतु भरोसा, इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा और नए राशन कार्ड का वितरण आधिकारिक तौर पर 26 जनवरी से शुरू होगा।

भट्टी विक्रमार्क ने रविवार को खम्मम जिले के एर्रुपलेम मंडल में स्थित बनिगंदलापाडु गांव में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन करते हुए यह घोषणा की।अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि राज्य सरकार रायथु भरोसा योजना के तहत बिना किसी शर्त के खेती योग्य भूमि के लिए प्रति एकड़ 12,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। इसके अलावा, तेलंगाना में भूमिहीन और गरीब खेतिहर मजदूरों को इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा योजना के तहत सालाना 12,000 रुपये मिलेंगे।उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि तेलंगाना सरकार सभी पात्र परिवारों को राशन कार्ड जारी करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रायथु भरोसा, इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा, नए राशन कार्ड और इंदिराम्मा घरों के लिए लाभार्थियों का चयन राज्य भर के हर गांव में आयोजित ग्राम सभाओं के माध्यम से किया जाएगा। इस प्रक्रिया का उद्देश्य लाभार्थियों को चुनने में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

तेलंगाना सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत

मुफ्त में बढ़िया चावल उपलब्ध कराने के लिए सालाना 11,000 करोड़ खर्च करेगी : उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने रविवार को दावा किया कि नए राशन कार्ड लागू होने के बाद राज्य सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सभी पात्र व्यक्तियों को मुफ्त में बढ़िया चावल उपलब्ध कराने के लिए प्रति वर्ष लगभग 11,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

सूर्यापेट जिले में कई कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद बोलते हुए उत्तम ने कहा कि बीआरएस, जो अपने 10 साल के शासन के दौरान 40,000 नए राशन कार्ड भी जारी करने में विफल रही, को कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, जिसका लक्ष्य अतिरिक्त 40 लाख लोगों को लाभ पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सभी योग्य और पात्र नागरिकों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।मंत्री ने खुलासा किया कि बीआरएस शासन के दौरान, राशन कार्ड के लिए 12,07,558 आवेदन मी सेवा के पास लंबित रह गए, जबकि मौजूदा कार्डों में नए सदस्यों को जोड़ने के 18,00,515 अनुरोधों का समाधान नहीं किया गया। इसके अलावा, कांग्रेस के नेतृत्व वाले प्रजा पालना कार्यक्रम के दौरान 10 लाख आवेदन प्राप्त हुए।

राज्य सरकार नए राशन कार्ड के लिए जाति जनगणना, प्रजा पालना, प्रजा वाणी या मी-सेवा केंद्रों के तहत प्राप्त सूचनाओं/आवेदनों पर विचार करेगी। उन्होंने बताया कि अगर कोई व्यक्ति अभी भी छूट गया है, तो वह 21 से 24 जनवरी तक आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में नए राशन कार्ड के लिए आवेदन कर सकता है। कुल मिलाकर, अतिरिक्त 40 लाख व्यक्ति कांग्रेस सरकार की पहल से लाभान्वित होने वाले हैं, जो 26 जनवरी से शुरू हो रही है, उत्तम ने आश्वासन दिया कि कोई भी पात्र व्यक्ति छूटेगा नहीं और कोई भी मौजूदा राशन कार्ड रद्द नहीं किया जाएगा। पात्रता मानदंड जाति सर्वेक्षण, सामाजिक-आर्थिक डेटा और मौजूदा रिकॉर्ड के माध्यम से निर्धारित किए जा रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि केवल पात्र व्यक्ति ही लाभान्वित हों। मंत्री ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत बढ़िया चावल उपलब्ध कराने के कांग्रेस सरकार के वादे को दोहराया। उन्होंने पुष्टि की कि प्रत्येक व्यक्ति को 6 किलो उच्च गुणवत्ता वाला चावल मुफ्त मिलेगा, यह पहल राशन कार्ड की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुरू होगी। वर्तमान में, तेलंगाना में 89.96 लाख राशन कार्ड हैं, जिनमें 281.7 लाख लाभार्थी शामिल हैं। इनमें से 35.51 लाख कार्ड राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए हैं, जबकि 54.45 लाख राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत आते हैं। उन्होंने कहा कि सालाना 1.5 लाख रुपये तक कमाने वाले ग्रामीण परिवार और विशिष्ट कमजोर समूह अंत्योदय और अन्नपूर्णा जैसी योजनाओं के तहत खाद्य सुरक्षा कार्ड (एफएससी) के लिए पात्र हैं। मंत्री ने कहा कि 2024 में तेलंगाना की आबादी 3.94 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, लगभग 73.63 प्रतिशत निवासी इन योजनाओं के तहत आते हैं। इससे पहले, उत्तम ने जन पहाड़ दरगाह में उर्स समारोह की तैयारियों की समीक्षा की, जन पहाड़ लिफ्ट सिंचाई योजना का निरीक्षण किया और आवास कॉलोनी कार्यों की प्रगति का आकलन किया। उन्होंने चल रही विकास परियोजनाओं की देखरेख के लिए चेरुवु थांडा का भी दौरा किया।

वारंगल हाईवे पर डीसीएम पलटने से कई लोग घायल

हैदराबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वारंगल राजमार्ग पर घटकेसर के पास रविवार को एक सड़क दुर्घटना घटी, जब उप्पुनुतला गांव से 35 लोगों को ले जा रहा एक डीसीएम वाहन ब्रेक फेल होने के कारण पलट गया। जब यह घटना घटी, तब यात्री लोकप्रिय तीर्थ स्थल यदागिरिगुट्टा जा रहे थे ।यह दुर्घटना सुबह के समय हुई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, हाईवे पर यात्रा करते समय ब्रेक फेल होने के कारण डीसीएम ने नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन पलट गया। इस घटना में कई यात्री घायल हो गए, और उनकी चोटों की गंभीरता की पुष्टि अभी नहीं हो पाई है।पुलिस ने स्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया दी और कुछ ही मिनटों में दुर्घटना स्थल पर पहुंच गई। कई घायलों को तुरंत चिकित्सा उपचार के लिए नजदीकी घाटकेसर क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया । अधिकारी वर्तमान में चोटों की गंभीरता का आकलन कर रहे हैं और पीड़ितों को आगे की सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहे हैं।उप्पुनुताला गांव से यात्रा कर रहे यात्रियों के परिवारों ने अपने प्रियजनों के साथ अस्पताल में एकत्रित होकर अपनी परेशानी और चिंता व्यक्त की।

स्थानीय पुलिस और आपातकालीन चिकित्सा दल यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि सभी घायल व्यक्तियों को उचित देखभाल और उपचार मिले।स्थानीय अधिकारियों ने ब्रेक फेल होने के सटीक कारण की जांच शुरू कर दी है, जिसके कारण दुर्घटना हुई। पुलिस यह समझने की कोशिश कर रही है कि क्या वाहन का रखरखाव ठीक से किया गया था या फिर किसी बाहरी कारण से यह दुर्घटना हुई। उन्होंने सभी ड्राइवरों से आग्रह किया है कि वे लंबी यात्रा पर निकलने से पहले सुनिश्चित करें कि उनके वाहन सुरक्षित कार्य करने की स्थिति में हैं।

हैदराबाद मेट्रो मेडचल, जेबीएस और एयरपोर्ट को जोड़ने के लिए 60 किमी लंबा लिंक स्थापित करेगी!

हैदराबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद मेट्रो ने मेडचल, जुबली बस स्टेशन (जेबीएस) और हवाई अड्डे को जोड़ने के लिए 60 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर बनाने की योजना बनाई है। इस परियोजना का उद्देश्य शहर भर में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना और सार्वजनिक परिवहन को सुव्यवस्थित करना है।हैदराबाद मेट्रो रेल अधिकारियों ने शहर के उत्तरी हिस्सों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए जुबली बस स्टेशन (जेबीएस) पर एक एकीकृत मेट्रो हब विकसित करने की योजना का अनावरण किया है। यह परियोजना पैराडाइज-मेडचल और जेबीएस-शामीरपेट मेट्रो कॉरिडोर को मौजूदा नेटवर्क के साथ एकीकृत करेगी, जिससे हैदराबाद में सार्वजनिक परिवहन को मजबूती मिलेगी।

नई पहल में हैदराबाद मेट्रो के दूसरे चरण के हिस्से के रूप में मियापुर से पटनचेरु तक 13.4 किलोमीटर तक फैला प्रस्तावित कॉरिडोर-7 शामिल है । यह कॉरिडोर, एलबी नगर से हयातनगर विस्तार (7.1 किमी) और चालू मियापुर से एलबी नगर कॉरिडोर-1(29 किमी) के साथ मिलकर पटनचेरु से हयातनगर तक 50 किलोमीटर का निर्बाध मेट्रो मार्ग तैयार करेगा।मेडचल और शमीरपेट तक मेट्रो रेल कॉरिडोर के संरेखण में तकनीकी चुनौतियों का समाधान करने के लिए, हैदराबाद एयरपोर्ट मेट्रो लिमिटेड (एचएएमएल) के प्रबंध निदेशक एनवीएस रेड्डी ने वरिष्ठ इंजीनियरों और तकनीकी सलाहकारों के साथ निरीक्षण किया।पैराडाइज और बोवेनपल्ली के बीच सड़क की तीव्र वक्रता और एयरपोर्ट अधिकारियों के आग्रह ने एक अनूठी इंजीनियरिंग पद्धति को जन्म दिया है। एचएमडीए का एलिवेटेड कॉरिडोर अलाइनमेंट बेगमपेट एयरपोर्ट के रनवे के नीचे से 600 मीटर लंबी सुरंग से होकर गुजरेगा। हालांकि, इस सुरंग को समायोजित करने के लिए मेट्रो अलाइनमेंट को गिराना और ऊपर उठाना जटिलताएं पैदा कर रहा है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पैराडाइज-मेडचल और जेबीएस-शमीरपेट मेट्रो कॉरिडोर को शुरू में मिलाकर बाद में दो अलग-अलग मार्गों में विभाजित करने का प्रस्ताव दिया है। जेबीएस-सिकंदराबाद क्लब रोड, मडफोर्ट रोड और टिवोली जंक्शन रोड जैसी सड़कों सहित व्यवहार्य संरेखण का पता लगाने के लिए छावनी क्षेत्र में निरीक्षण किया गया।

टीम ने पाया कि जेबीएस पर दोनों मेट्रो कॉरिडोर को जोड़ना फायदेमंद है, ताकि एयरपोर्ट के नीचे सुरंग बनाने की नौबत न आए। मेट्रो अलाइनमेंट में चौड़ी सर्विस रोड मीडियन का इस्तेमाल किया जाएगा, ताकि एनएच फ्लाईओवर के निर्माण में होने वाली बाधा को कम किया जा सके।यह अलाइनमेंट मेडचल, जेबीएस, एमजीबीएस, चंद्रायनगुट्टा और एयरपोर्ट को जोड़ने वाला 60 किलोमीटर लंबा एंड-टू-एंड मेट्रो कॉरिडोर स्थापित करेगा। जेबीएस-शामीरपेट कॉरिडोर के लिए, अलाइनमेंट सिकंदराबाद क्लब के पास पहले मेट्रो पिलर से सीधे एचएमडीए एलिवेटेड कॉरिडोर पर डबल-एलिवेटेड संरचना के रूप में विस्तारित होगा।जेबीएस को सिकंदराबाद और उत्तरी हैदराबाद की आवागमन और रसद संबंधी जरूरतों को पूरा करने वाले एक मेगा मेट्रो हब में बदलने की योजना पर काम चल रहा है। परियोजना के लिए राज्य सरकार और रक्षा अधिकारियों की लगभग 30 एकड़ जमीन को एकत्र किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.